RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2015

अंक - 11 (मासिक) वर्ष - 10 अप्रैल, 2015 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

# श्री माहेश्वरी टाईम्स

## सांझी दुनिया का पूरा आसमान

FREE REGISTRATION AT
www.srimaheshwarimelapak.com

श्री माहेश्वरी मेलापक

महिला विशेषांक 2015

# मध्यप्रदेश को कृषि कर्मण अवार्ड लगातार तीसरे साल

❝ मध्यप्रदेश इस बात का प्रमाण है कि कृषि क्षेत्र के विकास के जरिये कैसे राज्य बीमारू से विकसित राज्य बन सकता है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज जी का विकास अभियान सराहनीय है। कृषि क्षेत्र में नयी तकनीकी के प्रयोग और सिंचाई क्षेत्र बढ़ाने से मध्यप्रदेश यह कर पाया है। ❞

- प्रधानमंत्री **श्री नरेन्द्र मोदी**
सूरतगढ़, राजस्थान
**कृषि कर्मण पुरस्कार समारोह**
19 फरवरी, 2015

2012

2014

D-76790

## गाँव, गरीब, किसान की सरकार
## मध्यप्रदेश सरकार

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2015

*विनम्र श्रद्धांजलि*

# समर्थ-सदाचारी-'सरला'

*अब उनका व्यक्तित्व और कृतित्व ही समाज की बड़ी पूँजी*

''यथा नाम तथा गुण'' की लोकोक्ति को चरितार्थ देखना हो, तो श्रीमती सरला बिड़ला से बड़ा उदाहरण नहीं मिल सकता। देश के शीर्ष औद्योगिक घराने की प्रमुख होने के बावजूद उन्होंने सम्पूर्ण जीवन जिस तरह सेवा सुश्रूषा और जरूरतमन्दों की सहायता में लगाया, उनका यही सदाचार सम्पूर्ण समाज के लिए प्रेरणीय और पथ-प्रदर्शक है। उनके देहिक अवसान से समाज की अपूरणीय क्षति हुई है, लेकिन वे सदैव हमारे मन-मानस में निश्छल, निर्मल 'सरला' के रूप में मौजूद रहेंगी। 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' परिवार की ओर से हृदय से विनम्र श्रद्धांजलि।

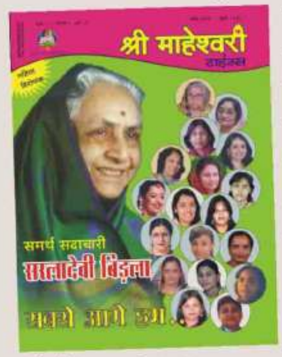


*हमने अप्रैल, 2008 के अंक में **'श्रीमती सरला बिड़ला'** पर केन्द्रित महिला विशेषांक प्रकाशित किया था।*

**- पुष्कर बाहेती,** *सम्पादक*

## *श्रद्धा-सुमन*

### समाज के शीर्षस्थों के लिए प्रेरणा

परम श्रद्धेय स्व. श्रीमती बिड़ला समाज ही नहीं अपितु देश के शीर्षस्थों के लिए भी एक प्रेरणा थीं। उन्होंने राह दिखाई कि सम्पन्नता का सच्चा सुख उसके स्व-उपभोग में नहीं बल्कि मानवता की सेवा में है। कई संस्थाओं से सम्बद्ध रहते हुए तो आपने अपनी सेवा दी ही, साथ ही माहेश्वरी समाज की प्रतिष्ठित संस्था ''आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र'' को भी आप जिस तरह मार्गदर्शन दे रही थीं, वह अविस्मरणीय है। आपका देहावसान समाज की अपूरणीय क्षति है।

**- पद्मश्री बंशीलाल राठी, चैन्नई**
पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

### मेरी तो व्यक्तिगत क्षति भी

मेरे बिड़ला परिवार से व्यक्तिगत रूप से पारिवारिक सम्बन्ध रहे हैं। माँ परम श्रद्धेय स्व. श्रीमती सरला बिड़ला से तो मुझे हमेशा ही मातृतुल्य स्नेह ही प्राप्त होता रहा। उन्होंने हर क्षेत्र में मार्गदर्शित और प्रोत्साहित किया, चाहे वह व्यावसायिक क्षेत्र हो या सामाजिक। ''माँ'' के देहावसान ने मुझसे स्नेहील आँचल छीन लिया है। अ.भा. माहेश्वरी महासभा की ओर से भी मैं परम श्रद्धेय श्रीमती बिड़ला को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

**- जोधराज लड्ढा**
सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

### शिक्षा जगत में क्रान्ति की ज्योति

परम श्रद्धेय स्व. श्रीमती बिड़ला समाज ही नहीं, बल्कि देश की एक ऐसी समाजसेवी थीं, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन मानवता को समर्पित कर दिया। विश्व की श्रेष्ठतम् संस्थाओं में से एक बिट्स पिलानी सहित कई श्रेष्ठ शिक्षण संस्थाओं की सौगात उन्होंने देश को दी है। यदि यह कहा जाए कि आज शिक्षा के क्षेत्र में माहेश्वरी समाज अग्रणी है, तो इस जागृति में श्रीमती बिड़ला एक क्रान्तिकारी की तरह सामने आईं और उन्होंने जागृति का बिगुल बजाया। आपका बिछौह सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज व राष्ट्र ही नहीं बल्कि मानवसेवा पथ की एक बहुत बड़ी क्षति है।

**- रामकुमार भूतड़ा**
महामंत्री, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

## जीवन परिचय

| | |
|---|---|
| **जन्म** | - 05 नवम्बर, 1924 - कुचामन (नागौर) |
| **पिता-माता** | - विदर्भ केसरी श्री ब्रजलाल बियानी व श्रीमती सावित्रीदेवी बियानी |
| **पति** | - श्री बसन्तकुमार-घनश्यामदासजी बिड़ला |
| **विवाह** | - 30 अप्रैल, 1942 |
| **प्रखर वक्ता** | - हिन्दी, अंग्रेजी व मराठी भाषा के साथ धर्म आध्यात्म व दर्शन का वृहद् ज्ञान। |
| **लेखिका** | - विश्व की टॉप 100 में शामिल "Eloquent Reflections of Sirla Birla" सहित हिन्दी में ''अनहद की झँकार'' का लेखन। |
| **स्थापना** | - इण्डियन स्कूल, बिट्स पिलानी, संगीत कला मन्दिर, स्वर संगम एवं संगम आदि। |
| **सम्मान** | - मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर से डी.लिट्. की मानद उपाधि (1992)। |
| | - चीन अकादमी, ताईवान द्वारा ''शिक्षा विद्'' सम्मान (1969)। यह सम्मान प्राप्त प्रथम भारतीय महिला। |
| | - इथियोपिया सरकार द्वारा ''मैनेलिक मेडल'' |
| | - एन.वी. गाडगिल नेशनल सोसायटी द्वारा उपराष्ट्रपति के.आर. नारायणन के हाथों ''काका साहेब गाडगिल नेशनल अवार्ड''। |

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

# श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

▸▸ अंक-11 ▸▸ अप्रैल, 2015 ▸▸ वर्ष-10



प्रेरणास्त्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)

अतिथि सम्पादक
श्रीमती उमा काबरा (बड़ौदा)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा)
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)



कार्यालय-
90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
PH.: 0734-256561, 2526761
MOBILE: 094250-91161
e-mail: smt4news@gmail.com
sri_maheshwaritimes@yahoo.com



स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।



▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।



Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
■ ICICI A/c. No. : 030005001198

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

## हे शक्ति स्वरूपा
# नारी !

तुम केवल पूजा हो।
हो सृष्टि-बीज
उसका पोषण
उसकी जीवन ऊर्जा हो
तुम केवल पूजा हो।
कितने भी हों चीर-हरण
ममता नहीं उघारी होती
अनगिनत दाँव लगे चौसर पर
आखिर जीत तुम्हारी होती
सौ-सौ बार हारती अग्नि
जिससे तुम वो शुचिता हो सीता की
कितना भी कालपुरुष पार्थ हो
तुम सदा देशना गीता की
जिस पर सौ कृष्ण निछावर
तुम वो वृषभानुजा हो
तुम केवल पूजा हो।
तुम्हें नमन... सौ बार नमन... नमन-नमन
फिर एक बार नमन
क्योंकि नारी! तुम केवल पूजा हो।

''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता''

जगद्धात्री-शक्ति स्वरूपा ममतामयी समस्त मातृ शक्ति को

**'श्री माहेश्वरी टाईम्स' का प्रणाम**

# तुम श्रद्धा...

इस अंक की तैयारी चैत्र नवरात्र में करते वक्त मनमानस में नारी शक्ति के प्रति अगाध श्रद्धा का ही भाव जाग रहा है। इसलिए ही नहीं कि यह अंक महिलाओं को समर्पित है, अपितु इसलिए कि यह अंक उन महिलाओं को समर्पित है, जिन्होंने अपने संकल्प और हौंसले से वह कर दिखाया, जो उनका सपना था। सपनें देखना और उन्हें साकार करना, यह कतई कठिन नहीं, बस अपने सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता और पाने की ललक को हौंसले के साथ रखना होगा। जिन लोगों ने सफलता के शिखर छुए हैं, उनका अनुभव यही कहता है। चैत्र हो या शारदीय नवरात्र का अनुष्ठान, हमें यही सीख देने आता है। अध्यात्म के जानकार शक्ति (यानि नारी) को 'संकल्प' मानते हैं और शिव को वह 'हौंसला' जो पूर्णता का मार्ग प्रदर्शक है। हमारे शास्त्र और वेद पूर्णता को प्राप्त करने का अलख जगाते हैं। नवरात्र की इस मंगल बेला में उन समस्त- सकल महिलाओं का वंदन जो आज अन्य के लिए प्रेरणा का प्रतिबिम्ब बन कर उभरी हैं। इस अंक में हमने ऐसी ही कुछ प्रतिभाओं को समाज से परिचित कराने का प्रयास किया है। यह केवल महिलाओं के प्रति जिम्मेदारी का अहसास भर है, एक प्रतीकात्मक पहल है, ताकि समाज में महिलाओं के प्रति नजरिया बदले।

राष्ट्रपति पुरस्कार से अलंकृत डॉ. राजेश्वरी राठी, उद्योग जगत में दैदीप्यमान सारिका बाहेती, समाज सेवा को समर्पित कृष्णा जाजू, शकुंतला नावंदर, चिकित्सा जगत में शान बढ़ाने वाली डॉ. अर्चना माहेश्वरी, राजनीति में समाज का सफल प्रतिनिधित्व कर रहीं लक्ष्मीकांता सोड़ानी और नवोदित कलाकार वृंदा शाह जैसी अनेक प्रतिभाएं इस अंक की शोभा हैं।

आज भी समाज का एक बड़ा वर्ग महिलाओं को लेकर आश्वस्त नहीं है। महिलाओं को अभी भी घर-परिवार की देखभाल तक ही सीमित रखने की सोच गई नहीं है। उन्हें अभी भी कमजोर और पुरूष के मुकाबले कम काबिल माना जाता है। उनकी सुरक्षा और सम्मान को लेकर घर परिवार से लेकर सरकार तक संतुष्ट नजर नहीं आते। देश और समाज का नेतृत्व करने का दावा करने वालों के बयान उनकी इसी मानसिकता को प्रदर्शित करते नजर आते हैं। दुःख तो इस बात का भी है कि इस मानसिकता को बल देने में महिलाएं भी पीछे नहीं है। अंतरिक्ष से लेकर पाताल तक अपने हौंसले और संकल्प के सहारे सफलता का परचम फहरा देने के बाद भी यदि उसे समाज कमजोर मानता है, तो यह समाज की ही विफलता है। और यदि सरकार सम्मान और सुरक्षा का दायित्व नहीं उठा सकती, तो ऐसी सरकार का नेतृत्व हमें स्वीकार नहीं है। ऐसे नेताओं और उन सभी को जवाब देना होगा, जो महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने की बजाय गैर जिम्मेदाराना तरीके से समाज को गुमराह करने की कोशिश करते हैं।

महिलाओं के प्रति सबसे ज्यादा जागरूक माहेश्वरी समाज की उन संस्थाओं को भी वंदेमातरम् बोलना चाहते हैं, जिन्होंने समाज की महिलाओं की गगन छूती उड़ान को पंख दिए हैं। इनमें आदित्य विक्रम बिरला व्यापार सहयोग केन्द्र चेन्नई का नाम प्रमुख है। इस संस्था की मदद से अनेक महिलाओं को अपने सपने साकार करने का रास्ता मिला और उन्होंने वह कर दिखाया, जो उन्हें असंभव नजर आता था। संस्थान का उद्देश्य उन महिलाओं को सहयोग देना है, जो कुछ कर दिखाना चाहती हैं। यहां माहेश्वरी मारवाड़ी महासभा का भी उल्लेख जरूरी है, जिसने बेटी बढ़ाओं का नारा देकर बेटी के जन्म पर 5 लाख रु. की एफ डी परिवार को भेंट करने की नई परंपरा शुरू की। समाज में और भी ऐसी संस्थाएं हैं, जो महिलाओं को आगे बढ़ाने में जुटी हैं।

इस अंक में आपके लिए वह सभी कुछ सहेजने का प्रयास किया गया है, जिसकी आपको प्रतीक्षा रहती है। अंक के बारे में अपनी प्रतिक्रिया और सुझाव पहुँचाना न भूलें।

जय महेश।

**सरिता बाहेती**

# संस्कारों के साथ चुनें उन्नति की राह

बड़ोदा निवासी ख्यात उद्योगपति श्री त्रिभुवन काबरा की धर्मपत्नी श्रीमती उमा काबरा समाजसेवा के क्षेत्र में एक अत्यंत समर्पित व सम्मानीय नाम है। आप माहेश्वरी महिला मंडल बड़ौदा को मंत्री व अध्यक्ष तथा गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन को उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष जैसे पदों के साथ सम्बद्ध होकर सेवा देती रही हैं। गत दिनों अहमदाबाद में अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन का अखिल भारतीय आयोजन "ओजसम-२०१४" आयोजित हुआ। इसकी संयोजिका के रूप में सफलतापूर्वक जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। मुम्बई घाटकोपर क्षेत्र समिति से भी आप सम्बद्ध हैं। पति के साथ अपने पारिवारिक उद्योग समूह रामरत्ना ग्रुप के आर.आर. काबेल आदि उद्योगों को अपनी महत्वपूर्ण सेवा देते हुए आप वनबंधु परिषद व विभिन्न शिक्षण संस्थाओं सहित कई समाजसेवी संस्थाओं को सेवा दे रही हैं। आपका ससुराल ही नहीं, बल्कि मायका पक्ष भी समाजसेवा में अग्रणी है। आपकी समाज में विशिष्ट पहचान सरल जीवन व बिना पद लालसा के "सायलेंट वर्कर" के रूप में है।

वर्तमान दौर में विश्व की आदी शक्ति नारी सम्पूर्ण विश्व में अपनी योग्यता का परचम लहरा रही है। इस स्थिति में माहेश्वरी नारी भी पीछे नहीं है। यदि माहेश्वरी समाज देश का सबसे अग्रणी समाज है, तो माहेश्वरी नारी भी अग्रणी ही है। उद्योग, व्यवसाय, शिक्षा, चिकित्सा व सेवा आदि शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो, जो माहेश्वरी नारी की उपस्थिति से अछूता हो, बल्कि कई क्षेत्रों में तो उनका ही सर्वाधिक वर्चस्व है। यह सब माहेश्वरी नारी की अप्रतीम प्रतिभा व क्षमता का नतीजा है। वरना कौन कल्पना कर सकता है कि लगभग आधी सदी पूर्व घूँघट में जीने वाली माहेश्वरी नारी इस तरह सफलता का इतिहास लिखेगी? न सिर्फ आजीविका के लिये बल्कि अपने आत्मसम्मान के लिये भी नारी का आत्मनिर्भर होना जरूरी है। उसे अपने अपनी योग्यता सिद्ध करना है, तो आत्मनिर्भर होना ही पड़ेगा।

आज शासन स्तर पर भी नारी के विकास के लिये अनुकूल परिस्थितियाँ हैं और सुखद बात यह है, इसमें सहयोगी है, हमारा व्यवसायी माहौल। यदि स्व व्यवसाय चुनना हो तो शासन स्तर पर तो महिलाओं के हित में कई योजनाऐं हैं ही, साथ ही समाज में भी "श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र" जैसी संस्था हैं, जो न सिर्फ नव उद्यमियों को आर्थिक सहयोग प्रदान करती है, बल्कि उन्हें अपने व्यवसाय में स्थापित होने के लिये पूर्ण मार्गदर्शन भी प्रदान करती है।

उच्च शिक्षा प्राप्त कर प्रशासकीय अथवा किसी अन्य उच्च स्तरीय सेवा से भी जुड़ सकती हैं। यदि इसमें मार्गदर्शन की आवश्कता हो, तो इसके लिये भी समाज में कॅरियर प्रकोष्ठ है, जो सहयोग के लिये तत्पर है। उन्नति करना तो उचित ही नहीं बल्कि अनिवार्य है, लेकिन साथ ही नारी को अपनी सहज स्वाभाविक "नारी" की पहचान भी अपने संस्कारों के साथ कायम रखना होगी। आज कॅरियर की राह पर नारी अपनी पहचान खो रही है। वह अपने आप को शक्तिशाली प्रकट करने के लिये "पुरूष" बनने की कोशिश कर रही है। यहीं से भटकाव हो रहा है और पारिवारिक तथा चारित्रिक परेशानियों की शुरूआत हो रही है।

हकीकत देखें तो नारी को पुरूष बनने की आवश्यकता है ही नहीं, क्योंकि वह तो हमेशा से पुरूष से कई मायने में अधिक शक्तिशाली रही ही है, तभी तो उसे "शक्ति" रूप में पूजा जाता है। उसमें प्रकृति प्रदत्त रूप से विशिष्ट प्रबंधकीय व मार्केटिंग की दक्षता है। सृजन तो उसका स्वभाव है, ही। विपरीत परिस्थितियों का भी डटकर मुकाबला करने की जो सामर्थ्य नारी में है, वह पुरूषों में नहीं। संवेदनशीलता की विलक्षणता तो उसे पूज्य बनाती ही है। अतः यदि नारी पुरूष बनने के बजाऐं अपनी शक्ति को ही पहचानकर उनका उपयोग करे, तो वह शायद सफलता का वह कीर्तिमान स्थापित करेगी, जो पुरूष कभी नहीं कर पाया।

इसके साथ उसे एक आदर्श पत्नी व माँ भी बनना है, क्योंकि इसी में उसके जीवन की सफलता है। जीवन की इस यात्रा में पुरूष को कदापि वह प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी माने। यदि ऐसा करने में वह सफल होती है, तो वह अपने सपनों का संसार रच सकती है, जिसमें उसकी सफलता की कहानी भी होगी और इस सफलता पर उसके साथ उसकी खुशी में शामिल होने वाला उसका परिवार भी होगा। अतः मैं सभी बहनों से यही अपील करती हूँ कि वे उन्नति के शिखर की ओर कदम बढ़ाऐं, परंतु अपने संस्कारों के साथ, क्योंकि यही हमें पूर्ण सफलता की ओर ले जा पाऐंगे।

**उमा काबरा**
अतिथि सम्पादक

# श्री सांगल माताजी

**श्री सांगल माताजी माहेश्वरी समाज के भट्टड़, मालपानी व जावंधिया खाँप की कुलदेवी हैं।**

माताजी का मंदिर राजस्थान के जैसलमेर जिले में भादरिया गाँव में स्थित है। यह मंदिर देश ही नहीं अपितु सम्पूर्ण ऐशिया में अपनें चमत्कारिक प्रभावों से प्रसिद्ध है। अतः माहेश्वरी समाजजनों के साथ ही अन्य जाति के श्रद्धालुओं की भी यहाँ भीड़ लगी रहती है। यह मान्यता है कि यहाँ मांगी हुई मुराद अवश्य ही पूरी होती है।

इस मंदिर की एक और भी विशेषता है। यहाँ एक विशाल अन्डरग्राउण्ड लायब्रेरी है जिसमें लाखों पुस्तकें हैं। इनमें कई दुर्लभ पुस्तकं भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त यहाँ लगभग 1500 गायों की विशाल गौशाला भी है। मंदिर में नियमित पूजा-अर्चना तो होती ही है, नवरात्रि में लगने वाला मेला विशेष आकर्षण होता है।

## कैसे पहुँचें-

भादरिया गाँव जोधपुर मार्ग पर जैसलमेर से 75 कि.मी. तथा पोकरन से 40 कि.मी. दूर है। वैसे तो जैसलमेर व पोकरन से बस सुविधा भी उपलब्ध है लेकिन निजी वाहन या टैक्सी से आना जाना ज्यादा सुविधाजनक है।

## कहाँ ठहरें-

ठहरने के लिये भादरिया गाँव में ही श्री सांगल माताजी के मंदिर परिसर के समीप धर्मशाला बनी हुई हैं जिसमें ठहरने की सामान्य सुविधा उपलब्ध है।

# 'एम-सर्कल' ने दिखाई व्यावसायिक सहयोग की राह

## चेन्नई में सम्पन्न हुआ संस्था का प्रथम बिजनेस कानक्लेव-व्यवसाय के गुर का हुआ आदान प्रदान

**चेन्नई।** माहेश्वरी समाज के व्यवसायियों व उद्यमियों के नवगठित संगठन "एम-सर्कल" के प्रथम बिजनेस कॉनक्लेव का आयोजन गत 14 मार्च को चेन्नई के होटल "हयात् रेजीडेंसी" में सम्पन्न हुआ। इसमें देश भर से आये 400 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया।

क्या आपने कभी किसी प्रथम श्रेणी छात्र को परीक्षा में जाते देखा हैं? यदि हाँ, तो कुछ इसी तरह की मुस्कुराहट थी, एम सर्कल के सभी सदस्यों के चेहरे पर, जब 14 मार्च 2015 की सुबह "होटल हयात" की ओर बढ़ रहे थे। एकजुटता से एक ही विचार चल रहा था-"Together we can." एम सर्कल के अध्यक्ष रवि लड्ढा ने प्रातः 9.30 बजे कानक्लेव प्रारम्भ करते हुए सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि सी. के. शंकर अतिरिक्त मुख्य सचिव तमिलनाडू उद्योग विभाग ने दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में सभी को प्रेरित किया और सरकार द्वारा प्रारम्भ किये गए औद्योगिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए सभी उद्योगपतियों को तमिलनाडू में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश बंग (Room-XML) ने किया। इसमें 3 सत्रों में 12 वक्ताओं ने सम्बोधित किया।

### किन्होंने क्या कहा?

एच. के. झँवर एम.डी. झँवर ग्रुप ने सभी माहेश्वरियों में बड़े सपने देखने की इच्छा जगाई। राज श्री बियाणी एम.डी. माइक्रोसॉफ्ट इंडिया ने सही शुरूआत पाने के विषय पर अपने विचार प्रकट किये। व्यापार की उन्नति के बारे में मंत्री डिवेलपर के सुशील मंत्री ने विचार व्यक्त किये। शरद हेडा सीईओ माईक्रोलैंड ने व्यवसाय में तकनीकों का महत्व समझाया। KPMG के आलोक मुंदड़ा ने ब्राँड बिल्डिंग के बारे में समझाया। भानुप्रकाश इनानी डायरेक्टर स्वान फायनेंस इन्दौर ने कैश एवं फायनेंस के गम्भीर विषय को समझाया। आईएएस विनोद अजमेरा राजस्थान ने विकास के मौकों पर रोशनी डाली। जय किशन जाजू अध्यक्ष शुभाशीष ग्रुप जयपुर ने कॉरपेरिट एवं सामाजिक उत्तरदायित्व पर सन्तुलन बनाने हेतु मार्गदर्शन दिया। गोपाल काबरा एम.डी.-आर.आर. कॉबेल ने बदलाव के अनुसार ढलने पर अपने विचार व्यक्त किये। अनुराग मूँदड़ा एम.डी. उजास इनर्जी ने सौर ऊर्जा के विशेष लाभ बताते हुए बहुमूल्य विचार व्यक्त किये। प्रदीप बाहेती एम.डी-आई डी बी कॉर्स जयपुर ने पारिवारिक और व्यावसायिक जीवन शैली में सन्तुलन बनाये रखने पर जोर दिया।

### अंत में आयोजित हुआ नेटवर्किंग सत्र

नेटवर्किंग सत्र में 6 विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। इनमें प्रमुख रियलिटी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, मोबाईल एप्प, ई-कामर्स, टेक्रेलॉजी, फायनेंस व शेयर्स आदि शामिल थे। यह एक इन्टरएक्टिव सत्र था, जिसमें सभी प्रतिनिधियों और वक्ताओं ने एक-दूसरे से अपने-अपने विषयों पर खुलकर चर्चा की और विचार भी प्रकट किये।

## युवा संगठन के चुनाव सम्पन्न

**मुर्तीजापुर।** विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आगामी सत्र हेतु निर्विरोध चुनाव नवयुवक मंडल मुर्तीजापुर के आतिथ्य व निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष रमण हेडा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुए। इस चुनाव में अमरावती निवासी गिरीराज कोठारी प्रदेश अध्यक्ष एवं लोणार निवासी गोपाल तोष्णीवाल प्रदेश मंत्री चुने गये। मुख्य चुनाव अधिकारी अमरावती के मनोज राठी थे। साथ ही राष्ट्रीय निरीक्षक के रूप में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के भूतपूर्व अध्यक्ष अशोक इन्नानी उपस्थित थे।

## मेले के साथ मना गणगौर उत्सव

**इन्दौर।** श्री माहेश्वरी महिला संगठन इन्दौर जिला द्वारा गणगौर उत्सव स्थानीय दस्तूर गार्डन में मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य संयोजक सुमन सारड़ा एवं रेखा पसारी ने बताया कि इस अवसर पर मेले का आयोजन भी किया गया, जिसमें 70 से अधिक स्टॉल महिलाओ द्वारा लगाये गये। अतिथि सोनाली न्याती, मनीषा झंवर, प्रदेश अध्यक्ष निर्मला बाहेती थी। अध्यक्षता महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा ने की। इस अवसर पर इन्दौर नगर पालिका निगम की नव निर्वाचित पार्षद लता लड्ढा एवं गोपाल मालू का अभिनंदन शाल-श्रीफल से किया गया।

अतिथियों का स्वागत संस्था अध्यक्ष वीणा सोमानी, प्रमिला भूतड़ा, सुलेखा मालपानी, मंजू मर्दा आदि ने किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं ईसर गणगौर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता के पुरस्कार गीतांजली ज्वेलर्स के सौजन्य से प्रदान किये गये। इस अवसर पर नवगठित श्री बालाजी क्षेत्र माहेश्वरी सखी संगठन का शपथ विधि समारोह भी संपन्न हुआ।

समन्दर को बड़ा गुमान आया है
हमने भी कह दिया
कि उधर ही ले चलो कश्ती
जिधर तूफान आया है।

## महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

**गुलबर्गा।** स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल के चुनाव सर्वसम्मति से गत दिनों सम्पन्न हुए। इसमें पुष्पादेवी-जुगलकिशोर मालू अध्यक्ष व सरला-ओमप्रकाश काबरा सचिव चुनी गई।

## राठी बने संरक्षक

**छत्तीसगढ़।** छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष राजकुमार राठी सर्वसम्मति से व्यापारी संघ के संरक्षक चुने गये।समाजसेवी श्री राठी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रवक्ता एवं संकटमोचन हनुमान मंदिर समिति के अध्यक्ष भी हैं।

## रोगियों के लिये निःशुल्क भोजन व्यवस्था

**इचलकरंजी।** महेश मानव संस्था द्वारा आय. जी. एम. हॉस्पिटल में चिकित्सा हेतु भर्ती सभी रोगियों के लिए निःशुल्क भोजन व्यवस्था की शुरूआत की गई। इसका उद्घाटन विधायक सुरेशराव हालणकर एवं प्रदेश के भूतपूर्व वस्त्रोद्योग मंत्री प्रकाशराव आवाडे एवं उद्योगपति भीमकरण छापरवाल की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। अतिथि स्वागत संस्था अध्यक्ष ओमप्रकाश छापरवाल ने किया।


नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः न चैनं क्लेदयन्त्यापो, न शोषयति मारुतः । (गीता-2/23)
(आत्मा को न शस्त्र काट सकता है, न अग्नि जला सकती है, न जल भिगो सकता है और न ही वायु सुखा सकती है)

प्रथम पुण्यतिथि पर शत् शत् नमन

कर्मयोगी, दूरदृष्टा, पथ-प्रदर्शक
श्री रामकुमार माहेश्वरी (कक्का)
की प्रथम पुण्यतिथि पर
पुण्य स्मरण

श्रद्धावनत्
श्रीमती सूरजबाई माहेश्वरी (पत्नी)
गोपालदास, नन्दकिशोर, नवलकिशोर,
हेमेन्द्र, चतुर्भुज माहेश्वरी (पुत्रगण)
एवं माहेश्वरी (लखोटिया) परिवार नलखेड़ा - उज्जैन - बड़ौदा

## महेश बैंक में मना महिला दिवस

**हैदराबाद।** महेश बैंक के निजामशाही रोड स्थित प्रधान कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आंध्रप्रदेश सरकार की सूचना आयुक्त एम. विजय निर्मला, हैदराबाद इन्फोसिस की मनीषा साबू, महिला रोग चिकित्सक डॉ. देवयानी डंगोरिया व चित्रकार जया बाहेती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। बैंक की ओर से चेयरमैन रमेशकुमार बंग ने अतिथियों का पारम्परिक सम्मान किया। इस कार्यक्रम में बैंक की महिला निदेशक रत्नमाला साबू एवं पुष्पा बूब का भी सम्मान किया गया।

## हुरकट बने जिला पंचायत सदस्य

**बड़ौदिया।** म.प्र. त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में दिनेश हुरकट शाजापुर जिले के मोहन बड़ोदिया के वार्ड क्रं. 4 से चार बागी कांग्रेसियों से मुकाबला करते हुए भाजपा के प्रत्याशी को 1561 मतों से पराजित कर जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हुए। स्व. गोरधनदास हुरकट के ज्येष्ठ पुत्र श्री हुरकट वर्ष 1991 में सर्वप्रथम ग्राम पंचायत मो. बड़ौदिया के प्रधान बने। वर्ष 1994 में वार्ड क्रं. 5 से तथा वर्ष 2000 में जिला पंचायत के वार्ड क्रं.4 से जिला पंचायत सदस्य चुने गए। वर्ष 2005 में जनपद अध्यक्ष भी चुने गये थे।

> हम क्या हैं वो तो सिर्फ हम ही जानते हैं
> लोग तो सिर्फ हमारे बारे में
> अंदाजा ही लगा सकते हैं।

## माधुरी धूत को 'महिला सशक्तिकरण अलंकरण'

**जयपुर।** सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी स्व. श्री राधेश्यामजी धूत की पुत्रवधु एवं माधुरी जेम्स की सी.ई.ओ श्रीमती माधुरी धूत का जयपुर जिला माहेश्वरी सभा द्वारा जयपुर ज्वेलरी के गोल्ड सूक ज्वेलरी अवार्ड समारोह में प्राप्त 'बेस्ट वूमेन इंटरप्रेन्योर' पुरस्कार पाने के उपलक्ष्य में प्रमाणपत्र प्रदान कर एवं शॉलओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

## फाल्गुन महोत्सव सम्पन्न

**जयपुर।** जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत दिनों फाल्गुन महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्री माहेश्वरी सेवा सेदन के सभागार में महिलाओं ने नृत्य कर फूलों से होली खेली। राधा-कृष्ण के रूप में ज्योति तोतला एवं ज्ञान लाहोटी तथा बाल स्वरूप में द्रोणाक्षी मंत्री एवं भाविका जाखोटिया थीं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रदेश महिला संगठन की अध्यक्ष पद्मा जाजू एवं विशिष्ट अतिथि विजयश्री तापड़िया सरोज परवाल थीं। प्रादेशिक महिला संगठन की मंत्री अनिता राठी, माहेश्वरी महिला परिषद जयपुर की अध्यक्ष सविता पटवारी, मंत्री नीलम देवपुरा, भूतपूर्व अध्यक्ष लक्ष्मी परवाल भी कार्यक्रम में उपस्थित थीं। जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष उमा परवाल व मंत्री ज्योति तोतला ने सभी का स्वागत करते हुए होली की शुभकामनाएं दी।

## डॉ. माहेश्वरी बने प्रांतीय अध्यक्ष

**उज्जैन।** स्थानीय अवंतिका महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य शिक्षाविद् डॉ. एच.एल. माहेश्वरी भारतीय भाषा सद्भाव परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। उक्त जानकारी परिषद के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आनंद मंगलसिंह कुलश्रेष्ठ ने दी।

## वार्षिक साधारण सभा में सम्पन्न

**वरंगल।** दि. 25 मार्च, 2015 बुधवार को राजस्थानी महिला मंडल वरंगल के सत्र 2015-2017 की कार्यकारिणी के चुनाव मंडलकी वार्षिक साधारण सभा में संपन्न हुए। इस चुनाव में अध्यक्षा श्रीमती चंदा सोनी उपाध्यक्षा श्रीमती इंद्रा देवी मणियार मंत्राणी श्रीमती मीना लाहोटी सह मंत्राणी श्रीमती शारदा मोदानी कोषाध्यक्षा श्रीमती कविता सोनी सह कोषाध्यक्षा श्रीमती मंजू लाहोटी सांस्कृतिक मंत्राणी श्रीमती नीतू बंग सह सांस्कृतिक मंत्राणी पूनम खण्डेलवाल सर्वसम्मति से चुने गए। साथ ही 15 सदस्यों की कार्यकारिणी का चयन किया गया। श्रीमती बीना बोहरा, श्रीमती सुनीता मालानी, श्रीमती ज्योति सोनी, श्रीमती संगीता बजाज, श्रीमती सपना जोशी, श्रीमती पूजा बंग, श्रीमती रिंकू बोहरा, श्रीमती शीतल डालिया,श्रीमती नूतन मानधनी, श्रीमती मंजू दरक, श्रीमती मीना मालानी, श्रीमती सरिता सोमानी, श्रीमती शीतलशर्मा, श्रीमती प्रेमलता मूंदड़ा, श्रीमती सीमा दरक का कार्यकारिणी सदस्या के रूप में चयन किया गया।

## फाग महोत्सव का हुआ आयोजन

**जोधपुर।** शहर माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से सत्संग भवन सरदारपुरा में फाग महोत्सव आयोजित किया गया। अध्यक्ष पूर्णिमा काबरा, सचिव डॉ.नीलम मूंदड़ा व कोषाध्यक्ष कल्पना चांडक के सान्निध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में फाग गीत और फूलो से होली खेली गई। इस अवसर पर साहित्य व लेखन के लिये स्वाति 'सरू' जैसलमेरिया को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि सावित्री डागा, महिला मोर्चा अध्यक्ष विनीता, कान्ता चांडक और विमला बंग थीं।

## वैवाहिक आयोजनों में मितव्ययता जरूरी

**इंदौर।** श्री माहेश्वरी जनकल्याण ट्रस्ट द्वारा एक परिचर्चा का आयोजन श्री माहेश्वरी भवन ए.बी. रोड पर किया गया। विषय था वैवाहिक आयोजन में मितव्ययता समय की आवश्यकता। ट्रस्ट अध्यक्ष रामेश्वरलाल आसवा, सचिव भरत सारड़ा, कोषाध्यक्ष शिवभगवान परवाल, वरिष्ठ समाज सेवी वी.डी. राठी, जिलासभा के मंत्री लक्ष्मण माहेश्वरी व संयोगितागंज क्षेत्र के अध्यक्ष सुभाष राठी ने परिचर्चा का शुभारंभ किया। मुख्य वक्ता प्रहलाददास चण्डक व लक्ष्मण माहेश्वरी थे। माहेश्वरी समाज इंदौर जिला द्वारा वैवाहिक आयोजनों में भोजन को 21 व्यंजनों तक सीमित रखने के निर्णय की दोनों वक्ताओं ने तारीफ की। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आयोजनों में महिला संगीत एवं मेहंदी का कार्यक्रम भी परिवार के नजदीकी सदस्य व रिश्तेदारों तक ही सीमित रखें। केदार सारड़ा, रामेश्वरलाल सोमानी, केपी माहेश्वरी, वीडी राठी, नंदलाल राठी, रामस्वरूप धूत, श्रीनिवास मालपानी, राधेश्याम सोमानी आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

## महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

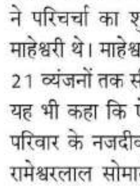

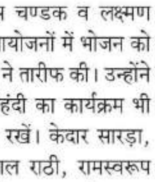

**छिंदवाड़ा।** स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल के चुनाव अधिकारी विमला राठी व कुंजबाला काबरा की उपस्थिति में सर्वसम्मति से हुऐ। इसमें अध्यक्ष-संगीता राठी, सचिव-अर्चना चांडक, उपाध्यक्ष-ममता मालपानी व अलका जाखोटिया, सहसचिव-उषा राठी, संगठन मंत्री-अरुणा राठी, कोषाध्यक्ष-छाया गांधी, सहकोषाध्यक्ष-संगीता राठी, प्रचार प्रसार मंत्री-लता चांडक तथा सांस्कृतिक मंत्री-सुचीता राठी व कंचन परवाल चुनी गई।

## अबीर गुलाल के साथ कविताओं के रंग

**पिपरिया।** होली रंग पंचमी के अवसर पर माहेश्वरी समाज द्वारा अबीर गुलाल उत्सव का आयोजन हास्य व्यंग्य कवियों की रचना के साथ किया गया। इसी अवसर पर अदम्य साहस का परिचय देने वाली कु. नंदनी व नवनिर्वाचित पार्षद का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन कार्य समिति सदस्य शोभा भट्टर, मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष बालकिशन टावरी, मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन सहसचिव सरला भट्टर, मध्यप्रदेश पूर्व युवा संगठन के सांस्कृतिक मंत्री नंदकुमार चांडक, होशंगाबाद हरदा जिला सभा सचिव सुरेश गोदानी, सहसचिव अशोक तोषणीवाल आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

> *अकेले रहने का भी एक अलग ही मज़ा है*
> *न किसी के वापिस आने की उम्मीद*
> *और न किसी के छोड़ जाने का डर।*

## ग्राहक सम्बंधों पर हुई परिचर्चा

**हैदराबाद।** परिवर्तनों के इस दौर में जहाँ हमारी प्राथमिकतायें बदल रही है, वहीं पर हमारे क्रियाकलापों में भी परिवर्तन अपरिहार्य हैं। विशेष रूप से सेवा क्षेत्र से सम्बद्ध आदमी के लिये उसका ग्राहक सर्वोपरी होना चाहिये। उक्त उद्गार भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग ओमबड्समैन डॉ. एन. कृष्णमोहन ने महेश बैंक के निजामशाही रोड स्थित प्रधान कार्यालय में बैंक के शाखा प्रबन्धकों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष ग्राहक सम्बन्धों पर आयोजित परिचर्चा में व्यक्त किये। बैंक के चेयरमैन रमेशकुमार बंग ने अतिथि स्वागत करते हुये बैंक की उपलब्धियों के बारे में बताया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक उमेशचन्द आसावा ने अतिथि परिचय कराया। कार्यक्रम में बैंक के महाप्रबन्धक, सहायक महाप्रबन्धक एवं वरिष्ठ अधिकारियों की शंकाओं का समाधान बैंकिंग ओमबड्समैन ने किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम मानधणा द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

## अबीर गुलाल के साथ कविताओं के रंग

**पिपरिया।** होली रंग पंचमी के अवसर पर माहेश्वरी समाज द्वारा अबीर गुलाल उत्सव का आयोजन हास्य व्यंग्य कवियों की रचना के साथ किया गया। इसी अवसर पर अदम्य साहस का परिचय देने वाली कु. नंदनी व नवनिर्वाचित पार्षद का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन कार्य समिति सदस्य शोभा भट्टर, मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष बालकिशन टावरी, मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन सहसचिव सरला भट्टर, मध्यप्रदेश पूर्व युवा संगठन के सांस्कृतिक मंत्री नंदकुमार चांडक, होशंगाबाद हरदा जिला सभा सचिव सुरेश गोदानी, सहसचिव अशोक तोषणीवाल आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

## म.प्र. में सेवा संस्थान का गठन

**इंदौर।** म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी समाज की सेवा के उद्देश्य से जय महेश माहेश्वरी सेवा संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष सुरेशचंद्र राठी के नेतृत्व में आगामी तीन वर्ष के लिए प्रबंधकारिणी समिति के निर्वाचन सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष गोपालकृष्ण एस. मानधन्या, उपाध्यक्ष रमेशचंद्र डाड, सचिव एन.डी. माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष बसंत भट्टड़, सह सचिव गोविंद राठी, संगठन मंत्री डॉ. रवींद्र राठी निर्वाचित हुए। कार्यालय सचिव सुरेश सिंगी व परामर्शदाता रामस्वरूप धूत तथा श्यामसुंदर बिहानी चुने गए। संस्था अध्यक्ष सुरेशचंद्र राठी ने बताया कि संस्थान द्वारा आगामी कार्यक्रम में परिचय सम्मेलन, शिक्षा सहायता, चिकित्सा सहायता सहित अन्य कार्यक्रम किए जाएंगे।

## राधिका बजाज हुईं सम्मान

**जयपुर।** हाल ही में जयपुर जिला माहेश्वरी सभा द्वारा जयपुर में आयोजित 'सशक्त माहेश्वरी महिला सम्मान समारोह' में राधिका बजाज पत्नी श्री रोहन बजाज को अखिलभारतीय सी.ए. फाइनलपरीक्षा में मेरिट में आने व गुजरात राज्य में प्रथम स्थान पाने पर प्रशस्ति पत्र देकर एवं शॉलओढ़ाकर सम्मानित किया गया। राधिका सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री सुरेन्द्र बजाज की पुत्रवधु है।

## श्रीमती माहेश्वरी का किया अभिनंदन

**संगरिया।** राजस्थान सरकार में जलदाय मंत्री किरण माहेश्वरी के हनुमानगढ़ आगमन पर जिला माहेश्वरी सभा व माहेश्वरी महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्रीमती माहेश्वरी ने चिंता व्यक्त की कि वर्तमान समय में युवा पीढ़ी अपनी मारवाड़ी संस्कृति को भुलाकर पाश्चात्य संस्कृति के अधीन हो रही है। कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश बिहाणी, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष बृजरतन चांडक व युवा संगठन अध्यक्ष विजय सिकची ने सम्बोधित किया। जिला सभा सचिव रतनलाल लाहोटी के नेतृत्व में मंडी क्षेत्र से आए प्रतिनिधियों ने श्रीमती माहेश्वरी को अभिनंदन पत्र भेंट किया। टाऊन महिला मंडल अध्यक्ष अनिता लखोटिया, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सदस्य सुरेंन्द्र जाजू, उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की संयुक्त सचिव हंसा चितलांगिया ने श्रीमती माहेश्वरी का स्वागत किया व स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में जिला सभा के प्रेस सचिव कृष्ण कुमार करवा , युवा संगठन के प्रांत उपाध्यक्ष उमेश सोनी, दीवान चंद माहेश्वरी, नोहर सभा के मंत्री सुनील राठी, युवा संगठन के जिलाध्यक्ष नारंग सोमानी, महामंत्री महेश गट्टाणी आदि उपस्थित रहे।

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड, देवभूमि द्वारका-110075 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111
E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

# घर सा अहसास माहेश्वरी गर्ल्स होस्टल में

माहेश्वरी समाज के श्री माहेश्वरी विद्यालय ट्रस्ट द्वारा संचालित

## श्रीमती फूलबाई मुरलीधरजी झंवर माहेश्वरी कन्या छात्रावास

अनिल झंवर
अध्यक्ष

### छात्रावास की विशेषताएं

- नगर के मध्य, आवागमन की दृष्टि से सुविधाजनक स्थान पर।
- नवनिर्मित भवन, साफ-सुथरे, हवादार एवं प्रकाशयुक्त सुसज्जित 41 कमरे।
- प्रत्येक कमरे में केवल दो-दो छात्राओं के रहने की सुविधा।
- शुद्ध ठंडा पेयजल के लिए जीरो बी युक्त वाटर कूलर।
- छात्राओं के लिए 24 घंटे कुकिंग गैस, गीजर, टेलीफोन की व्यवस्था।
- छात्रावास में न्यूनतम शुल्क पर मेस की व्यवस्था, सुसज्जित डायनिंग हॉल।
- कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था और अनुशासन के साथ ही घर जैसा वातावरण।
- विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश, प्रशिक्षण एवं रोजगार की संभावनाओं संबंधी मार्गदर्शन की व्यवस्था।
- खेल का मैदान एवं लाईब्रेरी सुविधा।
- केम्पस में ही वार्डन दम्पत्ती का आवास।
- सांस्कृतिक आयोजन। शैक्षणिक उपलब्धि, अनुशासना एवं स्वच्छता हेतु पुरस्कार।
- विस्तृत जानकारी एवं प्रवेश हेतु आवेदन पत्र के लिए छात्रावास वार्डन से सम्पर्क करें।

रामेश्वर सोमानी
सचिव

**श्रीमती सुमन शारदा** (उपाध्यक्ष), **श्रीमती रमा सारदा** (कोषाध्यक्ष), **रामविलास राठी** (सहसचिव)
**कार्य समिति सदस्य-** श्री निवास मालपानी, पवन भल्लिका,
श्रीमती निर्मला बाहेती, श्रीमती कल्पना बजाज, श्री रामस्वरूप धूत, श्री संकेत बाहेती, श्रीमती निर्मला धीरण (वार्डन)

51, छत्रीबाग, माहेश्वरी विद्यालय परिसर, इन्दौर फोन - 2341324

# मालाणी बनी जायन्ट्स अध्यक्ष

**औरंगाबाद।** जायन्ट्स इन्टरनेशनल फेडरेशन 2 ब के अध्यक्ष पद की सूर्यमाला-दिनेश मालाणी ने शपथग्रहण की। इस कार्यक्रम में काकासाहेब चितले प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जायन्ट्स के विश्व उपाध्यक्ष विजयकुमार चौधरी ने उन्हें शपथ दिलवाई। विशेष अतिथि के रूप में विश्व उपाध्यक्ष दिनेश मालाणी, भिकमचंद मालाणी, राजकुमार कोठारी, प्रफुल्ल मालाणी आदि माहेश्वरी समाज के प्रतिष्ठितजन उपस्थित थे।

# रोगी-सहयोगी सेवा केन्द्र का भूमि पूजन

**पुष्कर।** श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर द्वारा चिकित्सा-क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से जोधपुर में एम्स हास्पीटल के समीप क्रय किये गये भूखण्ड पर रोगी-सहयोगी सेवा-केन्द्र (आरोग्य भवन) का निर्माण किया जाऐगा। सेवा सदन अध्यक्ष श्यामसुन्दर बिड़ला ने बताया कि इसके निर्माण हेतु भूमि-पूजन एवं शिलान्यास समारोह आगामी15 अप्रेल को आयोजित किया जा रहा है। यह समारोह श्री शान्तेश्वर जी महाराज (अजनेश्वर धाम,जोधपुर) के पावन सान्निध्य में होगा। समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं प्रसिद्ध उद्योगपति माघोदास मोदी जोधपुर होंगे।

# राजीव झँवर चेस में प्रथम

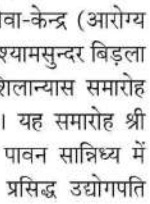

**कोलकाता।** मध्य कोलकाता माहेश्वरी युवा संगठन की ओर से माहेश्वरी समाज के प्रतिभावान खिलाड़ियों की तलाश में 'चक दे युवा-2015' का आयोजन गत 15 फरवरी को बड़ा बाजार युवक संघ पर किया गया। इसमें सामाजिक कार्यकर्ता जयकिशन झँवर के पुत्र राजीव झँवर ने चेस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

# राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक-अग्रिम सूचना

**जालौर।** अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की इस सत्र की चतुर्थ बैठक कर्नाटक-गोवा प्रदेश माहेश्वरी सभा के आतिथ्य में आगामी 13 - 14 जून को गुलबर्गा के सालासर गार्डन में आयोजित होगी। उक्त जानकारी देते हुए कार्यालय महामंत्री महामंत्री कार्यालय कमलकिशोर चाण्डक ने सदस्यों से अनुरोध किया किउक्त बैठक में पधारने हेतु उपरोक्त तिथियों के अनुसार कार्यक्रम सुनिश्चित कर, टिकिट आरक्षण करवाने का कष्ट करें। अधिक जानकारी के लिये प्रदेश अध्यक्ष अरूण लोया, प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश मालपानी , प्रदेश मंत्री बृजमोहन भूतड़ा , प्रदेश संगठन मंत्रीसुरेश मालू व नन्दकिशोर बूब से सम्पर्क किया जा सकता है।

# मीडिया मैट्रिक्स के गीत का विमोचन

**अमरावती।** मीडिया मैट्रिक्स के छात्रों ने स्वच्छता अभियान पर एक ऑडियो विजुअल गीत तैयार किया है। इसे 8-9 वर्ष के स्थानीय बाल कलाकारों ने गाया व अभिनित किया। प्रसिद्ध कवियत्री कविता मालपानी द्वारा रचित गीत को मीडिया मैट्रिक्स के छात्रों ने इसी प्रोफेशनल स्टूडियो में कंपोजिंग व रिकॉर्डिंग कर फिल्माया है। इस गीत का विमोचन गत 30 जनवरी को बापू की पुण्यतिथि पर अमरावती के पालकमंत्री प्रवीण पोटे के द्वारा द मीडिया मैट्रिक्स के स्टूडियो में हुआ। इस अवसर पर संस्था प्रबंधक आनंद मालपाणी, देवेन्द्र मालपाणी, रूख्मणीदेवी, डॉ. सुशीला मालपाणी, नरेन्द्र पनपालिया, प्रमिलादेवी, प्रशिक मोहोड, कृणाल कांबले, प्रियंका हरवाणी, आरती धिमान, राजु गणेशकर, विवेक तिवारी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। संचालिका कविता मालपाणी ने आभार व्यक्त किया।

# नावंदर व कपाड़िया सम्मानित

**जयपुर।** इंस्टीट्युट ऑफ चार्टर्ड अकाउण्टेंट्स ऑफ इंडिया का वार्षिक समारोह गत 11 फरवरी को आयोजित हुआ। इसमें संजय नावंदर को सीए फायनल में प्रथम रेंक के लिये गोल्ड मेडल व जी.पी. कपाड़िया को "बेस्ट केण्डिडेट अवार्ड" से केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री पीयुष गोयल के हाथों सम्मानित किया गया।

जब तक जिंदा हूँ तब तक
हाल तो पूछ लिया करो
वरना इतना तो हमें भी मालूम है
कि मिट्टी में सोने के बाद
घर वाले भी भूल भी जाते हैं।

NEWS

## भूतड़ा ने किया आन्ध्रा-कर्नाटक भ्रमण

**हैदराबाद।** अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा ने अपने पदाधिकारियों सहित आन्ध्रप्रदेश व कर्नाटक का तीन दिवसीय भ्रमण किया। इसमें उनके साथ दक्षिणांचल उपाध्यक्ष प्रवीण सोमानी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दत्तप्रसाद तोतला, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री (दक्षिणांचल) विनोद सारडा, राष्ट्रीय आईटी प्रमुख अक्षय सारड़ा व राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री (मध्यांचल) राकेश झंवर भी शामिल थे। इसके अन्तर्गत हैदराबाद, निजामाबाद गुलबर्गा व बैंगलोर सहित 5 शहरों का भ्रमण किया गया। राष्ट्रीय आई टी हेड श्री सारडा ने युवा संगठन के आई टी विभाग के बारे में बताया व एन्ड्रायड मोबाईल एप के वर्जन -2 को लॉन्च किया। इससे कोई भी व्यक्ति भारत व नेपाल में माहेश्वरी समाज द्वारा बने भवन, स्कूल, कॉलेज, हॉस्टल व हॉस्पिटल की जानकारी प्राप्त कर सकता है। युवा संगठन की इस पहल की सभी ने इसकी सराहना की। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री भूतड़ा ने अपनी योजनाओं को प्रस्तुत किया । उन्होंने युवाओं का व्यापार के माध्यम से जुड़ने का आव्हान करते हुए। युवा संगठन द्वारा स्थापित MITF (माहेश्वरी इंड्रस्ट्रियल एंड ट्रेड फोरम) के बारे में बताया। उन्होंने लोहार्गल स्थित माहेश्वरी भवन के निर्माण में सहयोगी बनने की अपील भी की। गुलबर्गा में युवा संगठन की योजना "मंत्र" के तहत टॉक शो "रिश्ते वही सोच नई" तथा बैंगलोर में टॉक-शो "हम में है हीरो" का आयोजन किया गया। इस टॉक-शो में युवाओं को समाज की महत्ता बताई गई व उनकी जिज्ञासाओं को भी शांत किया गया। यात्रा के दौरान स्थानीय संगठनों द्वारा कई स्थानों पर युवा संगठन पदाधिकारियों का अभिनंदन किया गया।

> मैंने सीखा है, इन पत्थरों की मूर्तियों से
> खुदा बनने से पहले
> पत्थर बनना बहुत जरूरी है।

## युवाओं ने मनाया "सन डे-फन डे"

**रतलाम।** स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन के कार्यक्रम "सन डे-फन डे" का आयोजन निकटस्थ मधुरी ग्राम के बालाजी धाम में किया गया। इसमें तंबोला,सेल्फी आदि आयोजनों के पश्चात् क्षेत्र का भ्रमण किया गया। संगठन की ओर से सिंगल और कपल आयोजित पार्टी स्वल्पहार से प्रारम्भ होकर स्वरूचि भोज के साथ सम्पन्न हुई। आयोजन में अध्यक्ष-उमेश मारोठिया, सचिव-दुष्यन्त जागेटिया, उपाध्यक्ष-सुबोध सोमानी, कोषाध्यक्ष-सचिन साबू, प्रचार सचिव-कुलदीप मारोठिया, सहसचिव रोनक तोषनीवाल के साथ जगदीश सोनी, जितेन्द्र काबरा, कृष्णगोपाल तोतला आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

## बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान संपन्न

**आकोला।** माहेश्वरी वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ की ओर से गणतंत्र दिवस पर बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत स्थानीय लेडी हार्डिंग अस्पताल में उस दिन जन्मीं 20 नवजात बालिकाओं का उपहार देकर स्वागत किया गया। साथ ही उनकी माताओं का भी पुष्पगुच्छ भेंटकर अभिनंदन किया गया। मंडल की ओर से अस्पताल के कर्मचारियों का सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया गया।

## चम्बल संरक्षण के लिए उठाई आवाज

**जयपुर।** पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू की जनहितयाचिका पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के न्यायाधीश दीलिप सिंह, न्यायिक सदस्य तथा एक्सपर्ट मेम्बर पी.एस. राव ने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए यूआईटी सचिव व नगर निगम कमिश्नर को ट्रीटमेंट प्लांट लगाकर चम्बल नदी के पानी को स्वच्छ करने व मेडिकल वेस्ट को इन्सीनेटर में जलाने के कड़े निर्देश दिए हैं। इस पर यूआईटी सचिव व नगर निगम कमिश्नर ने 6 माह का समय मांगा है। कोर्ट ने प्रतिमाह प्रगति विवरण रिपोर्ट पेश करने के निर्देश देते हुए उक्त मामले को गंभीरता से लेने की बात कही।


With Best Compliments From

VAASTU worldwide

Om Prakash Mundra
Vastu Consultant

» Mangaldeep, Om Chowk Pratap Nagar, Beawar, Rajasthan INDIA
» Phone no. : 00971508517577 Dubai, 00919460090425 India
» Email ID. :vastudubai@yahoo.co.in, » Website :www.vaastuworldwide.com

## चितलांगिया पुनः सरपंच निर्वाचित

**संगरिया।** समाज के वरिष्ठ सदस्य राकेश चितलांगिया के सुपुत्र भादरराय चितलांगिया लगातार दूसरी बार ग्राम पंचायत दंतौर जिला बीकानेर के सरपंच निर्वाचित हुए। उन्होंने पिछले कार्यकाल में गांव में विकास के नए सौपान तय किए।

## विद्यार्थियों को किया तनाव मुक्त

**वंरगल।** स्थानीय समाज द्वारा तिम्मापुर ग्राम के गवर्नमेंट स्कूल के आस-पास के स्कूलों के करीब 200 विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी एवं तनाव मुक्त होकर पढ़ाई करने में प्रेरित करने हेतु मानसिक चिकित्सक डॉ. राजू द्वारा काउन्सिलिंग का कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को तनावमुक्त होकर परीक्षा की तैयारी कैसे की जाती है, यह बताया गया। माहेश्वरी समाज वरंगल द्वारा सभी विद्यार्थियों को परीक्षा पैड और स्टेशनरी दी गयी। इस कार्यक्रम में आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष रमेश चंद बंग, वरंगल जिला माहेश्वरी सभा के सह मंत्री कमल किशोर मालानी, माहेश्वरी समाज वरंगल के अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, रामकिशोर मणियार, दामोदर लाहोटी, गोपीकिशन लाहोटी सहित कई क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

> घर के दरवाजे बड़े करवा लिये हैं हमने
> क्योंकि कुछ दोस्तों का कद
> बड़ा हो गया है
> चार पैसे कमाकर।

## फूलपाती व गणगौर पर्व

**उज्जैन।** श्री माहेश्वरी मेवाड़ा महिला मंडल फूलपाती चल समारोह व गणगौर तीज पर्व का सामूहिक उद्यान किया गया। संस्था सचिव हेमलता गांधी ने बताया कि फूलपाती चल समारोह क्षीरसागर मानस भवन से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ गोलामंडी स्थित माहेश्वरी भवन पहुंचा। यहां पर लक्की ड्रा तथा रोमांचक खेलों का आयोजन किया गया। बैठकों व अन्य गतिविधियों में पूर्ण उपस्थिति पर हेमलता गांधी, रितु समदानी, आरती राठी तथा वरिष्ठ सदस्या के तहत विमला कासट व सविता सोड़ानी का सम्मान किया गया। इस मौके पर संतोष सोड़ानी, शोभा मूंदड़ा, सुधा बाहेती, उषा मूंदड़ा, उषा सोड़ानी, तेजू देवी तोषनीवाल, निर्मला देवपुरा, पुष्पा मंत्री, शांता सोड़ानी, कृष्णा देवपुरा आदि का सक्रिय योगदान रहा।

## महेश महाविद्यालय के निर्माण का लोकार्पण

**चित्तौड़गढ़।** महेश ज्ञान केन्द्र संस्थान चित्तौडगढ़के तत्वावधान में माहेश्वरी समाज द्वारा महेश विद्यालय चित्तौडगढकी तल व प्रथम तल का निर्माण किया गया है। इसका लोकार्पण आगामी 30 मई को आयोजित किया गया। महामंत्री छोगालाल लड्डा ने बताया कि इसमें 11,000 एवं 21,000 रूपये के 125 आजीवन सदस्यों को प्रमाण-पत्र देकर तथा छात्रावास में कमरा निर्माण करने वाले भामाशाह को प्रमाण-पत्र और शॉल औढ़ाकर एवं मेवाड़ी पगढ़ी पहनाकर सम्मानित किया जायेगा।

## बागड़ी का किया अभिनंदन

**नागपुर।** स्थानीय आई टी पार्क के "पर्सीस्टेंनी सिस्टम लि." के हॉल में "एक्सीडेंट फ्री नागपुर" कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें शरद बागड़ी ने जीवन सुरक्षा प्रकल्प के अन्तर्गत अपना प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। इस प्रोजेक्ट की मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नीस ने भी प्रशंसा करते हुए श्री बागड़ी का अभिनंदन किया।

## शिवरात्रि पर्व का हुआ आयोजन

**हनुमानगढ़ ( राजस्थान )।** जिले की संगरिया माहेश्वरी सभा व युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रीगोपाल सेवा सदन में शिव पूजन व रूद्राभिषेक का आयोजन किया गया। माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष देवकिशन लखोटिया ने सपत्नीक पूजा में भाग लिया। कार्यक्रम संयोजक युवा संगठन के उपाध्यक्ष पवन सोमानी ने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व पालिकाध्यक्ष सीताराम सोमानी, हनुमानगढ़ जिला माहेश्वरी सभा के प्रेस सचिव कृष्ण कुमार करवा, स्थानीय सभा के उपाध्यक्ष देवकिशन लखोटिया, पूर्व उपाध्यक्ष ओमप्रकाश करवा, संजय सोमानी आदि शामिल थे।

## बॉयोडाटा परिचय सम्मेलन का आयोजन

**कोटा।** श्री माहेश्वरी समाज कोटा का प्रकल्प मैरिज ब्यूरो गत पन्द्रह वर्षो से समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के सगाई-संबंध में सशक्त भूमिका निभा रहा है। ब्यूरो प्रत्येक माह के द्वितीय रविवार को अनवरत् मासिक परिचय सम्मेलन आयोजित कर रहा है तथा लघु विवरणिका का प्रकाशन कर रहा है। संयोजक रामस्वरूप गग्गड़ ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि बायोडाटा रजिस्ट्रेशन निःशुल्क है तथा मासिक विवरणिका में तीन माह तक प्रकाशित किए जाते हैं। मात्र 100/- शुल्क जमा कराने पर आगामी छः माह तक विवरणिका प्राप्त कर सकते हैं। मासिक परिचय सम्मेलन आगामी 8 मार्च को और अधिक तैयारी के साथ आयोजित किया जायेगा। श्री गग्गड़ ने बताया कि ब्यूरो की लायब्रेरी में देश के विभिन्न क्षेत्रों से प्रकाशित डायरेक्ट्रियों का संग्रह है। समाजजन उनका लाभ भी ले सकते हैं।

"कमाकर इतने सिक्के भी तो
अपनी माँ को दे नहीं पाया
कि जितने सिक्कों से माँ ने
मेरी नजर उतारी थी।"

## महिला संगठन अध्यक्ष का किया अभिनंदन

**हनुमानगढ़ ( करवा )।** स्थानीय टाऊन व जंक्शन माहेश्वरी महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में गत 27 फरवरी को अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सुशीला काबरा इंदौर, महामंत्री कल्पना गगरानी मुम्बई व उपाध्यक्ष आशा माहेश्वरी कोटा का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्रीमती काबरा ने विधवा पेंशन, शिक्षा ऋण, स्कोलरशिप आदि योजनाओं की जानकारी दी। महामंत्री कल्पना गगरानी ने समाज ने एकल व संयुक्त परिवार की लाभ-हानि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम संचालक श्वेता बिहाणी व निधि लखोटिया ने बताया कि इस अवसर पर उत्तर राजस्थान माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष किरण झंवर, उपाध्यक्ष कुसुम मूंधड़ा, महामंत्री रेखा लोहिया, संयुक्त मंत्री हंसा चितलांगिया, बीकानेर की जिलाध्यक्ष लता मूंधड़ा, जंक्शन अध्यक्ष इंदु बिहाणी, कोषाध्यक्ष संजू बिहाणी व टाऊन अध्यक्ष अनिता लखोटिया, हनुमानगढ़माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राधेश्याम लखोटिया, राजेंद्र प्रसाद बिहाणी, माहेश्वरी युवा संगठन के जिला संयुक्त सचिव कपिल करवा आदि उपस्थित थे।

## वार्षिक स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

**आकोला।** आकोला माहेश्वरी वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ का वार्षिक स्नेह मिलन कार्यक्रम स्थानीय माहेश्वरी भवन में महाराष्ट्र प्रदेश की भूतपूर्व सचिव सुमनताई चाण्डक धुलिया की प्रमुख उपस्थिति एवं मंजू लोहिया की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंडल की अध्यक्षा विमला मोहता, सचिव प्रमिला लाहोटी, सुशीला गांधी, शकुंतला चाण्डक, महिला मंडल की अध्यक्ष रेखा मोहता आदि मंचासीन थी। मंडल की सचिव प्रमिला लाहोटी ने महिला प्रकोष्ठ के विकास एवं उपक्रमों की जानकारी देते हुए अतिथियों का स्वागत किया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, रासलीला कार्यक्रम, रुख्मणी स्वयंवर, कृष्ण सुदामा मिलन एवं अंत में राजश्री राठी लिखित नया कदम नाटिका का प्रस्तुतिकरण भी किया गया।

> अगर हीरे की काबिलियत रखते
> तो अन्धेरों में चमका करो
> रोशनी में तो
> काँच भी चमका करते हैं।

## चतुर्थी पर्व का किया आयोजन

**सिरसा ( हरियाणा )।** कालांवाली माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने महिला मंडल अध्यक्ष वीणा माहेश्वरी के नेतृत्व में संकष्ट चतुर्थी पर्व उल्लास से मनाया। जिन महिलाओं को पुत्र जन्म हुए या जिनका विवाह अभी हुआ है, उन्होंने व्रत का उद्यापन कर वर व संतान के लिए मंगल कामनाएं की। श्रीमती माहेश्वरी ने बताया कि इसे आस माता की पूजा का व्रत भी कहा जाता है। यह संतान व वर पर कोई कष्ट नहीं आए इसीलिए रखा जाता है।

## सेवा समिति की कार्यकारिणी गठित

**हिम्मतगढ़।** महेश सेवा समिति की नवीन कार्यकारिणी का गठन, गत दिनों सर्व सम्मति से किया गया। जिसमें अध्यक्ष शिवलाल सोमानी, मंत्री जगदीश गादिया, उपाध्यक्ष सत्यनारायण मूंदड़ा व कोषाध्यक्ष राधेश्याम दुदानी चुने गए।


।। जय महेश ।।

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी विवाह समिति की
वैवाहिक वेबसाईट

www.maheshwarivivahsamiti.com

अपने प्रत्याशी का ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करें और
घर बैठे देखें २००० रिश्ते

कांतीलाल राठी
प्रदेश अध्यक्ष

B.E.,MBA,C.A.,Doctor, ग्रॅज्युएट युवक-युवतियों के बायोडाटा

शुल्क रू.400 (एक वर्ष के लिए)

बँक अकाऊंट माहेश्वरी सोशल सर्व्हिसेस प्रा. लि.

• SBI A/C No. 34040329615 • BULDHANA URBAN : 21 / 722

कार्यालय : हिंगोली बँक के निचे, देवलगांव राजा रोड, जालना (महा.)
फोन : (02482) 231952, मो. 8007571564, 9422215214

NEWS

# प्रेम के रंगों से किया सराबोर

**हर राग-द्वेष को दूर कर प्रेम के रंग में रंगने का पर्व ''होली'' समाज में भरपूर उत्साह के साथ मनाया गया। इसके पश्चात् होली मिलन समारोह के भी आयोजन हुए जिस में विभिन्न सांस्कृतिक व मनोरंजक कार्यक्रमों ने भी अपना रंग जम कर चढ़ाया।**

**सिलीगुड़ी।** माहेश्वरी महिला मण्डल सिलीगुड़ी द्वारा होली के उपलक्ष्य में स्थानीय माहेश्वरी सेवा सदन में कार्यक्रम ''होली खेले हम गोपाल के संग'' आयोजित किया गया। इसमें भारी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति थी। इस अवसर पर महिलाओं ने अपने घर से लड्डू गोपाल की विशेष सज्जा कर कार्यक्रम स्थल पर विराजमान किया और उन्हीं गोपालों के समक्ष अपना सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा। कार्यक्रम के सफल संचालन में महिला मण्डल की अध्यक्षा बिमला मूंधड़ा, सचिव सरोज मूंधड़ा कोषाध्यक्ष भारती बिहानी, कार्यक्रम संयोजिका आभा लाहोटी, तारा बियानी, सुदेश मूंधड़ा सहित सभी सदस्याओं का सक्रिय योगदान रहा।

**उदयपुर।** स्थानीय माहेश्वरी मंडल द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन आशीर्वाद गार्डन में किया गया। उदयपुरा, देवरी, नूरनगर के सभी परिवारों की भोजन व्यवस्था युवा मंडल द्वारा की गई। तत्पश्चात कई प्रकार के बच्चों के खेल रखे गए। सभी विजेताओं को प्रोत्साहित किया गया। समाजजनों को ठंडाई का वितरण कर अंत में सभी को रंग गुलाल लगाकर होली मनाई गई। रामकृष्ण लोया, रामगोपाल लोया, शिवनारायण मालानी, डॉ. विजय मालानी, विनय कुमार लोया सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। अमित कुमार गोदानी एवं प्रशांत लोया ने आभार व्यक्त किया।

**इंदौर।** वरिष्ठ माहेश्वरी समाज का वार्षिक होली मिलन कार्यक्रम किशनलाल सोमानी के निवास स्थान सुदामानगर पर मनोरंजक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि प्रत्येक महिला और पुरुष ने इसमें कुछ न कुछ अवश्य सुनाया।

**विदिशा।** स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा माहेश्वरी मांगलिक भवन नंदवाना में होली मिलन समारोह मनाया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी समाज बंधुओं ने ठण्डाई में सहभागिता की। इस अवसर महिला मंडल के चुनाव भी सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष संगीता राठी एवं सचिव रजनी मूंदड़ा चुनी गई। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष राजेंद्र झंवर, सचिव नवल मालपानी, महिला मंडल की अध्यक्ष चंद्रकांता मोहता, सचिव रानी कोठारी, माहेश्वरी युवा मंडल के अध्यक्ष गोपाल मोहता, सचिव मनीष लोलानी, के.जी. माहेश्वरी, गोविंद राठी, गोपालदास राठी, नरसिंह धीरन, बृजमोहन जावंधिया, चेतन गोदानी, नितिन माहेश्वरी आदि कई समाजजन उपस्थित थे।

**कोलकाता।** मारवाड़ी समाज का परम्परागत होली प्रीति सम्मेलन श्री विशुद्धानंद सरस्वती विद्यालय के प्रांगण में सम्पन्न हुआ। इसका

आयोजन पं. बंग प्रांतीय मारवाड़ी एवं कलकत्ता मारवाड़ी सम्मेलन ने मिलकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्योगपति एवं समाजसेवी शिशिर बाजोरिया ने की। कार्यक्रम के संचालक विश्वम्भर नेवर थे। अतिथि स्वागत जगदीश मूंदड़ा ने किया।

**सिलीगुड़ी।** स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा होली मिलन समारोह रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम बृज की परंपरागत होली की प्रस्तुति के साथ मनाया गया। मथुरा से आमंत्रित 20 सदस्यों के ग्रुप ने इसमें प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तरबंगाल माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, माहेश्वरी सभा सिलीगुड़ी, माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी युवा गठन के पदाधिकारियों ने किया। कार्यक्रम का समापन रात्रि सहभोज के साथ हुआ।

**बैंगलोर।** स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा प्रतिवर्षानुसार होली स्नेह मिलन समारोह नलपाड पेवेलियन, पैलेस ग्राउंड में मनाया गया। माहेश्वरी सभा के प्रथम सचिव नारायण कानरा, समाज सेवी रेवतमल झंवर, अध्यक्ष सुरेश लखोटिया, एम. सर्कल चैन्नई-1के अध्यक्ष रवि लड्ढा, महिला मंडल की अध्यक्ष कृष्णा डागा, माहेश्वरी फांउडेशन के चैयरमैन नंदकिशोर राठी, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चैयरमैन किशन राठी, सभा सचिव चंद्रप्रकाश मालपानी, भगवानदास लाहोटी एवं माहेश्वरी युवा संघ अध्यक्ष दुर्गेश काबरा आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। निरंजन

सारड़ा ने महेश वंदना प्रस्तुत की। नवरंग कवि सम्मेलन एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम को मूर्तरूप प्रदान करने के लिए सभी सहयोगियों का आभार जगदीश गिलड़ा ने व्यक्त किया। अध्यक्ष श्री लखोटिया ने बताया कि माहेश्वरी सभा अतिशीघ्र माहेश्वरी को-ऑपरेटिव सोसायटी की स्थापना करने जा रही है। इस अवसर पर उपस्थित 1200 समाजजनों का स्वागत ठंडाई व सामूहिक भोज के साथ किया गया।

**लखनऊ।** स्थानीय माहेश्वरी समाज के होली मिलन के अवसर पर माहेश्वरी महिला उद्योग के उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय का स्टॉल लगाया गया। समाजजनों के उत्पादों के संबंध में अत्यंत रुचि दिखाई गई तथा चाय, पानमसाला, पावभाजी मसाला, चाट मसाला, मूडी मसाला तथा पुचका मसाले को क्रय किया गया। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के डीआरएस एके लाहोटी ने सपत्नी उत्पादों का क्रय कर प्रोत्साहित किया। उक्त जानकारी माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष पुष्पा गट्टानी ने दी।

**कल्याण।** स्थानीय माहेश्वरी समाज ने होलीकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। समारोह का प्रारंभ समाज के परिवारों में नव आंगतुक सदस्य के आगमन पर उनका स्वागत ढूंढ के रूप कर किया गया। स्थानीय गुरुवर्य दामोदरचार्य हॉल में संगीतमय रंगमंच के माध्यम से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण समाज के अतिवरिष्ठ नागरिकों (75 वर्ष) का हीरक महोत्सव के रूप में सम्मान एवं स्वागत था। काला तलाब राम मंदिर के महामंडलेश्वर श्री चंद्रदेवदासजी महाराज व प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की चार तहसील की प्रमुख अलकाजी के करकमलों से वरिष्ठजनों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष भंवरलाल मोदानी, कार्याध्यक्ष दिनेश सोमानी, सचिव राधेश्याम काबरा, सांस्कृतिक मंत्री प्रशांत तोष्णीवाल, मनोज हुरकट, नवरतन बंग, दामोदर काबरा, राजेश सोमाणी आदि का सहयोग रहा।

**आगरा।** जिला माहेश्वरी सभा आगरा द्वारा होली मिलन कार्यक्रम गत 2 मार्च को आयोजित गया। मुख्य अतिथि के रूप अजय काबरा, भदोई-संयुक्त मंत्री उत्तरंचल अखिलभारतबर्षीय माहेश्वरी महासभा व विशिष्ठ अतिथि के रूप में राकेश मोहता (अलीगढ) कार्यसमिति सदस्य अखिल

भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा, लोकेन्द्र करवा (वाराणसी) परामर्श समिति सदस्य माहेश्वरी पत्रिका नागपुर व कमलेन्द्र माहेश्वरी (मुज़फ्फ़रनगर) प्रदेश मंत्री-पश्चिमी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी सभा उपस्थित थे।

**नागपुर।** श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी भवन ट्रस्ट के तत्वावधान में इतवारी जूनी रेशमओली स्थित भवन में होली स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न हुआ। विशेष अतिथि चिमूर के विधायक कीर्तिकुमार भांगडिया थे। विशिष्ट अतिथि रमेश बंग थे। अध्यक्षता बंकटलाल सारड़ा ने की। कोषाध्यक्ष मधुसूदन सारड़ा ने प्रस्तावित नए माहेश्वरी भवन की जानकारी दी। मंच पर गोविंदलाल सारड़ा, रामरतन सारड़ा, कार्यक्रम प्रभारी श्रीनिवास कांकाणी की प्रमुखता से उपस्थिति रही। संयोजक सुधीर सोनी एवं सचिव राजेश बजाज आदि ने अतिथियों का सत्कार किया।

▸▸ **सीकर।** स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा स्थानीय फतेहपुरी गेट स्थित माहेश्वरी भवन में फागोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चंग की थाप पर नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। विभिन्न गेम्स भी खेले गये। वहीं तिलक होली व फूलों की होली खेलकर जल बचाओ-जीवन बचाओ का संदेश दिया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष उमा बियाणी, सचिव राधिका बियाणी व अंजना सोमानी इत्यादि कई महिलाऐं उपस्थित थीं।

▸▸ **बरेली।** गत10 मार्च को मारवाड़ी गंज स्थित गीता बैंकट हॉल में माहेश्वरी महिला समिति द्वारा होली गणगौर उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ समिति की संरक्षक सुशीला बूब, जिलाध्यक्षा कुमकुम काबरा, अध्यक्ष प्रभा मूना, पश्चिमी उत्तरप्रदेश की उपाध्यक्षा अंशु झंवर द्वारा शिव पार्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ

हुआ। संगीता मालपानी द्वारा होली एवं गणगौर पर भजन व श्रद्धा बियानी द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ। सभी सदस्याओं द्वारा फूलों से होली खेली गई। राखी माहेश्वरी द्वारा हाऊजी का संचालन किया गया। पुरस्कार वितरण एवं जलपान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन मंजू बियानी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोज साबू, सनत बियानी व अभिषेक काबरा आदि का पूर्ण सहयोग रहा।

▸▸ **लखनऊ।** स्थानीय माहेश्वरी समाज का होली मिलन समारोह अग्रवाल कॉलेज मोतीनगर में मनाया गया। इस अवसर पर ए.के. लाहोटी डी.आर.एम. उत्तर रेल्वे का स्वागत किया गया। उक्त जानकारी समाज मंत्री निखिल बल्दुआ ने दी।

▸▸ **इन्दौर।** श्री माहेश्वरी समाज इन्दौर जिले का होलिका उत्सव बी.डी. तोषनीवाल छत्रीबाग बाल मंदिर पर संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि उद्योगपति रवि सेठी एवं विशेष अतिथि हेमंत गट्टानी थे। अध्यक्षता रामेश्वरलाल असावा ने की। महेश वंदना पलक मुछाल द्वारा गायी सी.डी. के द्वारा की गई। इस अवसर पर इन्दौर नगर पालिका निगम से निर्वाचित पार्षद

गोपाल मालू व लता लढ़ा का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। अतिथियों को प्रतीक चिन्ह रामस्वरूप धूत एवं राजेश सोमानी ने प्रदान किये। कार्यक्रम संयोजक अमरीश दम्मानी एवं बसंत भट्टड ने होली की शुभकामनाऐं दी। कार्यक्रम का संचालन जिले के मंत्री लक्ष्मण माहेश्वरी ने किया। आभार विजय लड्ढा ने माना।

▸▸ **सिलीगुड़ी।** स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा होली मिलन समारोह रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम बृज की परंपरागत होली की प्रस्तुति के साथ मनाया गया। इसे मथुरा से आमंत्रित 20 सदस्यीय ग्रुप ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तरबंगाल माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, माहेश्वरी सभा सिलीगुड़ी, माहेश्वरी महिला मण्डल एवं माहेश्वरी युवा संस्था के पदाधिकारियों ने किया। कार्यक्रम में महारास, फूलों की होली, लठमार होली, मयूर नृत्य, आग का नृत्य सहित कई सांस्कृतिक बृज की परंपरागत प्रस्तुति रखी गई। उक्त जानकारी संदीप करनानी ने दी।

▸▸ **नांदुरा।** तालुका माहेश्वरी संगठन द्वारा स्थानीय बालाजी मंदिर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। परस्पर गुलाल-रंग लगाकर एक दूसरे को होली की शुभ कामनाएं दी गई। अल्पाहार एवं ठंडाई के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। अध्यक्ष विट्ठलदास डागा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि मंडल के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों का पूर्ण सहयोग रहा।

**ग्वालियर।** माहेश्वरी समाज बिरला नगर का होली मिलन समारोह कुषवाह मेरिज हाऊस हजीरा पर सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम मह युवा मंडल व महिला मंडल के द्वारा मनोरंजक व सांस्कृतिक। कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप मे ग्वालियर विघानसभा के विद्यायक जयभान सिंह पवैया उपस्थित थे। समाज के अध्यक्ष संतोष कुमार लखोटिया के द्वारा माल्यार्पण कर अतिथि स्वागत किया गया। अतिथि परिचय युवा मंडलके अध्यक्ष भूपेन्द्र भूतड़ा द्वारा दिया गया। माहेश्वरी समाज बिरला नगर के अध्यक्ष संतोष कुमार लखोटिया ने कार्यक्रम की जानकारी दी। सचिव संजय तोषनीवालने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमिताभ माहेश्वरी के द्वारा किया गय माहेष्वरी महिला मंडलकी अध्यक्षा राजकुमारी लड्डा, वरिष्ठ उपाध्यक्षा सविता पेड़ीवाल, सचिव चंदा सोमानी एंव निर्वतमान अध्यक्षा लखोटिया विषेष रुप से उपस्थित थीं।

**उदयपुर।** संस्था माहेश्वरी गौरव द्वारा होली मिलन एवं महिला दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पश्चिमांचल राजस्थान उदयपुर संभाग की अध्यक्ष पुष्पा राठी थी। महिलाओं ने फूलो से होली खेली साथ ही नृत्य संगीत एवं अन्य खेलों का आयोजन भी किया। इस मौके पर कौशल्या गट्टानी, सरिता न्याती, आशा नारानीवाल व अन्य पदाधिकारी मौजूद थीं।

**दिल्ली।** गत 2 मार्च को माहेश्वरी सेवा सदन कल्याण विहार में रात्रि 9 बजे से 12 बजे तक राजस्थानी होली गीतों एवं धमाल का कार्यक्रम आयोजित हुआ। श्याम चाण्डक, विक्रम लखोटिया, अनंत लोया, रतन लखोटिया आदि का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक भोज का आयोजन हुआ। इसके बाद 6 मार्च को माहेश्वरी भवन, अशोक विहार के प्रांगण में होली मिलन का आयोजन हुआ। मंडल अध्यक्ष सोहनलाल कासट, मंत्री महावीर प्रसाद मंत्री, पूर्व अध्यक्ष श्यामसुंदर बिहानी, पूर्व उपाध्यक्ष जगदीशचंद्र मूना तथा मंडल के वरिष्ठ संरक्षक व कार्यकारिणी के सदस्य शामिल हुए। कवि सम्मेलन का संचालन राष्ट्रीय स्तर की ख्यात कवियत्री डॉ. कीर्ति काले के सान्निध्य में हुआ। अतिथि के रूप में दिल्ली विधानसभा के सदस्य राजेश गुप्ता एवं अखिलेश त्रिपाठी भी उपस्थित थे।

"प्रयत्नशील लोगों के लिए
आशा सदैव जीवित रहती है।"

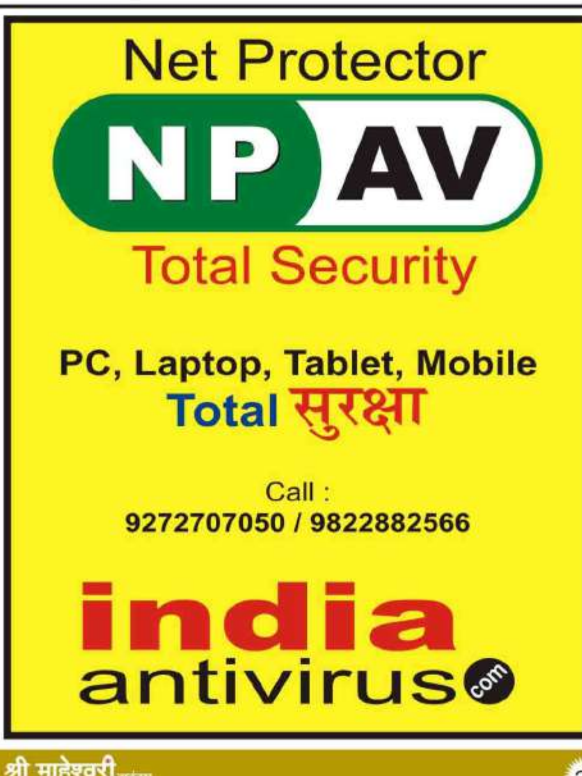

## दुंड के साथ मना होलिकोत्सव

**पुणे।** माहेश्वरी परिवार पश्चिम पुणे द्वारा होलिकोत्सव एवं दुंड का आयोजन महेश विद्यालय कोथरुड में किया गया। इसमें उमेश सोमाणी द्वारा सपत्नीक होलिका पूजन किया गया। कार्यक्रम में सम्मिलित हुए सभी समाजजनों को तिलक लगाकर तथा गुलाल डालकर संस्था अध्यक्ष सुरेश नावंदर ने होली की शुभकामना दी। इस कार्यक्रम में अभा महिला संगठन की भूतपर्व अध्यक्षा लता लाहोटी, महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष पुष्पा तोष्णीवाल, प्रदेश सभा प्रभाग 3 के उपाध्यक्ष दिलीप धूत, योजना प्रसार प्रचार समिति विभाग 3 के अशोक राठी, माहेश्वरी विद्याप्रचारक मंडल के अध्यक्ष अतुल लाहोटी, कार्याध्यक्ष रमेश धूत, सचिव सुशीला राठी आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

## बजाज पुनः बने लायंस अध्यक्ष

**नागदा जं.।** लायंस क्लब नागदा ग्रेटर की नॉमिनेशन कमेटी द्वारा वर्ष 2015-16 हेतु सतीश बजाज को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। श्री बजाज तीसरी बार एवं लगातार दूसरे वर्ष अध्यक्ष चुने गए। श्री बजाज के अध्यक्ष मनोनीत होने पर माहेश्वरी समाज के होली मिलन समारोह में उन्हें सम्मानित किया गया।

## महिला संगठन ने मनाया महिला दिवस

**नागपुर।** अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की महिला अधिकार एवं सुरक्षा समिति द्वारा विश्व महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने का सभी प्रदेशों से निवेदन किया गया। राष्ट्रीय संयोजिका कमला मोहता ने बताया कि इसके अन्तर्गत सुरक्षित वाहन चालन पर कविता प्रस्तुति, सामान्य ज्ञान स्पर्धा, टॉक शो, सामयिक विषय पर नाटिका आदि की प्रस्तुति के आयोजन के निर्देश दिये गये। महिलाओं की जागरूकता को लेकर भी वक्तृत्व स्पर्धा आयोजित हुई। इस अवसर पर पुत्रियों को सम्पत्ति में बराबर का हिस्सा देने व अपने जीवनकाल में वसीयत नामा तैयार करने वाले माता-पिता को शौर्य पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय भी लिया गया।

*लगातार हो रही असफलताओं से*
*निराश नहीं होना चाहिए*
*कभी-कभी गुच्छे की आखिरी चाबी भी*
*ताला खोल देती है।*

## सोश्यल ग्रुप ने ली शपथ

**इंदौर।** माहेश्वरी सोश्यल ग्रुप का शपथ विधि समारोह स्थानीय बालकृष्ण बाग में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामेश्वर लाल असावा (अध्यक्ष माहेश्वरी समाज इंदौर जिला) ने की। मुख्य अतिथि विपिन माहेश्वरी पुलिस महानिरीक्षक इंदौर थे। विशेष अतिथि के रूप में गोपाल मालू पार्षद एवं लता लड्ढा पार्षद इंदौर नगर पालिका निगम उपस्थित थी। इस अवसर पर नवीन पदाधिकारी अध्यक्ष बालकिशन-कृष्णा सोनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक कुमार चंद्रकाता चितलांग्या, उपाध्यक्ष संपत कुमार राधा साबू, सचिव मोहन-नीता सोमानी, सह सचिव अशोक-रमिला काकाणी, कोषाध्यक्ष गोपीकिशन-बृजलता काकाणी, प्रचार मंत्री घनश्याम दास संगीता माहेश्वरी, परामर्शदाता जगदीश-सुनीता बाहेती व संतोष-अनिता साबू को शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात माहेश्वरी समाज इंदौर जिला की नवीन कार्यकारिणी ने भी शपथ ली। इस अवसर पर पार्षद लता लड्ढा व गोपाल मालू का संस्था द्वारा सम्मान किया गया।

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का हुआ आयोजन

**मंदसौर।** माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा स्थानीय माहेश्वरी धर्मशाला में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। अतिथि के रूप में शकुंतला काबरा, चंदा चिचाणी, पद्मा चिचाणी उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन शिखा चिचाणी ने किया। अध्यक्ष इंद्रा झंवर व पद्मा चिचाणी ने अपने उद्बोधन में बहू व बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। गीता झंवर ने महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में बताया। नमिता मंत्री व संध्या काबरा ने नारी जीवन पर कविता पाठ किया। आभार राधा छापरवाल ने माना। राज चिचाणी, संगीता मंडोवरा, पिंकी मंडोवरा, भावना सोमानी, कमल काबरा, राधा मंडोवरा, मोहिनी मंत्री, कांता इनाणी आदि कई सदस्य उपस्थित थे।

## समाजसेवा से मनाया महिला दिवस

**बैंगलोर।** स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 8 मार्च को महिला दिवस समाज सेवा के साथ मनाया गया। इसके तहत आक्षय सेवा ट्रस्ट, राजाजी नगर के वृद्धाश्रम में 50 वृद्ध महिलाओं को साड़ियाँ वितरित कर भोजन कराया गया। मंडल की सदस्यों ने वहां वृद्धों की समस्याओं के बारे में जानकारी भी ली। इस अवसर पर मंडल की सभी सदस्य व पदाधिकारी मौजूद थी। उक्त जानकारी सचिव श्वेता बियानी ने दी।

## निर्वस्त्र कर निकाला माहेश्वरी युवक का जुलूस

**संगमनेर।** अहमदनगर जिले की राहुरी तहसील के वांबोरी गांव में भराड़िया परिवार के एक सदस्य को निर्वस्त्र कर जुलूस निकाला गया। इसके साथ उसके माता-पिता व बहन के साथ तीन मास के बच्चे को भी पीटा गया। इस अमानवीय कृत्य को अंजाम देने वालों पर कड़ी कार्रवाई की मांग संगमनेर माहेश्वरी समाज की ओर से की गई। इस हेतु निकाले गए जुलूस में करीबन 2 हजार माहेश्वरी समाजजनों व अन्य समाज के लोगों भी शामिल थे। संगमनेर तालुका माहेश्वरी सभा द्वारा इस जुलूस का आयोजन

किया गया। इसे माहेश्वरी पंच ट्रस्ट के साथ विविध सामाजिक संस्थाओं ने अच्छा सहयोग दिया। यह जुलूस बालाजी मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य रास्तों से होता हुआ प्रांताधिकारी कार्यालय के पास जाते ही सभा में परिवर्तित हो गया। ज्योति मालपाणी, निशा शिवूरकर, नईम इनामदार, शोभा बाहेती, चंदनमल बाफना, किशोर कालड़ा, दीपक क्षत्रीय, जयवंत पवार, कैलास वाकचौरे, ज्ञानेश्वर कर्पे, दिलीप शिंदे, श्याम ओझा, सतीष खंडेलवाल, अशोक भूतड़ा, गौतम गायकवाड़, सरपंच मदनलाल करवा, ओंकार भंडारी आदि ने संबोधित किया। यह मुकदमा फास्ट ट्रेक कोर्ट में चलाने तथा इस मुकदमे हेतु पब्लिक प्रोसीक्युटर के रूप में उज्ज्वल निकम की नियुक्ति की मांग माहेश्वरी महासभा सदस्य गणेशलाल बाहेती, महिला संगठन जिला अध्यक्ष राजश्री मणियार, शालिनी मालपाणी, कांता बूब, चंद्राबाईजी राठी, तालुका अध्यक्ष कैलाश कलंत्री, प्रदेश मीडिया कमेटी प्रमुख अजय जाजू आदि ने प्रांताधिकारी से की। इनके साथ विभिन्न व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि भी थे।

> शीशा और रिश्ता
> दोनों बहुत नाजुक होते हैं
> लेकिन दोनों में अन्तर यह है कि
> शीशा गलती से टूट जाता है
> और रिश्ता गलतफहमी से।

## अहमदाबाद में मिलेगी ठहरने की उत्तम व्यवस्था

**अहमदाबाद।** शीघ्र ही अहमदाबाद में कीमोथेरेपी एवं डायलिसिस करवाने के लिए आने वाले रोगियों के ठहरने की परेशानी दूर हो जाएगी। कारण उसके लिए संस्था दिग्विजय लायंस फाउण्डेशन द्वारा सेनिटोरियम बनाया जा रहा है। स्थानीय सिविल अस्पताल के समीप 15 करोड़ रुपए की लागत से सेनिटोरियम निर्माण का भूमिपूजन गत दिनों हुआ। इसका भूमिपूजन ख्यात समाजसेवी रामनिवास राठी व उनकी धर्मपत्नी इंदिरा राठी द्वारा किया गया। श्री राठी ने बताया कि वर्तमान में हम रोगियों के परिजनों के ठहरने के लिए 80 कमरों से युक्त एक भवन का संचालन कर रहे हैं। जिसमें नाम मात्र के शुल्क में ठहरने की व्यवस्था उपलब्ध करवायी जाती है। रोगियों को दवा के साथ भोजन व उसके परिजनों को भी मात्र 15 रुपए में भोजन उपलब्ध करवाया जाता है। इस सेनिटोरियम का निर्माण 9 मंजिला होगा। इसमें मरीजों की देखरेख के लिए डॉक्टर आदि स्टॉफ की भी व्यवस्था रहेगी। उल्लेखनीय है कि इस प्रस्तावित सेनिटोरियम के निर्माण के लिए श्री राठी ने व्यक्तिगत रूप से 51 लाख रुपए का आर्थिक सहयोग दिया है।

## महामंत्री भूतड़ा का विल्सी आगमन

**विल्सी/बदायूं।** पश्चिम उत्तरप्रदेश माहेश्वरी सभा के पूर्व प्रदेशमंत्री एवं मंडल महासभा सदस्य सुभाषचंद्र बाहेती के निवास रामकुमार भूतड़ा महामंत्री अ.भा. माहेश्वरी महासभा ने आकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जिला माहेश्वरी समाज बदायूं एवं नगर बिल्सी, सहसवान, उझानी के पदाधिकारियों से चर्चाकर जिले की भौगोलिक स्थिति, परिवारों की संख्या, आर्थिक स्थिति, व्यापार आदि की जानकारी प्राप्त की। उनके साथ विनोद कुमार भूतड़ा चैन्नई, रामबाबू माहेश्वरी, राकेश मोहता, अभय माहेश्वरी अलीगढ़, के. माहेश्वरी वरेली, प्रेम माहेश्वरी बुलंदशहर, सुरेंद्र कुमार केला आदि के कई क्षेत्रीय प्रतिनिधि थे।

## महिलाओं ने की मानव सेवा

**सागर।** माहेश्वरी महिला मंडल (नगर इकाई) द्वारा अनाथ आश्रम के बच्चों को कपड़े, फल, खाद्य सामग्री, लेखन सामगी एवं खिलौने आदि वितरीत किये गये। इसमें विमला जैथलिया, आभा परवाल, मनोरमा लखोटिया, माया लखोटिया, भावना परवाल, ममता चाण्डक, मीना जैथलिया सहित कई सदस्याओं का विशेष सहयोग रहा।

## रामकुमार भूतड़ा का हुआ सम्मान

**वाराणसी।** स्थानीय माहेश्वरी परिषद द्वारा महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। गत 28 फरवरी को स्थानीय कार्यकर्ताओं के अतिरिक्त पश्चिमी उत्तरप्रदेश व मध्य उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ता व उत्तरांचल के सहमंत्री अजय काबरा के साथ ही समाज के विभिन्न संगठनों द्वारा इस अवसर पर श्री भूतड़ा का स्वागत किया गया।

## वैत्रवती को औढ़ाई 251 मीटर की चुनरी

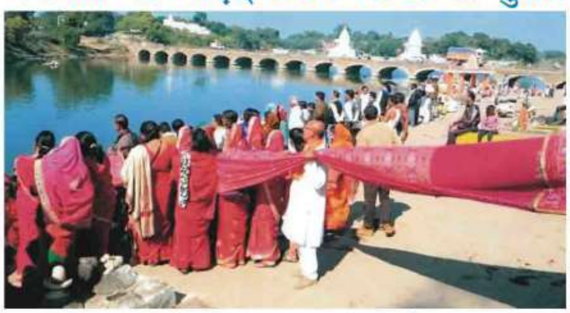

**विदिशा।** स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा माँ वैत्रवती चुनरी उत्सव का आयोजन किया गया। प्रातः नंदवाना स्थित माहेश्वरी मांगलिक भवन से शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होती हुए वैत्रवती तट पहुंची। मां वैत्रवती की पूर्ण विधि विधान से पूजन एवं आरती की गई, इसके बाद छप्पन भोग अर्पण किए गए। तत्पश्चात नौका में बैठकर 251 मीटर की चुनरी इस पाट से उस पाट तक चढ़ाकर मां वैत्रवती का शृंगार किया गया। भजन मंडली द्वारा प्रस्तुत भजनों से संपूर्ण वातावरण धर्ममय हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर एम.बी. ओझा थे। सपरिवार समाज बंधुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष चंद्रकला मोहता, सचिव रानी कोठारी, निर्मला मूंदड़ा, बृंदा डांगरा, निर्मला लोलानी, दीपा गोदानी, सविता जेठा, मीनाक्षी बीसानी, कविता धीरन, पुष्पा लोया, ललिता डांगरा, ममता राठी सहित कई सदस्य परिवार सहित शामिल हुए।

## तृप्ति और डॉ. सतीश सम्मानित

**रतलाम।** चांदनी चौक स्थित सराफा एसोसिएशन भवन पर सराफा व्यापारियों का होली मिलन व सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह में ''रतलाम सराफा बाजार के स्वर्ण व रजत आभूषणों के प्रति विक्रेता और ग्राहकों की संतुष्टि का अध्ययन'' पर सचित्र शोध प्रबंध लिखने पर शोधार्थी तृप्ति माहेश्वरी व निर्देशक डॉ. सतीश माहेश्वरी का शाल-श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। पुस्तक में सराफा व्यवसाय से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है।

## प्रधानमंत्री को दिया आमंत्रण

**जालौर।** अ.भा. माहेश्वरी महासभा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की एक विशिष्ट कार्यशाला दिल्ली में आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम में देश विदेश से तीन हजार से अधिक ख्यातिनाम बन्धुओं के भाग लेने की उम्मीद हैं, जिसमें स्वतन्त्रता सेनानी, भामाशाह, समाजसेवी, उद्योगपति, वित्तीय प्रबन्धन क्षेत्र के प्रमुख, प्रोफेशनल, शिक्षा, चिकित्सा, कृषि एवं सहकारी क्षेत्र में अग्रणी समाजसेवी आदि शामिल होंगे। महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने बताया कि इसमें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अनुरोध किया गया है।

## गणगौर उत्सव का हुआ आयोजन

**हिंगणघाट।** माहेश्वरी पंचायत अंतर्गत माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणगौर का बिंदौला निकाला गया। स्थानीय बालाजी मंदिर से महंत सुरेश शास्त्री के आशीर्वाद से शुरूआत हुई। कार्यक्रम में संध्या मानधनिया का विशेष सहयोग रहा। स्वाति मानधनिया, अर्चना डागा, हेमा चितलांगे, मिष्ठी राठी, खुशी चितलांगे, खुशबू मानधनिया, प्रिया हुरकट, राधिका हुरकट सहित समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

> दुनिया में लोग आइना कभी नहीं देखते
> अगर आइने में
> चित्र नहीं चरित्र दिखता।

## भारतीय नववर्ष का स्वागत

**कलकत्ता।** हिन्दू नववर्ष संवत 2072 के शुभारम्भ पर माहेश्वरी औद्योगिक शिक्षण केन्द्र (अन्तर्गत माहेश्वरी सभा) एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था के सभापति डी. के. मोहता ने अपने स्वागत भाषण में हिन्दू नववर्ष की ऐतिहासिक एवं वैज्ञानिक महत्ता को प्रकट किया। माहेश्वरी सभा के मंत्री बृजमोहन बागड़ी, उपसभापति सीताराम डागा, माहेश्वरी सभा अध्यक्ष हनुमानदास राठी आदि ने सम्बोधित किया।

## गणगौर उत्सव हुआ आयोजित

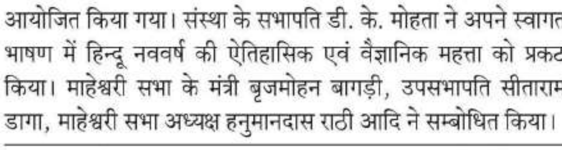

**बैंगलौर।** स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल, द्वारा माहेश्वरी भवन में गणगौर का सिंजारा कार्यक्रम पूरे परम्परागत तरीके से मनाया गया। ईसरगोरा की पूजा अर्चना से शुभारंभ -अध्यक्षा कृष्णा डागा , सचिव श्वेता बियाणी, सलाहकार सदस्या बिमला साबू एवं अ.भा.मा. संगठन की कार्यसमिति सदस्या प्रकाश मुन्दडा द्वारा किया गया। वरिष्ठ लीलाधर डागा की धर्मपत्नी 87 वर्षीय इन्द्रावती डागा का सम्मान श्री फलभेंटकर व शॉल ओढ़ाकर सावित्री मालू, कान्ता काबरा एवं गायत्री मालपानी ने किया। इसके बाद साथ कई मनोरंजक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। मंच का संचालन कल्पना बाहेती, विजय लक्ष्मी सारडा एवम् श्वेता बियाणी ने किया।

> इंसान भी कितना अनोखा जीव है
> पहले भिखारी बनकर भगवान से हाथ जोड़कर माँगता है
> फिर गर्व से उसी भगवान को दान देकर
> नीचे अपना नाम लिखवाकर
> अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करता है।

## पूर्वोत्तर राजस्थान की बैठक सम्पन्न

**जयपुर।** पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की प्रथम कार्य समिति की बैठक कृष्णधाम वृद्धाश्रम, जयपुर में प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम परवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। श्री परवाल ने अपने उद्‌बोधन में भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि जिला सभाओं को पूर्ण सक्रिय कर जिलों के क्षेत्रों तक भ्रमण करना, महासभा एवं प्रदेश सभा के कार्यक्रमों की जानकारी घर-घर पहुंचाना प्रमुख लक्ष्य रहेगा। श्री परवाल ने प्रादेशिक सभा का त्रैमासिक समाचार बुलेटिन भी प्रकाशित करने का प्रस्ताव रखा, जिससे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। इस बैठक में पूर्व की राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा से प्राप्त प्रस्तावित विधान पर भी चर्चा कर विविध संशोधनों के साथ स्वीकृत किया गया। प्रदेश सभा का बैंक अकाउंट खोलने, पेन कार्ड हेतु आवेदन करने एवं परिचय पुस्तिका प्रकाशित करने का भी निर्णय लिया गया। स्वतंत्रता सेनानी स्व. श्री केवलचंद मोदी (जोधपुर) एंव समाज प्रवाह के सम्पादक स्व. श्री मधुश्री काबरा (मुंबई) के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया गया।

## स्वाति जैसलमेरिया का सम्मान

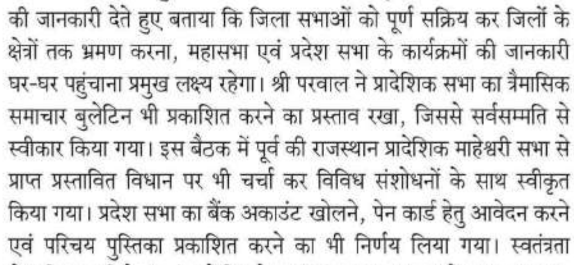

**जोधपुर।** जिला माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से आयोजित 'गणगौर धूम' कार्यक्रम में स्वाति जैसलमेरिया को साहित्य क्षेत्र में उत्कृष्ट लेखन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लीला लोहिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। सुनीता बाहेती, प्रेमा गांधी, आयोजन समिति अध्यक्ष उमा बिड़ला, सयोंजक कंचन जाजू, सचिव छाया राठी, आशा फोफलिया, कोमलमाछर, प्रभा वैध, सुमन गांधी,गीता माछर, शांति लोहिया, सुशीला राठी सहित कई सदस्याएं उपस्थित थीं।

## बॉयोडाटा सम्मेलन का आयोजन

**इन्दौर ।** श्री माहेश्वरी विवाह प्रकोष्ठ सेवा ट्रस्ट संस्था द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क अभिभावक/युवा बॉयोडाटा सम्मेलन प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आगामी 10 मई रविवार को महेश नगर मांगलिक परिसर, इन्दौर पर आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर एक विवरणिव, फोटो एवं बॉयोडाटा के साथ प्रकाशित की जावेगी। सभी प्राप्त बॉयोडाटा विवरणिका में निःशुल्क प्रकाशित होंगे। बॉयोडाटा कार्यालय में प्राप्त करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2015 है। समय सीमा में प्राप्त बॉयोडाटा ही इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली विवरणिका में प्रकाशित होंगे उक्त जानकारी रामवल्लभ गुप्ता (जाखेटिया) संस्थापक अध्यक्ष ने दी।

## प्रादेशिक महिला संगठन के चुनाव सम्पन्न

**बीकानेर।** उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक महिला संगठन के बीकानेर प्रदेश के चुनाव पश्चिमांचल उपाध्यक्ष आशा माहेश्वरी व पश्चिमांचल सहमंत्री कौशल्या गट्टाणी के नेतृत्व में सर्वसम्मति से हुए। इसमें अध्यक्ष-किरण झंवर, सचिव-रेखा लोहिया, उपाध्यक्षा-रत्ना गट्टाणी, सहसचिव-विभा बिहाणी, कोषाध्यक्ष-उर्मिला तापड़िया, कार्यसमिति सदस्य शैलजा चितलांगिया, संगठन मंत्री-सुनीता बिहानी, संयुक्त मंत्री हंसा चितलांगिया, उपाध्यक्षा-कुसुम मूंधड़ा चुनी गई।

## शुभम् को संपूर्ण भारत में प्रथम स्थान

**मंगरोप।** समाज सदस्य सत्यप्रकाश व सुशीला डाड के सुपुत्र शुभम ने सी.एस. एक्जक्यूटिव परीक्षा में ऑल इंडिया में पहली रैंक प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि शुभम ने 12 वीं कक्षा में राजस्थान में चौथा एवं सी.ए. फाइनल में भी ऑल इंडिया में 33 वां स्थान प्राप्त किया था।

## अर्पण को गेट में 26 वीं रेंक

**रतलाम।** समाज सदस्य निर्मला देवी एवम् सुभाष सोमानी के सुपुत्र अर्पण सोमानी ने 74 प्रतिशत अंकों के साथ 26 वीं रेंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की। देवी अहिल्या विश्व विद्यालय से कम्प्यूटर साईंस में बी.ई. कर केम्पस में चार बड़ी कम्पनियों के ऑफर के बावजूद वे एम.टेक करेंगे।

## निकिता लड्ढा बनी सी.ए.

**अम्बेजोगाई।** माहेश्वरी समाज के जेएमएफसी कोर्ट के सीनियर क्लर्क स्व. श्री रमेशचंद्र लड्ढा एवं बीड़ जिला माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यकारिणी सदस्या मंजुश्री लड्ढा की सुपुत्री निकिता ने दी इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित सीए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की। निकिता ने 12 वीं की परीक्षा में भी स्टेट बोर्ड में चौथा स्थान व लातूर बोर्ड में दूसरा स्थान प्राप्त किया था।

## तिलक बने सी.ए.

**जलगांव।** शहर एवं तहसील माहेश्वरी सभा अध्यक्ष रवींद्र काबरा के सुपुत्र तिलक काबरा ने सीए फायनल की परीक्षा में जलगांव जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस सफलता पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

## कृष्णा का एम.बी.बी.एस. में प्रवेश

**नगापुर।** समाज सदस्य पुखराज व मंजू चाण्डक की सुपुत्री कु. कृष्णा चाण्डक को महाराष्ट्र शिक्षा बोर्ड से 12वीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में टॉप 1 प्रतिशत बच्चों में उत्तीर्ण करने पर स्कॉलरशिप सर्टीफिकेट प्राप्त हुआ। साथ ही कृष्णा एम.बी.बी.एस. के लिए भी चयनित होकर आकोला मेडिकल कॉलेज (शासकीय) में अध्ययनरत हैं।

## खुशबू को पीएच.डी. उपाधि

**रतलाम।** स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की बिलासपुर शाखा के वरिष्ठ प्रबंधक गोविन्द राठी की ज्येष्ठ सुपुत्री तथा कमला देवी की सुपौत्री खुशबू राठी ने पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने वाणिज्य संकाय में "कृषि वित्त में वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका का तुलनात्मक अध्ययन (उज्जैन संभाग के सन्दर्भ में वर्ष 2006-2011 विषयान्तर्गत शासकीय कन्या महा-विद्यालय रतलाम के वाणिज्य संकाय विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेश कटारिया के मार्गदर्शन में शोध ग्रंथ प्रस्तुत किया था।

## देवेन्द्र सोमाणी बने सी.ए.

**बेलापुर/अहमदनगर ।** स्थानीय माहेश्वरी समाज के समाजिक कार्यकर्ता केदारनाथ (शरद) सोमाणी के सुपुत्र देवेन्द्र सोमाणी ने सी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। नगर की ओर से हरिद्वार पतञ्जलि के स्वामी जिज्ञासानंद सरस्वती एवं करनाल हरियाणा के स्वामी रामदासजी महाराज के हाथों उनका सत्कार किया गया।

## शुभम बने सीए-सीएस

**भीलवाड़ा।** समाज के वरिष्ठ सदस्य हरकाराम तोषनीवाल व आगजी देवी के सुपौत्र व कैलाशचन्द्र-नीतु देवी तोषनीवाल के सुपुत्र शुभम माहेश्वरी ने 21 वर्ष की उम्र में प्रथम प्रयास में सी.ए.फाइनल की परीक्षा 490 अंकों से उत्तीर्ण की। इसके साथ उन्होंने सी.एस. फाइनल परीक्षा में भी आल इंडिया में 18 वीं रेंक प्राप्त की।

## निकिता बिसानी बनी सीए

**नागपुर।** सीए फाइनल के हाल में घोषित परिणामों में माहेश्वरी पत्रिका के पूर्व व्यवस्थापक भगवानदास बिसानी की पोती निकिता-सतीश बिसानी ने सफलता प्राप्त की। निकिता ने सीए आनंद डागा की देखरेख में अपनी इंटर्नशिप पूरी की।

## प्रज्ञा को राष्ट्रीय रजत पदक

**मुरैना।** समाज सदस्य सुनीत गांधी की पुत्री व बी.डी. गांधी की पौत्री प्रज्ञा ने फरवरी माह में गांधीनगर (गुज.) में आयोजित ताईक्वाण्डो ओपन नेशनल फैडरेशन प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया। प्रज्ञा पूर्व में आयोजित ताईक्वाण्डो प्रतियोगिता सी.बी.एस.सी. वेस्ट जोन में स्वर्ण पदक एवं नेशनल पायका में दो बार रजत व कांस्य पदक जीत चुकी हैं। इसके साथ प्रज्ञा ने शिक्षा के क्षेत्र में वर्ष 2004 की सी.बी.एस.सी. बोर्ड की परीक्षा में भी 96प्रतिशत अंक प्राप्त करने का गौरव हासिल किया था।


Shri sant Gamaji Maharaj Education Society, Hingna

Late Devkibai Bang

English Medium High School & Junior College

(Affiliated to SSC Board Maharashtra)

At.Hingna Tah. Dist, Nagpur-441110, Ph. 07104-645122

Today's Thinker Tomorrow's Leader

Ramesh Bang

State & CBSE Admission Open Nursery to Junior College

# सेवा, व्यवसाय व कला की त्रिवेणी
# सारिका बाहेती

**नारी प्रकृति प्रदत्त रूप से बहुमुखी प्रतिभा से सम्पन्न होती है। ऐसा किस तरह इसका ही जीवंत उदाहरण हैं, समाजसेवा, व्यवसाय प्रबंधन व कला के क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही, सारिका बाहेती। आईये देखें कैसे है, इनका यह ताल-मेल।**

"सारिका बाहेती" एक ऐसी शख्सियत हैं, जिनके बिना सब कुछ अधूरा है। चाहे उद्योग जगत का कोई आयोजन हो या समाजसेवी गतिविधि अथवा कला के क्षेत्र का कोई आयोजन, सारिका बाहेती वहाँ न हो सामान्यतः ऐसा होता नहीं। कारण यही है कि श्रीमती बाहेती की बहुमुखी प्रतिभा ने किसी भी क्षेत्र को अछूता नहीं छोड़ा। उद्योग जगत में उनकी पहचान एक सफल डायरेक्टर के रूप में है, तो समाजसेवी गतिविधियों में एक समर्पित नेतृत्व के रूप में जिसके दिल में पीड़ित मानवता के प्रति अपनत्व हिलौरे ले रहा हो। ठीक इसी तरह कला के क्षेत्र में देखने वाला उन्हें सिर्फ "कलाकार" ही समझता है, एक ऐसी कलाकार जिसका सम्पूर्ण जीवन सिर्फ कला को ही समर्पित हो।

## कई जिम्मेदारियाँ एक साथ

आशीष बाहेती के साथ परिणय बंधन में बंधी सारिका बाहेती पारिवारिक रूप से एक पुत्री व एक पुत्र का लालन-पालन कर रही हैं। इसके साथ वह वर्ष 1991 से उद्योग "वेक्टस इण्डस्ट्रीज लि." को डायरेक्टर के रूप में नेतृत्व प्रदान कर रही है। समाजसेवी गतिविधियों के अन्तर्गत जल संरक्षण से सम्बंधित स्वयं सेवी संस्था "नीरांजलि" को चेयरपर्सन व अन्तर्राष्ट्रीय संस्था "डेल्फिक एसोसिएशन ऑफ इण्डिया" (इण्डियन चेप्टर ऑफ इन्टरनेशनल डेल्फिक काउन्सिल) की मीडिया कन्वेनर व डेल्फिक गेम्स आर्गेनाइजिंग कमिटी इंडिया की सलाहकार के रूप में सेवा दे रही है। कला के क्षेत्र में स्वयं वाईस ओवर आर्टिस्ट है और साथ ही ब्यूटीफिकेशन कमेटी "प्लास्ट इण्डिया फाउण्डेशन" को चेयरपर्सन के रूप में भी अपना नेतृत्व प्रदान कर रही हैं। समाजसेवी गतिविधियों के अन्तर्गत पिछड़े क्षेत्रों की बालिकाओं के स्कूल "अमिताशा" को उन्होंने स्वयं सेवी शिक्षिका के रूप में सेवा

दी है। श्रीमती बाहेती क्लब की पत्रिका 'RWA' को सम्पादक व एक सोशियो-चेरिटेबल क्लब को दो वर्ष तक सांस्कृतिक सचिव के रूप में सेवा दे चुकी हैं।

## चहुमुखी दिखी प्रतिभा

कार "रैली-10" में महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्रीमती बाहेती ने ऑटोक्रॉस 10 में सहभागिता की व 11 में अधिकारिक रूप से शामिल हुई। समाजसेवी गतिविधि के अन्तर्गत "फोरम फॉर ब्रेस्ट कैन्सर प्रोटक्शन" द्वारा आयोजित महिलाओं की "कार रैली-09" में भी भाग लिया। भारत की पहली F1,GP के इतिहास में पहली रजिस्टर्ड फार्मूला मार्शल इण्डो-यूरोपियन डाँस फेस्टिवल में अपनी नृत्य की प्रतिभा का प्रदर्शन किया व इसमें इंडियन तथा यूरोपियन डाँस की वर्कशॉप भी आयोजित की। ख्यात कमानी ऑडिटोरियम, IIC, RCC, SRC में थियेटर, डाँस व एन्करिंग में भी उनकी भागीदारी रही है। उनकी चहुमुखी प्रतिभा के विकास में उनकी शिक्षा भी सहयोगी बनी। श्रीमती बाहेती ने दिल्ली युनिवर्सिटी से बी.कॉम. करने के पश्चात् यू.के. के नेशनल कम्प्यूटिंग सेंटर से डिप्लोमा इन कम्प्यूटर स्टडीज किया। साऊथ दिल्ली के महिला पोलीटेक्निक से भी एडवरटाइजिंग, पब्लिक रिलेशन व मार्केटिंग में श्रीमती बाहेती प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं। पढ़ना, लिखना, नृत्य, संगीत सुनना, तैराकी, साहित्य, खेल, यात्रा, रचनात्मक कला आदि उनके शौक हैं।

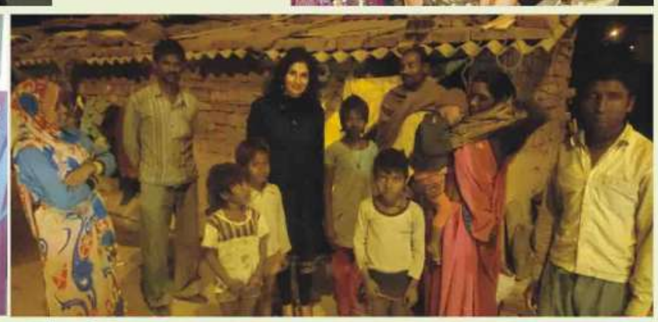

# हैदराबाद की 'महिला रत्न' शकुन्तला नावन्दर

**समाजसेवा के लिए किसी पद-प्रतिष्ठा की जरुरत नहीं होती है। इसकी शुरुआत तो जहां भी हम खड़े हैं, वहीं से की जा सकती है। यह सब कैसे हो सकता है, इसका उदाहरण है, हैदराबाद की ब्यूटीशियन शकुंतला नावंदर, जिन्होंने अपने इस व्यवसाय से ही जरुरतमदों की मदद की शुरूआत कर दी।**

हैदराबाद निवासी 57 वर्षीया शकुंतला नावंदर 'ओमस' ब्यूटी पार्लर का सफल संचालन करती हैं। इसके बावजूद उनकी ख्याति एक ब्यूटीशियन से अधिक समाजसेवी की है। कारण यह है कि उन्होंने न सिर्फ जीवन बल्कि व्यवसाय भी जरुरतमंदों की सेवा को अर्पित कर दिया। हर शुक्रवार की अपनी कमाई जरुरतमंदों के लिए देना तो हमेशा से ही उनकी आदत है ही, साथ ही गरीब परिवारों की महिलाओं व बालिकाओं के प्रशिक्षण के लिए उनके पार्लर के द्वार हमेशा खुले हैं, वे उन्हें अपने यहां ब्यूटीपार्लर का निःशुल्क प्रशिक्षण देती हैं। यह सेवा भावना उन्हें अपने पिता सत्यनारायण लाहोटी से मिली जो हैदराबाद, सिकन्दराबाद माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष भी रहे हैं। आज यह उनके जीवन का लक्ष्य बन चुकी है। वे गत 15 वर्षों से ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन भी कर रही हैं। इसमें लगभग 300 युवतियाँ भाग लेती है।

## स्वयं ने ही चुनी चुनौती

शकुंतला का जन्म 5, मार्च 1958 को हैदराबाद में सत्यनारायण लाहोटी के यहां हुआ और बंसीलाल बालिका विद्यालय से उन्होंने अपनी विद्यालयीन शिक्षा पूरी की। उन्हें किताबें पढ़ने, संगीत सुनने के साथ-साथ दूसरों की मदद करना पसंद है। वे 15 साल की उम्र में श्री कन्हैयालाल नावंदर के सुपुत्र छगनलाल नावंदर के साथ सन् 1975 में परिणय सूत्र में बंध गयीं। विवाह के पश्चात घर की जिम्मेदारियों की वजह से वे पढ़ नहीं सकीं। बचपन से ही उन्हें पुरुष की तरह कार्य कर वर्किंग लेडी बनना पसंद था, इसलिए उन्होंने 1988 में मिराकल ब्यूटी पार्लर से ब्यूटीशियन का कोर्स कर वहां 2 वर्ष तक नौकरी की। माहेश्वरी समाज में उस समय वह पहली महिला थीं, जिन्होंने ब्यूटीशियन का कोर्स किया था। उस वक्त इस कार्य को बुरा समझा जाता था। उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए इस कार्य को चुन 'विनस' नाम से ब्यूटी पार्लर की शुरुआत की। वर्तमान में यह 'ओमस' नाम से संचालित है।

## कई संस्थाओं को भी सेवा

उनकी सेवा भावनाओं का कई स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी सम्मान किया। इसी का नतीजा है कि वे विभिन्न संस्थाओं को भी अपनी सेवा दे रही है। श्रीमती नावंदर वैश्य समाज महिला मंडल की प्रदेश इकाई व करुणा इंटरनेशनल सोसायटी आ.प्र. इकाई तथा राजस्थानी समाज की संस्था 'आज और हम' की उपाध्यक्ष हैं। आज और हम में उन्हें सामूहिक

पूर्व मुख्यमंत्री आन्ध्रप्रदेश श्री व्हाय.एस. राजशेखर रेड्डी के साथ श्रीमती शकुन्तला नावन्दर

वर्तमान आन्ध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चन्द्रबाबू नायडू के साथ शकुन्तला नावन्दर

आन्ध्रप्रदेश राज्यपाल श्री के.एल. नरसिम्हम को बधाई देते हुए शकुन्तला नावन्दर

विवाह की प्रधान संयोजिका चुना गया है। मारवाड़ी महिला संगठन हैदराबाद-सिकंदराबाद की स्वास्थ्य मंत्री के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय सेवा संस्था रेडक्रास सोसायटी व लायंस क्लब को सदस्य के रूप में सेवा दे रही हैं। संस्था सेंट जॉन एम्बुलेंस सोसायटी (आ.प्र.) में एक्सीक्यूटिव मेम्बर के पद पर राज्यपाल द्वारा नियुक्त किया गया तथा जगन्नाथ वृद्धाश्रम-सीताराम बाग को संस्थापक सदस्य के रूप में अपनी सेवा दे रही हैं।

श्रीमती शकुन्तला नावन्दर परिवार के साथ.

## समाज को भी समर्पित

समाजसेवा को समर्पित श्रीमती नावंदर की सेवाओं से माहेश्वरी समाज भी अछूता नहीं है, वे माहेश्वरी समाज हैदराबाद-सिंकदराबाद (महिला विभाग) को गत 2 वर्षों से अध्यक्ष के रूप में अपनी सक्रिय सेवा दे रही हैं। उनके नेतृत्व में संगठन द्वारा गणगौर तीज, बछबारस, गाज चौथ आदि महिलाओं के कई पर्वों का सामूहिक उद्यापन करवाया गया। स्व व्यवसाय हेतु महिलाओं को सलाह व आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है। महिलाएं किसी भी कारण से डिप्रेशन की शिकार हैं, उन्हें काउन्सलिंग कर सहायता प्रदान की जाती है। संगठन समाज की कुरुतियों को दूर करने के साथ ही प्रति माह एक जरुरतमंद सदस्या को सिलाई मशीन भी भेंट करता है। श्रीमती नावंदर आंधप्रदेश महिला संगठन की 9 वर्ष तक मंत्री व 4 वर्ष तक प्रदेशाध्यक्ष भी रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्होंने तीन बार प्रदेश का दौरा कर जिलों को प्रदेश से जोड़ा और समाज में व्याप्त दिखावे व कुरूतियों के खिलाफ जन-जागरण किया। जहाँ तक संगठन नहीं पहुँचा था, वहाँ तक उसे पहुँचाया और संगठन की सुविधाओं की जानकारी दी। गत 20 वर्षों से अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन से जुड़ी है। वर्तमान में इसकी कार्यसमिति सदस्य के साथ ही अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन की आजीवन सदस्य भी हैं।

## सेवा ने दिलाया सम्मान

श्रीमती नावंदर की सेवा गतिविधियों की गूंज पूरे हैदराबाद में इस तरह हुई कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की मेयर के हाथों संस्था "आप और हम" द्वारा महिला दिवस पर उन्हें "महिला रत्न"की उपाधि से सम्मानित किया गया। श्रीमती नावंदर अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पति छगनलाल नावंदर के सहयोग व प्रोत्साहन को देती हैं, जिसके कारण वे अपने कर्तव्यों को ठीक से निभा पा रही हैं। वर्तमान में दो पुत्र सुरेंद्र व नरेंद्र तथा पुत्री सुनीता अढासनिया एवं पौत्र-पौत्रियों से भरापूरा उनका खुशहाल परिवार है। वे अपने व्यवसाय व समाजसेवा के साथ परिवार के लिए भी एक आदर्श पत्नी व माँ की भूमिका का निर्वहन कर रही हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री आन्ध्रप्रदेश श्री किरणकुमार रेड्डी के साथ श्रीमती शकुन्तला नावन्दर

तिरुपति चेअरमेन बापी राजू के साथ श्रीमती शकुन्तला नावन्दर

ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कारपोरेशन की मेअर बड़ा ऋतिका रेड्डी द्वारा 'महिला रत्न ( आप और हम संस्था द्वारा ) उपाधि देते हुए.

# इंफोसिस की सेंटर हेड मनीषा साबू

वर्तमान में ख्यात बहुराष्ट्रीय आईटी कम्पनी ''इफोसिस'' की प्रतिष्ठा इतनी है कि इसमें छोटे से छोटा जॉब प्राप्त करना भी हर युवा का सपना है। ऐसी कंपनी को सेंटर हेड के रूप में नेतृत्व प्रदान कर रही हैं, मनीषा साबू। हैदराबाद में स्थित कंपनी का यह पोचारम कैम्पस कम्पनी की खास ईकाइयों में से एक है। इसका निर्माण 440 एकड़ के विशाल क्षेत्र में हुआ है और यह अपने 10 हजार से अधिक कर्मचारियों के साथ 400 से अधिक क्लाईंट्स को सेवा दे रही है।

## उच्च शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय आयाम

उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा अकोला महाराष्ट्र के शासकीय बालक स्कूल से ही पूर्ण की। इसके बाद उन्होंने यूएसए की विख्यात संस्था एमआईटी से उच्च शिक्षा ग्रहण की। इसके अतिरिक्त श्रीमती साबू ने एमआईटी नागपुर से इंजीनियरिंग व एनएमआईएमएस मुंबई से एमबीए की उपाधि प्राप्त की। अभी तक उनके कई शोधपत्र अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं और कई कांफ्रेसों में प्रस्तुत किए जा चुके हैं।

## स्वव्यवसाय में भी रखा था कदम

अपनी इस शिखर यात्रा में श्रीमती साबू ने 8 वर्ष तक स्व व्यवसाय का अनुभव भी प्राप्त किया। उन्होंने सी-डेक की ''साबू कम्प्यूटर्स'' के नाम से फ्रेंचाईजी ली थी। इस दौरान महेश बैंक से संपर्क हुए। वे उसके ब्रांच मैनेजर अजीत वर्मा से मिले सहयोग की मधुर स्मृतियां अभी भी संजोए हुए हैं। इस व्यावसायिक अनुभव ने उन्हें एक नया दृष्टिकोण दिया। इससे व्यवसाय प्रबंधन, उन्नति के लिए संघर्ष, व्यवसाय की कार्य विधि, नेतृत्व क्षमता, स्व प्रेरणा, सहयोग जैसे कई गुणों का विकास हुआ। ये अनुभव उनकी वर्तमान की विकास यात्रा में सहयोगी बने हुए हैं।

## संस्कारों को भी संजोया

अंतर्राष्ट्रीय कंपनी से संबद्ध होने के बावजूद वे विशुद्ध माहेश्वरी नारी हैं। व्यक्तिगत रूप से एक माँ, बहू, पत्नी, बेटी, बहन के साथ ही मित्र, शिक्षक आदि सभी भूमिकाओं का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं। उनका परिवार चार पीढ़ियों वाला एक पारम्परिक परिवार है, जो संस्कारों के पोषण में सहायक है। आप अपनी इस विकास यात्रा का बड़े गर्व के साथ श्रेय अपने इस पारिवारिक माहौल व सहयोग को देती हैं।

**अपनी उच्च शिक्षा व विशिष्ट प्रबंधन क्षमता से माहेश्वरी महिलाएं अपनी सफलता की कहानी लिख रही हैं। इनमें से ही एक हैं, मनीषा साबू, जो विख्यात बहुराष्ट्रीय आईटी कम्पनी इन्फोसिस के हैदराबाद स्थित पोचारम कैम्पस की सेंटर हेड के रूप में अपनी सेवा दे रही हैं।**

# लड़के–लड़कियों के रिश्ते ढूँढ़ना हुआ बेहद आसान
# हमारी Website है इसका सही समाधान

**High Status, Middle Status**
**NRI, Manglik, Non Manglik**
**Bio-Data MBA, MCA, Doctor,**
**Eng. Bio-Data CA, CS,**
**ICWA Bio-Data**

**Graduate,**
**Post Graduate Bio-Data**
**Professional Bio-Data**
**Businessman Bio-Data**
**Service Class Bio-Data**

## माहेश्वरी समाज के लिए 60,000 से अधिक
## जैन समाज के 70,000 से अधिक
## अग्रवाल समाज के 1,00,000 से अधिक

**Registration Free**

## Website:
## www.maheshwari.org
## www.jain2jain.org
## www.agarwal2agarwal.org

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

**39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110 060**

**Phones: 011-25746867, 09312946867**

**शिक्षक भावी पीढ़ी के शिल्पकार होते हैं। वे कैसे आने वाली पीढ़ी के जीवन को श्रेष्ठतम् बना सकते हैं, इसका उदाहरण हैं, मेरठ की डॉ. राजेश्वरी राठी। उन्होंने अपनी ड्यूटी से आगे बढ़कर कई जरूरतमंदों को इस तरह मार्गदर्शित किया कि उन्होंने सफलता के शिखर को छू लिया। उनकी सेवाओं का राष्ट्रपति ने भी पुरस्कार प्रदान कर सम्मान किया।**

# राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ. राजेश्वरी राठी

महाकवि तुलसीदास द्वारा रचित रामचरित मानस की ये पंक्तियाँ प्रसिद्ध है-

*''गुरू-गोविन्द दोउ खड़े, काके लागूँ पाँव।*
*बलिहारी गुरू अपनी, गोविन्द दियो बताऐ।।''*

अर्थात् जब गुरू और भगवान दोनों साथ खड़े हों, तो भी सर्वप्रथम नमन के योग्य गुरू हैं। ऐसा इसलिये कि वे ही निःस्वार्थ भाव से शिष्य की उन्नति की कामना से तन-मन से जुटे रहते हैं और उनके जीवन की प्रसन्नता ही शिष्य की उन्नति में होती है। इन्हीं आदर्शो को साकार कर रही हैं, सेवा निवृत्त प्राचार्य डॉ. राजेश्वरी राठी। यही कारण है कि उनके शिष्य जब भी उन्हें मिलते हैं, तो उनके सामने सम्मान के साथ नतमस्तक हुए बिना नहीं रहते। उनके प्रति यह सम्मान सिर्फ उनके विद्यार्थियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण शहर में भी उनका एक विशिष्ट सम्मान है। शहर में आयोजित कई कार्यक्रमों को आप मुख्य अतिथि के रूप में सुशोभित कर चुकी हैं।

## ऐसे चली शिक्षा की यात्रा

डॉ. राठी का जन्म 1 अक्टूबर 1937 को कासगंज जिला एटा (उ.प्र.) में श्री कुंजबिहारीलाल केला के यहाँ हुआ। स्थानीय स्तर पर स्कूली शिक्षा प्राप्त कर स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त की। इसके पश्चात् शिक्षक के रूप में उन्होंने सेवा प्रारम्भ की, जो एक वृहद यात्रा के रूप में सतत् 40 वर्ष तक चलती रही। इसी के दौरान लगभग 35 वर्ष तक शहर के प्रतिष्ठित सेठ बी.के माहेश्वरी बालिका इन्टर कॉलेज में प्रधानाचार्य के पद पर भी कार्य किया। वर्ष 2000 में सेवानिवृत्त हुई। इसे शिक्षा के प्रति जुनून ही कहा जाऐगा कि इसी वर्ष 2000 में विषय ''श्री राम शर्मा आचार्य अधिष्ठाता शांति कुंज हरिद्वार के गद्य साहित्य में सांस्कृतिक चेतना'' विषय पर शोध ग्रंथ प्रस्तुत कर पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

## ''शिक्षा दान'' ने दिलाया सम्मान

डॉ. राठी ने अपनी जिम्मेदारियों से आगे बढ़कर विद्यार्थियों के प्रति समर्पित भाव से अपनी सेवा दी। इसी का नतीजा है कि उनके नेतृत्व में विद्यालय की छात्राओं ने विभिन्न बोर्ड व प्रतियोगी परीक्षाओं में मेरिट में स्थान प्राप्त किया और राष्ट्रीय स्तर पर भी कई प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसके साथ ही साम्प्रदायिक सद्भावना व सौहार्द, राष्ट्रीय एकता, शासकीय योजनाओं का सफल संचालन, शिक्षा क्षेत्र में अभिनव प्रयोग, साक्षरता अभियान, संस्कार परिष्कार व समाज सेवा आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया। शिक्षा सहित इन क्षेत्रों में उनकी सेवा का सम्मान करते हुए वर्ष 1992 में उ.प्र. शासन के शिक्षा विभाग द्वारा प्रशस्ति पत्र व वर्ष 1996 में भारत सरकार द्वारा ''राष्ट्रपति पुरस्कार'' से सम्मानित किया गया।

## जारी है शिक्षण की यात्रा

डॉ. राठी वर्ष 2000 में ही प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्त हो चुकी हैं, लेकिन उनकी शिक्षा दान की यह यात्रा थमी नहीं। 78 वर्ष की अवस्था से गुजर रहीं है, परन्तु फिर भी उसी जोश व उत्साह के साथ जुटी हुई हैं, शिक्षादान के महायज्ञ में सतत आहुति देने में। आपने वर्ष 1973 में समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों को कम शुल्क में उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से ''विवेकानंद एकेदमी'' की स्थापना की थी, जो अब में शिक्षा का वटवृक्ष बन चुकी है। आज यह शहर में उत्कृष्ट शिक्षा के लिये एक विख्यात संस्था के रूप में प्रतिष्ठित है। बिना अपनी उम्र की परेशानियों की परवाह किये डॉ. राठी लगभग हर दिन स्कूल पहुँचकर अपना मार्गदर्शन प्रदान करने से नहीं चुकतीं।

**महू निवासी लक्ष्मीकांता सोढ़ानी एक ऐसी समाजसेवी हैं, कि जहाँ भी रही समाजसेवा की अपनी यात्रा जारी रखी। जब वे राजनीति से जुड़ी तो उसको भी उन्होंने समाजसेवा बनाकर रख दिया।**

# राजनीति से सेवा
# लक्ष्मीकान्ता सोढ़ानी

महू निवासी सेवानिवृत्त बैंककर्मी विजयकुमार सोढ़ानी की धर्मपत्नी लक्ष्मीकांता सोढ़ानी शहर की राजनीति में एक जानामाना नाम है। श्रीमती सोढ़ानी गत 30 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी से संबद्ध हैं, इसमें महिला मोर्चा की अध्यक्ष भी रही और वर्तमान में केन्टोमेंट बोर्ड में पार्षद है। उनकी विशेषता यह है कि उनके द्वार आम लोगों की मदद के लिए हमेशा खुले हैं, क्योंकि उन्होंने राजनीति की राह किसी पद की लालसा से नहीं बल्कि सेवा की इच्छा से ही चुनी और वे वही कर रही हैं।

## ऐसे चली जीवन यात्रा

श्रीमती सोढ़ानी का जन्म 15 दिसम्बर 1956 को महू के प्रतिष्ठित नवाल परिवार में हुआ। स्नातक बी.ए. तक शिक्षा ग्रहण करके भी श्रीमती सोढ़ानी ने अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी निभाने को ही अपना लक्ष्य बनाया, लेकिन मन में आत्मनिर्भर होने की इच्छा थी। अतः स्वयं के साड़ी व्यवसाय की शुरुआत कर दी, जो वे गत 30 वर्षों से सफलतापूर्वक संचालित कर रही हैं। इनके साथ ही समाजसेवा की जो भावनाएं हैं, वे भी हृदय में प्रकट होती ही रही।

## कई संस्थाओं को सेवा

सामाजिक जीवन की शुरुआत महू माहेश्वरी समाज में माहेश्वरी महिला मंडल का गठन कर की। इस मंडल की प्रथम अध्यक्ष निर्मला जाजू तथा सचिव स्वयं श्रीमती सोढ़ानी थीं। इसके पश्चात महू में कई सामाजिक मंडल में अध्यक्ष रह चुकी हैं। वर्तमान में माहेश्वरी महिला मंडल की जिला सचिव तथा वामा क्लब की सदस्य हैं।

**समाजसेवा का लक्ष्य तभी पूर्ण होता है, जब उसमें सेवा के साथ ''सुधार'' भी शामिल हो। उज्जैन की कृष्णा जाजू एक ऐसी ही समाजसेवी हैं, जिन्होंने सेवा के साथ समाज को सुधार की राह भी दिखाई।**

# सामाजिक जागरण की ज्योति कृष्णा जाजू

उज्जैन शहर ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण म.प्र. और देश के कई क्षेत्रों तक में कृष्णा जाजू सेवा क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। कारण यही है कि वे स्थानीय महिला संगठन से तो सम्बद्ध रही ही, साथ ही बड़ोदा माहेश्वरी संगठन, पश्चिमांचल माहेश्वरी महिला संगठन व अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन से सम्बद्ध होकर भी अपनी सतत् सेवा दे तो रही है। उज्जैन मारवाड़ी महिला संगठन से भी आप सतत सम्बद्ध रही हैं।

## परिवार के संस्कारों ने दिखाई राह

श्रीमती जाजू का जन्म अजमेर के ख्यात एडवोकेट श्री बसंतलाल नोगजा के यहाँ सबसे छोटी पुत्री के रूप में हुआ। बचपन से ही सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों की प्रेरणा संस्कारों के रूप में मिली। समाज सेवा के साथ ही उन्होंने बी.ए., बी.एड एवं एम.ए. इतिहास तक शिक्षा ग्रहण की। श्रीमती जाजू का विवाह नीमच के प्रतिष्ठित जाजू परिवार में ब्रह्मस्वरूप जाजू के साथ हुआ। पारिवारिक जिम्मेदारियाँ बढ़ी, लेकिन उनकी समाजसेवा की यात्रा थमीं नहीं बस उनका कार्यक्षेत्र बदलता रहा। वर्तमान में वे उज्जैन जिले को सक्रिय सेवा दे रही है। परिवार में दो पुत्र-पुत्रवधु और चार पोत्रियाँ है। परिवार कभी उनकी सेवा यात्रा में बाधक नहीं बना, बल्कि और सहायक ही रहा।

## पर्यावरण संरक्षण व अपव्यय रोकना प्रमुख लक्ष्य

श्रीमती जाजू चाहे कहीं भी रही और किसी भी पद पर रही, इनमें सामाजिक जिम्मेदारियों के साथ हमेशा पर्यावरण संरक्षण व मांगलिक आयोजनों में अपव्यय रोकने के लिये जनजागरण आदि प्रमुख लक्ष्य है। वर्ष 2009-12 में वे उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन की सचिव रही। इस दौरान उन्होंन महेश नवमी पर जुलूस के स्वागत के दौरान पर्यावरण संरक्षण के अन्तर्गत डिस्पोजेबल सड़क पर न फेंकने की मुहिम प्रारम्भ की, जो अब तो जैसे समाज की परम्परा ही बन चुकी है। इसी प्रकार विभिन्न मांगलिक आयोजनों में भोजन का अपव्यय होना भी आम बात है। इसे लेकर भी वे जनजागरण में जुटी हुई। संगठन के साथ मिलकर इसके खिलाफ भी जनजागरण कर रही हैं और इसका सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहा है। गत दिनों उज्जैन में प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसकी सफलत में भी उनका अविस्मरणीय योगदान है। अपने कार्यकाल में उन्हें बेनर प्रजेन्टेशन व अन्य गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर महिला संगठन द्वारा सम्मानित किया गया।

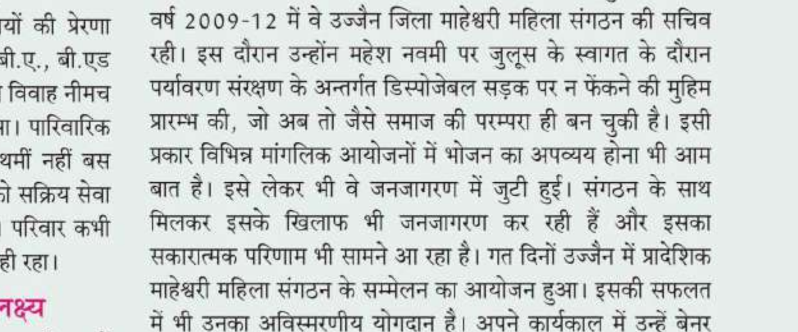

**शिक्षा चिकित्सा क्षेत्र की, लेकिन मन में बचपन से कला इस तरह आ बसी कि जिसने उस समय से पैरों को थिरकना सीखा दिया, जब चलाना भी नहीं आता था। ऐसी ही कथक की बाल कलाकार हैं, नड़ीयाद (गुजरात) की वृंदा मूंदड़ा, जिन्हें गत दिनों राष्ट्रीय स्तर पर देश के प्रतिष्ठित 'बाल श्री अवार्ड' से सम्मानित किया गया।**

# कला की 'श्री' वृन्दा शाह

नड़ीयाद (गुजरात) के समाज सदस्य मुकेश मूंदड़ा के यहां 12 अप्रैल 1997 को जन्मी वृंदा वर्तमान में शहर के लिए गौरव बनी हुई है। वैसे तो वृंदा वर्तमान में चरोत्तर (गुजरात) स्थित चारुसेट युर्निवसिटी से चिकित्सा क्षेत्र में फिजियोथेरेपी की शिक्षा ग्रहण कर रही हैं, लेकिन वृंदा की ख्याति का कारण यह नहीं है कि वह डॉक्टर बनने वाली है, बल्कि इसका कारण है, कथक नृत्य, जो उन्हें शौक के रूप में प्रकृति प्रदत्त रूप से मिला।

## संयुक्त परिवार का साथ

वृंदा का परिवार मूलरूप से कुंवारिया राजस्थान का निवासी है। कई वर्ष पूर्व उनका परिवार नड़ीयाद (गुजरात) में स्थापित हो गया था। वर्तमान में यह संयुक्त परिवार है, जिसमें वृंदा अपने माता-पिता की इकलौती संतान है। अतः संयुक्त परिवार के मधुर माहौल ने वृंदा की प्रकृति प्रदत्त विशेषताओं को उभरने का पर्याप्त अवसर दिया। जब उसे ठीक से चलना नहीं आता था, तब भी गीत-संगीत पर उसके पैर थिरकते थे।

## इस तरह छुआ आकाश

जब वृंदा का नृत्य के प्रति रुझान देखा तो माता-पिता ने उसे प्रोत्साहित करना प्रारंभ कर दिया। माँ बीनादेवी बताती हैं, वृंदा के शौक को बढ़ावा देते हुए 5 साल की उम्र से ही नृत्य का प्रशिक्षण आरंभ किया गया था। हमारी एक मात्र पुत्री होने के बावजूद हमने वृंदा को कठिन से कठिन प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं में अव्वल आने के लिए प्रेरित किया।"

## कड़ी प्रतिस्पर्धा में चयनित

नड़ीयाद स्थित सरदार पटेल भवन द्वारा प्रायोजित बच्चों के विभिन्न नृत्य शैली के प्रदर्शन में पूरे देश से बच्चे शामिल हुए। इसमें विभिन्न चरणों की कड़ी स्पर्धा के पश्चात वृंदा का अंतिम रूप से कथक नृत्य शैली में बालश्री अवार्ड के लिए चयन हुआ। उन्हें गत 28 जनवरी को मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी के हाथों सम्मानित किया गया। इसमें भी सबसे अधिक प्रतिभाशाली बच्चों के नृत्य के प्रदर्शन का अवसर मिला। वृंदा डॉक्टर की उपाधि ग्रहण करने के बावजूद अपनी कला को संजोकर रखना चाहती है। अतः उनका सपना अपनी एक नृत्य अकादमी की स्थापना भी है।

महान् त्याग से ही महान् कार्य होता है। - स्वामी विवेकानन्द
हुरकट परिवार
की ओर से हार्दिक अभिनन्दन

म.प्र. के उज्जैन शहर में डॉ. अर्चना माहेश्वरी न सिर्फ एक स्त्री रोग विशेष के रूप में ही महिलाओं में जानी जाती हैं, बल्कि वे रोगियों के विश्वास का पर्याय भी बन चुकी हैं। इसका प्रमाण है, कुछ समय पूर्व 5 माह तक उनके कैंसर से पीड़ित होने पर चिकित्सा के लिए शहर से बाहर रहने का समय। इस समय में न सिर्फ कई महिलाएं उनका इंतजार करती रहीं, बल्कि उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी उन्होंने की। इसके लिए कई महिलाओं ने तो मिन्नत तक मांगी और उनके स्वस्थ होने पर उसे पूरा किया।

### स्त्री रोग में प्राप्त की विशेषज्ञता

डॉ. माहेश्वरी का जन्म म.प्र. के देवास जिले के कस्बे कन्नौद में 26 नवंबर 1972 को श्री राधेश्याम कोठारी के यहां हुआ। उनके भाई डॉ. महेश कोठारी इंदौर के ख्यात शिशु रोग विशेष हैं। अतः उन्हें बचपन से पारिवारिक रूप से डॉक्टर बन जनसेवा करने की प्रेरणा मिली। स्कूली शिक्षा ग्रहण कर उन्होंने इंदौर से एम.बी.बी.एस. की उपाधि प्राप्त की। इसके पश्चात मुंबई में सेवारत रहते हुए वहीं से स्नातकोत्तर एम.डी. व इसके बाद गोल्ड मेडलिस्ट के रूप में एफ.सी.पी.एस. की उपाधि प्राप्त की। एम.डी. में अध्ययनतर रहते हुए ही डॉ. माहेश्वरी का विवाह उज्जैन के वरिष्ठ समाजसेवी गोपालदास माहेश्वरी के सुपुत्र शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. दुर्गेश माहेश्वरी के साथ हो गया। दाहोद (गुजरात) आदि स्थानों पर गायनिक विभाग का पूर्ण सेटअप तैयार करने जैसी जिम्मेदारियाँ निभाने के पश्चात वर्ष 2002 में उज्जैन आकर यहां के प्रतिष्ठित चेरिटेबल हॉस्पीटल से संबद्ध होकर सेवा दे रही हैं। वर्ष 2003 से निजी क्लीनिक का संचालन कर रही हैं व वर्तमान में सीएचएल अपोलो हॉस्पीटल से भी सम्बद्ध हैं।

# निःसन्तानों की आशा
# डॉ. अर्चना माहेश्वरी

### टेस्ट ट्यूब बेबी तकनीक की सौगात

डॉ. माहेश्वरी बिना टांके के बच्चादानी के ऑपरेशन की विशेषज्ञ हैं। इसके लिए लेजर तकनीक का प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त वे अपनी मित्र डॉ. मंजू राठी व डॉ. मोना गुप्ता के साथ मिलकर 'एबीव्हीएफ सेंटर' का संचालन कर रही हैं। इस सेन्टर में निःसंतान महिलाओं को उचित शुल्क में टेस्ट ट्यूब बेबी तकनीक से संतान सुख प्रदान किया जाता है। उज्जैन शहर को उन्होंने ही सर्वप्रथम एबीवीएफ सेंटर की सौगात दी है। इससे सैकड़ों दम्पत्ति की विरान जिंदगी संतान सुख से हरी-भरी हो चुकी है।

### संस्कारों के साथ उन्नति की यात्रा

डॉ. माहेश्वरी को मायके में तो संस्कारित माहौल मिला ही, साथ ही ससुराल भी उच्च संस्कारों से युक्त संयुक्त परिवार मिला। इसमें उनके सास-सुसर के साथ ही काका व ताऊ ससुर भी अपने परिवारों के साथ रह रहे हैं। कुल 12 सदस्यों का संयुक्त परिवार है। अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद वे अपनी संस्कृति के अनुसार हर व्रत-त्यौहार को उसी उत्साह के साथ मनाती हैं, जिस तरह एक आम माहेश्वरी महिला मनाती है। यह उनकी सादगी ही है कि वे घर में डॉक्टर नहीं होती बल्कि एक बहू, पत्नी व अपने बच्चों के लिए सिर्फ माँ ही हैं।

### सभी के स्नेह ने दिलाई मौत से जीत

डॉ. माहेश्वरी गत अगस्त 2014 में स्तन कैंसर की बीमारी से ग्रस्त हो गई। इसमें वे कई विकट स्थिति से गुजरीं। डॉ. माहेश्वरी अत्यंत भावुक होते हुए कहती हैं कि मौत से यह जंग उन्होंने सिर्फ और सिर्फ अपने परिवार के स्नेह व सम्बल और रोगियों की दुआओं से ही जीती। वे अपनी सफलता में अपनी सासु माँ श्रीमती गीतादेवी का बहुत बड़ा योगदान मानती हैं। उनका कहना है कि कोई भी रोग हो उससे मुक्त होने में दवा से ज्यादा जरूरी सकारात्मक सोच होती है। अतः हर रोगी को अपने स्वस्थ होने के प्रति सकारात्मक होना सबसे ज्यादा जरूरी है।

**बच्चे प्रकृति की वह देन हैं, जिनसे परिवार की बगीया महकती है, लेकिन कुछ कारणों से कई लोग इस सुख से वंचित रह जाते हैं। ऐसे दम्पत्तियों के जीवन में टेस्ट ट्युब बेबी तकनीक से खुशियों की बहार ला रही हैं, उज्जैन की ख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्चना माहेश्वरी।**

**कहते हैं कि बेटियाँ अपने पिता से बेटों से अधिक प्यार करती हैं। इसका ही उदाहरण है, ग्वालियर की डॉ. कला जाजू, जिन्होंने अपने पिता के सपने को साकार करने के लिये अपने जीवन की दिशा ही बदल दी।**

# पिता का सपना साकार
# डॉ. कला जाजू

वर्तमान में डॉ. कला जाजू ग्वालियर में स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में एक जानी मानी हस्ती हैं। आप यहाँ अपने पति डॉ. पुरूषोत्तम जाजू के साथ स्वयं का निजी मल्टी स्पेशलिटी चिकित्सालय ''रॉयल हॉस्पिटल'' संचालित कर रही हैं। इसमें मरीजों के लिये 30 बेड के साथ ही समस्त आधुनिकतम चिकित्सा सुविधाऐं उपलब्ध हैं। डॉ. जाजू 6 साल तक लक्ष्मीगंज प्रसूति गृह में पदस्त भी रहीं, जिसमें उन्हें दूरबीन द्वारा सर्वाधिक नसबंदी ऑपरेशन करने का अवार्ड प्राप्त हुआ था।

## पिता के सपने ने बदली धारा

डॉ. जाजू का जन्म अमरावती के धामणगाँव तहसील के एक जमींदार परिवार में 8 फरवरी 1958 को हुआ। उन्होंने अपनी स्त्री अनुकूल सुलभ रूचि अनुसार होम साईंस सहित आर्ट्स विषय लेकर हायरसेकण्डरी की परीक्षा उत्तीर्ण की। तभी उन्हें अनायास पता लगा कि उनके पिताजी का सपना था, उनकी बेटी डाक्टर बने। बस फिर क्या था, पिता का सपना सच करने की ठान ली। आमतौर पर विद्यार्थी साईंस से डर कर आर्ट्स विषय लेते हैं, लेकिन डॉ. राठी ने आर्ट्स विषय को बदलकर साईंस लिया और वर्ष 1976 में बी.एससी. प्रथम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की। इतना ही नहीं मेडिकल प्रवेश परीक्षा भी इसके साथ उत्तीर्ण कर वर्धा और नागपुर दोनों मेडिकल कॉलेजों के लिये क्वालीफाई हुई। आखिरकार नागपुर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लिये और श्रेष्ठ अंकों के साथ एम.बी.बी.एस. की उपाधि प्राप्त की। वर्ष 1982 में ग्वालियर के डॉ. पुरूषोत्तम जाजू से विवाह हुआ। इसके पश्चात् 9 वर्ष तक स्थानीय मेडिकल कॉलेज के कमलाराज अस्पताल में सेवारत रही और इसके साथ ही स्त्री रोग में स्नातकोत्तर डी.जी.ओ.पूर्ण किया। वर्ष 1998 से शासकीय सेवा से त्याग पत्र देकर स्वयं का ''रायल हॉस्पिटल'' संचालित कर रही है।

## कई संस्थाओं को सेवा

डॉ. जाजू अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद चिकित्सा तथा समाजसेवा क्षेत्र की कई संस्थाओं से सम्बद्ध हैं। चिकित्सा क्षेत्र की संस्था "GOGS" की कार्यकारिणी सदस्या हैं। वे रोटरी क्लब वीरांगना की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। इसमें उनके विशेष योगदान के लिये उन्हें ''बेस्ट प्रेसिडेंट अवार्ड'' से सम्मानित किया गया था। माहेश्वरी समाज संगठन के अंतर्गत डॉ. जाजू वर्तमान में स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल को उपाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवा भी दे रही हैं।

# समाजसेवा की यात्री
# सरोज लाहोटी

**समाज से मिला योगदान एक ऋण है, जो उसकी सेवा करके ही उतारा जा सकता है। इसी भावना से अपना योगदान दे रही हैं, कारंजा जिला वाशिम की सरोज लाहोटी।**

श्रीमती लाहोटी का जन्म उंद्री जिला बुलढाना में वर्ष 1956 में स्व. श्री अंबालाल राठी के यहां हुआ। समाजसेवा की भावना बचपन से पारिवारिक तौर पर ही मिली। 10 वीं तक की शिक्षा ग्रहण करते ही उनका विवाह वर्ष 1975 में कारंजा लाड निवासी सेठ स्व. श्री चुन्नीलाल लाहोटी के सुपुत्र विजयकुमार लाहोटी के साथ हो गया। यहां पत्नी, बहू, भाभी व माँ आदि की भूमिका का निर्वाह करते हुए भी उनकी समाजसेवा की भावनाएं परवान चढ़ने से नहीं रुकी।

## इस तरह चली यात्रा

कारंजा शहर में पहली बार राजस्थानी महिला मंडल की स्थापना कर 3 वर्ष तक सहसचिव, फिर 2 वर्ष तक सचिव रही। विदर्भ प्रादेशिक महिला मंडल की शाखा कारंजा तालुका में स्थापना कर मनोनित पद संभाला, उपरांत अध्यक्षा पद भी संभाला। वाशिम जिला माहेश्वरी महिला संगठन की 3 वर्ष तक अध्यक्षा रही। वशिम जिलाविदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन की जिला कार्यकारिणी में 3 वर्ष तक महिला सदस्या रही। कारंजा शहर में राजस्थानी समाज के शादी विवाह प्रसंगों पर महिला संगीत कार्यक्रमों व एकादशी भजन मंडल की मुख्य प्रवर्तक रही। कारंजा शहर में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला संगठन की अध्यक्षा रही व कुरुम, कामरगांव, धनज व वलगांव जैसे छोटे-छोटे ग्रामों में महिला संगठन की स्थापना करवाई। औरंगाबाद में हुए अखिल भारतीय महिला सम्मेलन में उत्कृष्ट अध्यक्षा सम्मान से पुरस्कृत हुई।

## कई जिम्मेदारियों का निर्वहन

वर्तमान में विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला मंडल में दूसरी बार सहसचिव पद के लिए चयन हुआ तथा राजस्थानी महिला मंडल कारंजा में सलाहकार समिति की सदस्या हैं। कारंजा में प्रसिद्ध श्री नृसिंह सरस्वती संस्थान के प्रतिवर्ष के उत्सव में भजन मंडल की मुख्य प्रवर्तक हैं। समाज के जरूरत मंदों को आर्थिक मदद हेतु उमा महेश सेवा समिति का गठन कर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं। स्थानीय लायनेस क्लब की संस्थापक अध्यक्ष भी हैं। समाज कार्यों में पाणपोई, गरीबों को अन्नदान, अपंग विद्यालयों को मदद, बाल संस्कार शिविर, विश्वशांति हेतु सुंदरकांड, गीतापाठ, एकादशी भजन जैसे उपक्रम इनकी जैसे दैनिक दिनचर्या हैं।

# संवेदनाओं का धड़कता दिल
# मीनाक्षी बजाज

नारी संवेदनाओं की मूर्ति है। अतः वह जन्मजात समाजसेवी ही होती है। उसके अंदर हर व्यक्ति के दर्द का अहसास छुपा होता है। इसी का उदाहरण हैं, अम्बेजोगाई की मीनाक्षी बजाज।

वैसे तो मीनाक्षी बजाज बीड़ जिला माहेश्वरी महिला संगठन उपाध्यक्ष तथा महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यकारिणी सदस्या है और माहेश्वरी महिला मंडल अम्बेजोगाई की सचिव रही हैं, लेकिन समाजसेवा के क्षेत्र में श्रीमती बजाज की पहचान इन पदों की बजाए उनकी निःस्वार्थ सेवा व संवेदनशीलता के कारण है। उनके अंदर के इंसान के इस तरह जागृत होने का कारण अपने पिता तेलगांव के समाजसेवी चंदूलाल कलंत्री से बचपन से मिले संस्कार हैं। विवाह के बाद पति नंदकिशोर बजाज का प्रोत्साहन व सहयोग मिला तो सेवा की ये भावनाएं सिर चढ़कर बोलने लगी। न सिर्फ संगठनों के माध्यम से बल्कि व्यक्तिगत स्तर पर भी जहां उनकी आवश्यकता लगी, वे वहां सेवा के लिए खड़ी नजर आई।

### इस तरह संवारी जिंदगी

श्रीमती बजाज की संवेदनशीलता को एक घटना स्वतः व्यक्त करती है। लगभग 12 वर्ष पहले अम्बेजोगाई के एक साधारण परिवार की लड़की का विवाह हुआ था, जिसे एक बेटी होने के बाद भी ससुराल वालों ने प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया। यहां तक कि उसकी बेटी भी उन्होंने रख ली। इस सदमे से वह मानसिक संतुलन खो बैठी। माता-पिता उसे संभाल तो रहे थे, लेकिन कमजोर आर्थिक स्थिति में यह सब मुश्किल था। श्रीमती बजाज को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने न सिर्फ 4-5 साल तक उसका सतत इलाज करवाकर उसे स्वस्थ करवाया बल्कि उसे निराश्रित महिलाओं के संगठन से सहायता भी दिलवाई। दुर्भाग्य से उसके माता-पिता का भी देहावसान हो गया और एक मात्र भाई भी विवाह पश्चात अलग रहने लगा। इससे वह बिल्कुल ही बेसहारा हो गई। इस स्थिति में श्रीमती बजाज ने एक माँ की तरह उसे सहारा दिया। गत जून 2014 में उन्होंने एक अच्छा लड़का देख उसका पुनर्विवाह करवाया। आज वह अपनी ससुराल में सुखी जीवनयापन कर रही है।

# उत्कृष्ट समाजसेविका
# रीना मीमाणी

उनके जीवन की खुशी कहें या लक्ष्य, उनके लिये तो सिर्फ जरूरतमंदों की सेवा ही जीवन का जैसे उद्देश्य है। हम यहाँ बात कर रहें हैं, जोधपुर की समाजसेवी रीना मीमाणी की जिन्होंने समाजसेवा को ही अपना जीवन अर्पित कर दिया।

समाज के वरिष्ठ गोपाल मीमाणी, जोधपुर (राज.) की पुत्रवधु व संजीव मीमाणी की धर्मपत्नी रीना मीमाणी एक कुशल गृहणी होने के साथ-साथ उत्कृष्ट समाज सेविका भी है। दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक श्रीमती मीमाणी ने गजोधपुर की विभिन्न सेवाभावी संस्थाओं एवं अंतर्राष्ट्रीय क्लब ग्रुप से जुड़कर विभिन्न पदों को सुशोभित करते हुए सेवा के क्षेत्र में कई आयाम स्थापित किए हैं। जॉयन्टस ग्रुप ऑफ जोधपुर सहेली में वर्ष 2005 में कोषाध्यक्ष, 2006 उपाध्यक्ष, 2007 में अध्यक्ष रहीं। जॉयन्टस ग्रुप ऑफ जोधाणो सहेली की अध्यक्ष 2010 एवं 2011 में रही। लायन्स क्लब ऑफ जोधाणा की अध्यक्ष व जोधपुर सेवी संस्था संघ की सचिव हैं। ऑल इंडिया कौमी एकता जोधाणा की सदस्य एवं जोधाणा सहेली संस्था की अध्यक्ष भी हैं।

### पर्यावरण से आत्मसुरक्षा तक की राह

विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के तत्वावधान में चिकित्सा शिविर, पौधारोपण, जीविका उपार्जन शिविर, कुकिंग क्लासेस, बच्चों के सर्वांगीण विकास कार्यक्रम, जुडो-कराटे, योग, गैस सुरक्षा, यातायात नियम, नागरिक सुरक्षा, तैराकी आदि कार्यक्रमों में श्रीमती मीमाणी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। आपदा प्रबंधन, सेमीनार, सूचना केंद्र जोधपुर एवं ठोस कचरा प्रबंधन सेमीनार-गीताभवन, जोधपुर के आयोजन में भी सक्रिय भूमिका रही।

### बच्चों से लेकर वरिष्ठों तक की चिंता

विभिन्न स्कूलों, आंगनवाड़ी में जरूरतमंद एवं निर्धन लोगों में कपड़ें, स्कूल-ड्रेस-मौजे, स्वेटर, बिस्किट, फल, मिठाई, स्कूल बैग, कॉपी व अन्य स्टेशनी समय-समय पर वितरण करती रही हैं। पर्यावरण, सफाई, यातायात-सीवरेज समस्या, स्काउट तथा गौशाला के कार्यक्रम में सक्रिय योगदान रहा है। जागरुकता कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय दिवस, धार्मिक दिवस-विशिष्ट दिवस आदि में श्रीमती मीमाणी सक्रिय रही हैं। जॉयन्टस ग्रुप इंटरनेशनल, मुंबई द्वारा श्रीमती मीमाणी का उनके सेवाभावी कार्यों हेतु प्रशस्ति प्रमाणपत्र एवं अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ फेडरेशन एवं क्लब स्तर पर भी विशिष्ट सेवाओं हेतु अनेक प्रशंसा पत्र एवं पारितोषिक मिले हैं।

# मारवाडी महासभा

**MARWADI MAHASABHA**

(विश्व के प्रगतिशील मारवाडियों की प्रमुख संस्था)

न्याय ही धर्म

संस्थापक
श्री. महेश राठी केकडीवाल
99 676 009 72

सुधार, सेवा का शिखर

## 5 लाख की भारत की ऐतिहासिक, अपूर्व एवं प्रेरक महेश्वरी कन्यानिधी 2014 घोषित

श्रीमती चंपादेवी रामस्वरूप डांगरा प्रायोजक महेश्वरी कन्यानिधी का अभिनंदन करती विश्व की प्रमुख मारवाडी समाज सुधारक डॉ. सुधा कांकरीया

"मुन्दडा कन्या निधी" के प्रायोजक श्री अमृतलालजी मुन्दडा सोजतरोड (पाली), श्री. चान्दमलजी सारडा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, श्री. रामस्वरूपजी डांगरा, कार्यक्रम प्रायोजक, श्री महेश राठी केकडीवाल, महासभा सभापती, श्री. श्यामसुंदर बिडला सभापती, अखिल भारतीय महेश्वरी सेवा सदन तथा "बिडला कन्या निधी" के प्रायोजक, डॉ. एन. के. ठक्कर, श्री. ओमप्रकाश राठी, पूर्व अध्यक्ष महेश्वरी समाज ठाणा एवं ठाणा जिल्हा अध्यक्ष महासभा, श्री. लक्ष्मीनारायणजी सोमानी पूर्वअध्यक्ष महेश्वरी प्रगती मंडल मुंबई, मुख्य वक्ता श्री. जयप्रकाश कावरा तथा सभी महेश्वरी महिलाएँ जिन्होंने दुसरी कन्या को जन्म दिया तथा जिन्हे पहिली बार चुनरी एवं सामाजिक गौरव पत्र देकर सम्मानित किया महासभाने

कुमारी आरोही राठी अपनी गर्वित माता श्रीमती दिप्ती मनीष राठी प्राप्तकर्ता महेश्वरी कन्यानिधी लेबर कॉलनी, फिरोझाबाद (आगरा) उत्तर प्रदेश पारिवारीक घोषित मासिक आय 4000 रू. उपलब्धी कन्या भ्रूणहत्या का निषेध

आमंत्रण पत्र देश के लगभग सक्रीय कार्यकर्ताओं को प्रेसित किया गया ताकि स्थानिक स्तर पर प्रेरक कार्य हो सके.

"महासभा शिखर सम्मान" 2014 डॉ. सुधा काकरीया को प्रदान करते हुए महासभा अध्यक्ष श्री. राठीजी. यह सर्वोच्च सम्मान है महासभा का जो विश्व में मारवाडी गौरव को बढ़ाने वाले वैचारिक प्रतिमा को प्रदान किया जाता है

"राष्ट्र के बेटी बढाओ अभियान की शपथ" के साथ ही सामाजिक अभिनंदन पत्र भी दो कन्याओं की गर्वित महेश्वरी माताओं को प्रदान किया गया.

सभी सदस्यों को २/३ बेटी होने पे २/३ लाख की फिक्स डिपॉझिट देनेवाली एक मात्र संस्था

देश की हर साल - पहली लडकी को तीन लाख

राजस्थान एवं देश मे १.५ करोड नीम लगाने का अभिनव सामाजिक संकल्प

२६ जनवरी की एक कन्या को मुंबई में २ लाख ड्रा द्वारा MFD

जगह जगह सार्वजनिक मिनरल वॉटर हट

Regd. Add : A - One - 007, Shruti Park, Sandoz Baug, Thane (W), Maha. India - 400 607

नोट : मारवाडी महासभा अपने सदस्यों के सिवा किसी से आर्थिक सहयोग नहीं लेती है. सदस्यों से पेमेंट सिर्फ चेक द्वारा लेती है.

**श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र समाज की एक ऐसी महत्त्वपूर्ण संस्था है, जो समाज के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। न सिर्फ पुरुष बल्कि समाज की कई महिलाओं को भी आर्थिक सहयोग प्रदान कर केंद्र ने स्व व्यवसाय की ओर प्रेरित किया। इनमें से कुछ महिलाओं के अनुभव भी प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।**

## महिलाओं के विकास में भी सहयोगी

# श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र

सेवा, त्याग, सदाचार को जीवन में सर्वोपरी मानने वाला माहेश्वरी समाज सदैव संवेदनशील रहा है। समाज का कोई भी व्यक्ति अर्थाभाव की वजह से जीवन यापन, चिकित्सा, शिक्षा से वंचित न रहे एवं समाज का प्रत्येक व्यक्ति आत्म-निर्भर बनें, यह समाज की सदैव सोच रही है। इसी शृंखला में आर्थिक दृष्टि से सीमित आय वाले बंधुओं को अपना निजी व्यवसाय शुरू व विकसित करने हेतु प्रारंभिक पूंजी के रूप में न्यूनतम सेवा शुल्क पर ऋण सहायता देकर उन्हें आत्म-निर्भर एवं स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से महासभा के तत्वावधान में श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र योजना की स्थापना महाराष्ट्र के भूतपूर्व राज्यपाल श्री सी. सुब्रमण्यम्, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेशचद्र लाहोटी एवं आदित्य बिरला समूह की चेमयरमेन श्रीमती राजश्री बिरला के करकमलों द्वारा दिनांक 15 अगस्त 1999 को चैन्नई में की गई।

### सतत बढा केन्द्र का कोष

योजना का कार्य विशाल हृदयी दानदाता बंधुओं के सहयोग से ही अग्रसर हो रहा है। समाज की बढ़ती हुई आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए केंद्र कोष रुपए 25 करोड़ करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्याध्यक्ष पद्मश्री बंशीलाल जी राठी का स्वास्थ्य ठीक न रहने की वजह से उन्होंने 30 सितम्बर 14 के पूर्व केंद्र कोष रुपए 20 करोड़ करने का संकल्प लिया था, जो उनकी लगन, तत्परता एवं सभी के सहयोग से पूर्ण हो गया है। राष्ट्र गौरव पद्मभूषण राजश्री बिरला पद्मश्री बंशीलाल राठी सर्वोच्च न्यायालय के निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश रमेशचंद्र लाहोटी,म.प्र. उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश कृष्णकुमार लोहाटी एवं विभिन्न क्षेत्र में ख्याति प्राप्त अनेक समाज बंधु केंद्र के सदस्य और प्रेरणा स्रोत हैं।

### महिलाएं भी उत्थान की ओर प्रेरित

योजना के अंतर्गत प्रारंभ में अधिकतम रुपए 50 हजार तक की ऋण सहायता प्रदान की जाती थी। व्यवसाय की बढ़ती हुई आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इसमें समय-समय पर वृद्धि की गई। वर्तमान में ऋण सहायता की अधिकतम सीमा रुपए 2 लाख है। जब वर्तमान में नारी के आर्थिक उत्थान का बिगुल बज रहा है, तो इसमें माहेश्वरी नारी भी पीछे नहीं है। श्री आदित्य विक्रम बिरला व्यापार सहयोग केंद्र उनकी इस विकास यात्रा का भी सहयोगी है। समाज की ऐसी कई महिलाएं हैं, जो केंद्र से आर्थिक सहयोग प्राप्त कर स्वयं का उद्यम या व्यवसाय न सिर्फ स्थापित कर चुकी है, बल्कि तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर भी हुई हैं।

## केंद्र ने बनाया आत्म निर्भर

### प्रीति राठी

सोलापुर की प्रीति अशोक राठी स्थानीय महिलाओं में एक अत्यंत सम्मानजनक नाम है। बी.कॉम. तक शिक्षित श्रीमती राठी ने परिवार की सारी जिम्मेदारियों बैंक, फायनेंस व ऑफिस वर्क आदि सम्भाली। यहां तक की बेटे को नर्सरी से 9वीं कक्षा तक पढ़ाकर उसकी नींव इस तरह मजबूत कर दी कि वर्तमान में वह अमेरिका से कम्प्यूटर साईंस में एम.एस. कर रहा है। जब बेटा पढ़ाई के लिये बाहर चला गया तो शौकिया तौर पर हेंडमेड आयटम बनाने लगी। श्रीमती राठी बताती हैं, एक बार एक डॉ. ग्राहक की रिश्तेदार जो अमेरिका में डॉक्टर है वो मेरे घर पर आयी और जितना सामान बना हुआ था वो सारा अमेरिका ले गयी। ऐसे विदेश का भी ऑर्डर मिलना चालू हो गया। फिर एक बार मुझे आदित्य विक्रम बिरला ट्रस्ट के बारे में पता चला तो मैंने भी अपना अपलिकेशन फार्म भरकर भेज दिया और वो पास हो गया। आज मेरा काम इतना बढ़ गया है कि मेरे साथ अपने ही समाज की 4-5 बहनें इस में जुड़ी हुई हैं। कई अन्य को भी इस वजह से रोजगार मिला है। इसके साथ श्रीमती राठी समाजसेवा में भी सक्रिय हैं।

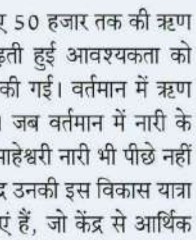

## मनीषा राठी ( पारूल राठी )

औरंगाबाद की मनीषा राठी के मन में स्वावलंबन की तीव्र इच्छा थी। बस इसमें बाधक बन रही थी, धन की कमी। इसे श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र ने 1 लाख रुपये की सहायता प्रदान कर दूर कर दिया। नतीजा यह है कि वे वर्तमान में अपनी स्वयं की साड़ी व ड्रेस मटेरियल की शॉप संचालित कर रही हैं। श्रीमती राठी कहती हैं कि अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के अंतर्गत आदित्य विक्रम बिरला स्मृति व्यापार सहयोग केन्द्र का व्यापार वृद्धि हेतु दिया गया सहयोग निश्चित रूप से स्तुत्य उपक्रम हैं। विशेष रूप से महिलाओं के सर्वांगीन विकास की दृष्टि से बहुत ही सराहनीय है। मुझे ट्रस्ट की ओर से जो लोन मिला उसका मैने व्यापार वृद्धि के लिए सही उपयोग किया। इसमें लगभग 15 से 20 प्रतिशत मेरे व्यापार में वृद्धि हुई। साथ ही साथ समाज में अधिक से अधिक महिलाओं से संपर्क भी बढ़ा।

## नंदा गिलड़ा

परभनी निवासी उमेश गिलड़ा की धर्मपत्नी नंदा गिलड़ा वर्तमान में यहाँ "गिफ्ट आयटम्स-कटलरी और स्टेशनरी" की अपनी शॉप का सफल संचालन कर रही हैं। इसके लिये केन्द्र द्वारा उन्हें 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। श्रीमती गिलड़ा बताती हैं कि आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र से पहली बार व्यापार हेतु 50,000 रु. का लोन लिया था, वो पूरा 5 साल में भर दिया। उसके आधार पर मुझे फिर से वर्ष 2011 में दो लाख रु. का लोन मिला। ये लोन भी मात्र 6% ब्याज दर और बिना किसी मॉडगेज पर मिला जो कोई भी बैंक या संस्था मुझे दे नहीं सकती। यह मेरा सौभाग्य है कि माहेश्वरी समाज में ऐसी संस्था है। इसी लोन से मैं व्यापार में गिफ्ट, ग्रीटिंग गैलेरी व ज्वेलरी का व्यापार भी चला रही हूँ।

## सपना एन. लोया

तेलडाल-बागलकोट निवासी सपना लोया वर्तमान में रेडिमेड ड्रेसेस की अपनी शॉप का सफलतापूर्वक संचालन कर रही हैं। इसके लिये केन्द्र ने उनके आवेदन पर उन्हें 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की थी। इसने उनके सपनों को जैसे पंख लगा दिये। श्रीमती लोया कहती हैं कि यह ट्रस्ट वास्तव में समाज की उन्नति में बहुत बड़ा योगदान दे रहा है। इसके कारण महिलाओं के लघु व्यवसायों को प्रोत्साहन मिला। कम ब्याज पर मिलने वाली सहायता मध्यम वर्ग के लिये बहुत बड़ी मदद है। हम इसके लिये ट्रस्ट के आभारी हैं।

## विनीता काबरा

इन्दौर निवासी समाज सदस्य सुनील काबरा की धर्मपत्नी विनीता काबरा वर्तमान में अपने "आयुर्वेदिक दवाइयों" के व्यवसाय का सफलता पूर्वक संचालन कर रही हैं। इसके लिये केन्द्र ने उन्हें 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की थी। श्रीमती काबरा बताती हैं कि मेरा विवाह शोभापुर जिला होशंगाबाद में हुआ था, लेकिन कुछ वर्षो से इन्दौर में ही निवास कर रहे हैं। मन में आत्मनिर्भर होने की प्रबल इच्छा थी। अतः आयुर्वेदिक दवाओं के व्यवसाय की शुरूआत की। इसमें पैसों की कमी बाधक बन रही थी। ऐसी स्थिति में आदित्य विक्रम बिरला व्यापार सहयोग केन्द्र सहयोगी बना। इससे प्राप्त सहयोग से अब मेरा व्यवसाय तेजी से उन्नति की ओर अग्रसर है।

## उज्वला कलंत्री

उज्वला कलंत्री, संगमनेर जिला अहमदनगर (महाराष्ट्र) की उज्वला नंदकिशोर कलंत्री फूड प्रोडक्ट्स का उत्पादन करने वाले एक तेजी से उभरते लघु उद्योग का संचालन कर रही हैं। इसके लिए उन्होंने श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र से 2 लाख रुपए की सहायता प्राप्त की थी।

श्रीमती कलंत्री बताती हैं कि हमारे यहां छोटा सा प्रोव्हिजन स्टोर्स था। आमदनी कम होने से परिवार का गुजारा करना मुश्किल हो रहा था। दुकान में बहुत सी चीजें ऐसी थी, जैसे उपवास, आटा, चटनी, खारिक पाउडर, चकली आटा, अनारसा आटा आदि जो हम बाहर से लाकर बेचते थे। एक दिन मेरे मन में विचार आया कि यह सब चीजें खुद घर पर ही बनाकर बेच सकती हूँ, इससे दो पैसों का ज्यादा मुनाफा भी हो सकता है। फिर मैंने प्रोडक्ट बनाकर गांव के सभी प्रोव्हिजन स्टोर्स पर बेचने को रखने का अनुरोध किया। सभी ने विश्वास के साथ मुझे सहयोग किया। इससे मेरा हौंसला दोगुना बढ़ गया, लेकिन व्यापार बढ़ाने के लिए मुझे धन-राशि की जरुरत पड़ने लगी। फिर मैंने आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र, चैन्नई से ऋण की मांग की और उन्होंने मुझ पर विश्वास रखकर धन-राशि की सहायता की, जिससे व्यापार सुचारु रूप से चलाने में सहायता हुई। मैंने मेरा यह व्यवसाय सन 2008 में शुरू किया और सन 2012 में मैंने लघु उद्योग युनिट की स्थापना की। आज मेरे प्रॉडक्ट पांच जिलो की सभी तहसील में वितरित होते हैं। अब मेरा एक साल का व्यवसाय 25 से 30 लाख का हो गया है। इस प्रकार मैंने जो छोटा सा बीज बोया था, आज उसका पौधा हो गया है और मुझे विश्वास है कि जल्दी ही यह व्यवसाय बड़े वृक्ष में तब्दील होगा।

## सविता माहेश्वरी

जबलपुर निवासी सविता माहेश्वरी डॉक्टर बनना चाहती थीं, लेकिन परिस्थिति वश वे यह सपना पूरा न कर सकीं। परन्तु विवाह के बाद आत्मनिर्भर होने का सपना देखा, तो इसे आदित्य विक्रम बिड़ला केन्द्र ने अवश्य पूरा करवा दिया। आप केन्द्र से 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त कर अपनी स्वयं की साड़ी व ड्रेस मटेरियल शॉप के साथ बुटिक चला रही हैं। श्रीमती माहेश्वरी बताती है कि मैं स्वयं एक प्रतिष्ठित समाज सेवी चन्द्रप्रकाश सॉवल राठी, उ.प्र. जो मध्य प्रादेशिक सभा के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं, की बेटी हूँ। 19 वर्ष की उम्र में विवाह हो जाने के कारण डॉक्टर बनने का सपना अधूरा रह गया था। फिर कुछ समय पारिवारिक व्यस्तता में निकला जैसे ही बच्चे स्कूली शिक्षा से निकले तो लगा कि अब अपने लिए कुछ करने का समय है। अपना स्वयं का कुछ कर दिखाने का मन में विचार करते हुए मैंने अल्प पूंजी से अपने व्यवसाय की शुरूआत की। मेरे व्यवसायिक रूझान को मेरे मम्मी-पापा एवं ससुर जी ने तहे-दिल से लिया। जब मुझे अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए पूंजी की आवश्यकता पड़ी, तब मुझे अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा द्वारा संचालित श्री आदित्य बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र का पता चला। इससे मिली सहायता का उपयोग व्यवसाय को विस्तार देने में किया। मेरा स्वावलंबी बनने का सिर्फ सपना ही नहीं था अपितु मैं अपने साथ-साथ और महिलाओं को भी स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित करना चाहती थी। इस दौरान मेरे द्वारा बहुत सी महिलाओं को अपने प्रतिष्ठान में रोजगार के अवसर प्रदान किए गये एवं उन महिलाओं के सपने साकार करने हेतु आर्थिक मदद के लिए श्री आदित्य बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र की जानकारी भी दी गई, जिससे उनको व्यवसाय में सफल होने में मदद मिली।

# नारी तुम केवल श्रद्धा हो

**नारी की महिमा का न सिर्फ जयशंकर प्रसाद जैसे कवियों ने ही बखान किया है, बल्कि वेद-पुराणों ने भी महिमा गायी हैं। लेकिन इसके लिये उसे उस आदर्श रूप में होना जरूरी है, जिससे उसके प्रति ''श्रद्धा'' उत्पन्न हो सके।**

हरिप्रकाश राठी
जोधपुर
मो. 094141-32483

महिला संरक्षण कानूनों का दिनोंदिन बढ़ता दुष्प्रयोग अब सिरदर्द बन गया है। हाल ही दिल्ली हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश ने सैक्शन 498 अर्थात् दहेज प्रताड़ना कानून के तहत एक स्त्री द्वारा अपने पति एवं पूरे परिवार को झूठा फंसाये जाने पर एक अत्यन्त महत्वपूर्ण टिप्पणी की है कि 'नारी अपनी विरासत को पहचाने। वह धात्री है, मां है, पालनहार है, जीवनदायिनी है। वह जीवन के सुख, सौहार्द एवं शान्ति को गति दें न कि इसमें अवरोधक बने।' आज जब महिला संरक्षण के नाम पर कानूनों का अंबार लग गया है, उनका दिनों-दिन गलत प्रयोग हो रहा है, तो यह टिप्पणी अत्यंत प्रासंगिक बन गई है कि आखिर क्या यह महिला कानून महिलाओं को सुकून एवं संरक्षण दे रहे हैं? अथवा फिर कहीं ऐसा तो नहीं है कि कानून की इस कटार से महिलायें अपने हितों का ही गला काट रही है ? कानून कटार है। उसका सदुपयोग, उस पर सकारात्मक सोच, महिलाओं की रक्षा करेगा एवं इसका निरन्तर दुरूपयोग अंततः समाज एवं सरकार को इन कानूनों को वापस लेने पर बाध्य कर देगा। महिलाओं की स्थिति तब और दयनीय बन जायेगी। स्मरण रहे, सोने की छूरी पेट में खाने के लिये नहीं होती।

महासभा द्वारा गठित 'परिवार परिवेदना समिति' जिसने अब तक देशभर में एक हजार से ऊपर प्रकरणों को देखा है, का मानना है कि महिला कानूनों के दुष्प्रयोगों से महिलाऐं पति एवं उसके परिवार वालों को परेशान कर कुछ पाने में सफल तो हो जाती हैं, पर अंततः दीर्घावधि स्तर पर महिला स्वयं अपने वैवाहिक कैरियर का गला घोंट देती है। सताया हुआ पति एवं उसके परिवारजन फिर जीवन भर उसे इस बात के लिये कोसते है। दहेज मांगा हो, प्रताड़ना हुई हो, अन्याय हुआ हो, तो इन कानूनों के प्रयोग से कोई इंकार नहीं है, दोषी को सजा मिलनी ही चाहिए। लेकिन दहेज न मांगा गया हो अथवा प्रताड़ना नहीं हुई हो, तो मात्र मित्र-रिश्तेदारों के उकसावे में आकर बदले की भावना से ऐसे केस दर्ज करवाना नितांत गलत है। हमारा अनुभव है कि जहां-जहां महिलाओं ने ऐसी झूठी धारायें लगाई हैं, पुनर्समायोजन, तमाम प्रयास करने पर भी असंभव हो जाता है।

मध्यप्रदेश में एक दम्पति में समायोजन नहीं हुआ। समझाईश के पश्चात् लड़की समाज के दबाव में ससुराल चली गई। कुछ समय पश्चात् पति, सास, ननद, ससुर एवं देवर सभी पर दहेज प्रताड़ना कानून सैक्शन 498ए लगा दिया। पति एवं उसका पूरा परिवार गिरफ्तार हुआ एवं अंततः अकारण मात्र छोटी-मोटी विसंगतियों के चलते यह प्रकरण तलाक में तब्दील हो गया। आश्चर्य! अंत में कुछ समय पश्चात् लड़की ने पुनर्समायोजन का आग्रह किया, लेकिन तब तक पानी सर से ऊपर बह चुका था। ससुराल वाले तमाम प्रयास करने पर भी नहीं माने। जो समस्या किंचित सहनशक्ति, संस्कारों के पुनर्जागरण से सुलझाई जा सकती थी, और उलझ गई एवं एक हंसता-खेलता परिवार एक स्त्री के दुष्चिंतन के दावानल में जल गया। इसी लड़की के बाद में किसी अन्य पुरूष से प्रेम प्रकरण में उलझे होने की खबर भी आई।

महिलाऐं अपने पुरातन संस्कारों, अपनी चिरपोषित थाती को पहचानें। वह सुशीला है, ममता की आगार है, करूणा की देवी है, अब तक घर महिलाओं ने ही चलाऐं हैं, वह सभ्यता एवं संस्कृतियों की संवाहक रही है, पुरूष की अर्धांगिनी रही है, वह अब कानूनों का दुष्प्रयोग कर विनाश का बिंब न बने। नारी की पूजा तभी होगी। कहते हैं परमात्मा ने नारी बनाते समय अपने दो दीये नारी की आंखों में रखकर कहा था कि इन दीयों के नीचे आने वाले हर पुरूष चाहे वो बुरा ही क्यों न हो, को रोशनी मिलेगी, खोया हुआ मार्ग मिलेगा। नारी अब पुरूष को पथभ्रमित न करे। महिला कानूनों का प्रयोग वाजिब परिस्थितियों में ही करे।

मुझे लोककवि 'जयशंकर प्रसाद' याद हो आये हैं। वे ' कामायिनी' में क्या खूब लिखते हैं-

''नारी तुम केवल श्रद्धा हो, विश्वास रजत नग पग तल में, पीयूष स्त्रोत-सी बहा करो, जीवन के सुंदर समतल में।''

अर्थात् हे नारी! आप सिर्फ श्रद्धा है, आप तो मात्र पुरूष के जीवन में अमृतदायिनी नदी होकर बहा करें। आपका होकर पुरूष सबका हो जायेगा, आपको खोकर वह सबसे भटक जायेगा। आप लक्ष्मी है, आप पुरूष के जीवन में वृष्टि की तरह बरसा करें।

# क्या कहती हैं महिलाऐं

## परेशानी की जड़ अशिक्षा

मैं अधिकांश समय अमेरिका में रही हूं एवं मैंने वहां महिला कानूनों का गलत प्रयोग बहुत कम देखा है। संभवतः भारत में ऐसे कानूनों का दुरूपयोग कम शिक्षा, अथवा फिर उकसावे में आकर होता होगा। अनेक बार स्वयं महिलायें भी नहीं जानती कि वकील उससे किस प्रारूप पर दस्तखत करवा रहा है। लड़की के मां-बाप भी अतिसंवेदनशील होकर अत्यन्त नकारात्मक मार्गो पर चले आते है। चिड़िया चुग गई खेत की तर्ज पर बाद में पछताते भी हैं। हमारे देश में संस्कारों का क्राइसिस यानि ह्रास भी हो चला है। पहले डोली जाती थी, अरथी निकलती थी, अब स्त्री कइयों की अरथी निकाल देती हैं। अधिक उम्र में देरी से विवाह भी इसका एक कारण है। हम नैतिक शिक्षा का पुनर्जागरण करें। मुझे तो एकमात्र यही समाधान नजर आता है।

**- श्रीमती तारा मून्दड़ा**

समाजसेविका एवं संरक्षक नॉर्थ साउथ फाउंडेशन

## प्रक्रिया की कमी का नतीजा

नारी सुरक्षा कानून सिर्फ विकट स्थिति में नारी की सुरक्षा के लिये है, अकारण किसी को नुकसान पहुँचाने के लिये नहीं। साथ ही कानूनी प्रक्रिया की कमी भी इसमें दोषी है। आमतौर पर प्रकरण झूठा सिद्ध होने पर भी अधिकांश महिलाओं को कोई सजा नहीं होती और अर्थदंड यदि होती है, तो वह भी नाम मात्र है। इससे कानून का भय इनका दुरूपयोग करने वालों के मन से निकल गया है। इसे रोकने के लिये कठोर नियम बनाने जरूरी हैं।

**- रजनी माहेश्वरी ( लखोटिया )**

समाजसेवी, उज्जैन

## यह संस्कारों में कमी का नतीजा

महिला सुरक्षा कानून का दुरूपयोग वास्तव में चिंता का विषय है। इसका मूल कारण संस्कारो की कमी है। ऐसा करके महिलाऐं स्वयं अपना ही नुकसान कर रही है। ऐसे कानूनों में भी ऐसा सुधार हो कि निरपराध के साथ अन्याय न हो। ऐसे मामलों में पुलिस का भी कर्त्तव्य है कि पूरी जाँच के बाद ही निष्कर्ष पर पहुँचे।

**- विनिता बियाणी**, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, दिल्ली प्रदेश महिला संगठन

## अपना दायित्व समझें महिलाऐं

महिला की सुरक्षा के लिए सरकार ने कानून बनाए हैं, तो महिलाओ का भी ये दायित्व बनता है कि उसका सदुपयोग करें। जो महिलाऐ ऐसा नहीं कर इसका दुरूपयोग कर रही है, वे महिलाएँ अपने साथ-साथ महिला समाज का भी बहुत बड़ा अहित कर रही है। दूसरो को तकलीफ दे कर कोई भी व्यक्ति सुखी नहीं रह सकता है और अंततः गलत काम का गलत ही परिणाम निकलता है। अतः मैं तो ऐसी महिलाओं का विरोध करती हूँ, जो सरकार द्वारा बनाए गए महिलाओं के कानूनों का दुरूपयोग करती है।

**- मनोरमा लड्ढा**, पूर्व अध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

## नारी समझे अपनी जिम्मेदारी

वर्तमान में दहेज प्रताड़ना सहित नारी सुरक्षा को लेकर बने तमाम कानूनों का दुपयोग हो रहा है। चाहे स्वयं अथवा अपने परिवार के दबाब में ही सही लेकिन नारी अपनी स्वार्थ सिद्धि अथवा किसी विवाद की स्थिति में सम्बंधित से शत्रुता निकालने के लिये इनका दुरूपयोग कर रही है। आमतौर पर लगभग अधिकांश तलाक के मामलों में ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना का प्रकरण दर्ज करवा देना आम बात है। इस स्थिति से निपटने का एक सुझाव यह भी है कि विवाह सम्बन्धित कानून में भी बदलाव होना चाहिए। दोनों पक्षों को समझने का समय देना चाहिए, तभी विवाह की वैधता मानी जानी चाहिए। इससे इस प्रकार की स्थिति बनने में कमी आयेगी।

**- डॉ. मंजू राठी**, स्त्री रोग विशेषज्ञ, उज्जैन

## गरिमा के अनुरूप आचरण करें

कानून महिलाओं के हित के लिए बने हैं औ बनाना भी चाहिए। लेकिन महिलाओं के द्वारा इसके दुरूपयोग से इसका महत्व कम हो गया है। इससे एक अविश्वास का वातावरण बन गया है। जो वास्तव में हकदार हैं, उसकी सहायता करने में भी एक शंका उत्पन्न होती है, ये ये सही है या गलत? महिलाओं को अपनी गरिमा के अनुरूप ही आचरण करना चाहिए। इस का दुरूपयोग कर किसी को परेशान करना उचित नहीं है, ऐसे तो आप अपने ही ऊपर उंगलियां उठवा रही हैं।

**- बिमला साबू**, पूर्व अध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

## कानून सही पर दुरूपयोग गलत

शासन द्वारा ऐसे समय में दहेज प्रतिरोधक कानून बनाया गया था, जब महिलाऐं इस कुप्रथा के कारण शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रही थीं। इसमें कोई शक नहीं कि इस कानून के बाद स्थिति में काफी सुधार हुआ है। परन्तु अब कई मामलों में महिलाओं द्वारा इसका दुरूपयोग किया जाने लगा है। वर्तमान परिस्थितियों में ये जरूरी हो गया है कि महिला पक्ष की शिकायत पर सीधे कार्यवाही करने से पहलें दोनों पक्ष की बात सुनें और सही निष्कर्ष पर पहुँचे। उद्देश्य यही होना चाहिये कि जरूरतमंद महिलाओं को सुरक्षा मिले, पर उसका दुरूपयोग भी न हो। यदि महिला पक्ष से भी कोई इसका दुरूपयोग करे तो उसे अवश्य सजा मिले। निर्दोष को अनावश्यक प्रताड़ित होने से बचाऐं।

**- ज्योति तोतला**, लेखिका एवं समाजसेवी, जयपुर

## चिंतन करना जरूरी

हमने कानून की पढ़ाई तो नहीं की जो कह सकें कि कानून में क्या कमी है, लेकिन महिला सुरक्षा के कानूनों का दुरूपयोग होना गलत है। इनमें क्या कमी है, इस पर चिंतन किया जाना जरूरी है। यदि कोई पारिवारिक विवाद है, तो उसमें सामाजिक स्तर पर काउंसलिंग हो, जिससे ऐसी स्थिति न बने।

**- कांता गगरानी**, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, महिला संगठन (उ.प्र.)

# महिलाएँ खुद नहीं जानतीं अपने अधिकार और कानून

भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के समय महिलाओं की दशा बड़ी शोचनीय थी। वे सामाजिक कुरीतियों जैसे बालविवाह, सतीप्रथा, बहुविवाह आदि की शिकार थी। महिला और पुरुष रथ के दो पहिए हैं यदि रथ का एक पहिया भी छोटा, जर्जरीभूत अथवा कहीं खंडित होगा तो स्पष्ट है कि रथ कहीं फंसेगा, कहीं धसेगा और दाए-बाएं डोलते हुए भयकारी रीति से चलेगा।इसलिए महिलाओं की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए भारतीय संविधान में महिलाओं को न केवल सभी मूल अधिकार प्रदान किए गए हैं, वरन राज्य को उनके लिए विशेष कानून बनाने का अधिकार दिया गया है। बीसवीं सदी के उत्तरार्ध में महिलाओं का उत्पीड़न रोकने और उन्हें उनका हक दिलाने के बारे में बड़ी संख्या में कानून पास हुए हैं। पुराने कानून बदले हैं और राजनीतिक तथा सामाजिक क्षेत्र में उन्हें कई अधिकार मिले हैं।

## क्या है महिलाओं के अधिकार

- किसी हिंदू, ईसाई, पारसी पत्नी के जीवनकाल में यदि उसका पति दूसरा विवाह कर लेता है, तो उसे भारतीय दण्ड संहिता में द्विविवाह के लिए कारावास और जुर्माने से दंडित किया जा सकता है।
- हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 2005 में हुए संशोधन के पश्चात न केवल पुत्री पिता की सम्पत्ति में पुत्र के बराबर हिस्सा प्राप्त करने की अधिकारी है वरन पैतृक सम्पत्ति में भी उसे पुत्र के बराबर ही हिस्सा प्राप्त होगा।
- किसी भी महिला को शादी में मिले उपहार उसकी निजी सम्पत्ति हैं।
- दहेज लेना व देना दहेज निषेध अधिनियम के तहत कानूनन जुर्म है। भारतीय दण्ड संहिता की धारा ४९८ (अ) के तहत दहेज की मांग को लेकर पति या पत्नी के रिश्तेदार अगर किसी महिला को परेशान करेंगे तो वे तीन वर्ष के कारावास एवं जुर्माने से दंडित किया जाएंगे।

- विवाह के अवसर पर वर-वधू को दिए जाने वाले उपहारों की सूची तैयार की जाना और उस सूची पर वर-वधू दोनों के हस्ताक्षर आवश्यक हैं।
- महिला किसी भी बैंक में अपना खाता खुलवा सकती है।
- महिला शादी के पश्चात भी अपना पूर्व का नाम रख सकती हैं।
- यदि पति बिना किसी कारण के या जान-बूझकर वैवाहिक संबंधों का निर्वाह नहीं करें, तो पत्नी अदालत में वैवाहिक संबंधों की पुनर्स्थापना के लिए प्रार्थना पत्र दायर कर सकती है।
- किसी भी महिला के शरीर के साथ उसकी इच्छा के बिना खिलवाड़ करना कानूनी अपराध है।
- यदि कोई महिला स्वयं का भरण-पोषण नहीं कर सकती है, तो वह अपने पति, बच्चों (पुत्र या पुत्री) अथवा पिता से भरण पोषण प्राप्त कर सकती है। राज्य सरकार ने हाल ही में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत 500/- रुपए के स्थान पर 2500/- तक भरण-पोषण दिलवाए जाने का प्रावधान किया है।
- महिला की इच्छा के विरुद्ध गर्भपात करवाना अपराध है, किंतु कोई महिला बच्चे के विकलांग पैदा होने के डर से या बलात्कार से गर्भवती होने पर या परिवार नियोजन का साधन असफल होने के कारण गर्भवती होने पर गर्भपात करवाती है, तो वह कानूनन अपराध नहीं है।
- किसी भी सरकारी नौकरी में स्त्री एवं पुरुष में धर्म, लिंग या जाति के

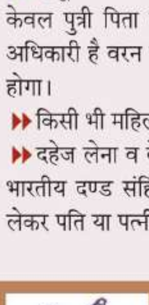

**हम नारी शक्तिकरण की बात करते हैं, लेकिन यह तब तक पूर्णतः संभव नहीं जब तक वह जागरुक न हो। वर्तमान में अधिकांश महिलाएं यह भी नहीं जानती कि उनके अधिकार क्या हैं? उसकी सुरक्षा के लिए कौन-कौन से कानून हैं? और उनका उपयोग कैसे किया जाएं?**

कमला मोहता, नागपुर

आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा अर्थात् समान कार्य के लिए समान वेतन दिया जाएगा।

▸▸ कामकाजी महिला को आयकर में 5000/- रुपए की छूट का प्रावधान है।

▸▸ परित्यक्ता एवं विधवा महिला अपने पिता की पेंशन भी ले सकती हैं, यदि उनकी माँ की मृत्यु हो चुकी है। यह पेंशन वे 25 वर्ष की उम्र तक ले सकती हैं। इसके पूर्व वे पुनर्विवाह कर लेती हैं, तो पेंशन पाने की हकदार नहीं हैं। अविवाहित पुत्री माता के ना रहने पर अपने पिता की जीवन पर्यंत पेंशन ले सकती है।

## क्या हैं महिलाओं के लिये बने कानून

**दहेज निषेध अधिनियम-** हमारे संविधान में दहेज से जुड़े अपराध से महिलाओं की रक्षा के लिए एक खास अधिनियम है। इस अधिनियम का नाम दहेज निषेध अधिनियम है, जो वर्ष 1961 में लागू हुआ था। इसके अनुसार दहेज लेना और देना दोनों है, अपराध। दहेज निषेध अधिनियम के सेक्शन 3 के मुताबिक यदि कोई व्यक्ति दहेज लेता या देता है या ऐसा करने के लिए किसी दूसरे व्यक्ति को उकसाता है, तो दोषी व्यक्ति को कम से कम पांच साल की कैद और कम से कम 15 हजार रुपए या दहेज की राशि (दोनों में जो अधिक हो) जुर्माने के तौर पर देनी होगी। यदि कोई व्यक्ति प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से दहेज की मांग करता है तो मांग से ज्यादा 10 हजार रुपए जुर्माने के तौर पर देने होंगें। विशेष परिस्थिति में कोर्ट के आदेश पर सजा 6 महीने से कम की हो सकती है।

**सेक्शन 498 ए -** समाज में बढ़ रही घरेलू हिंसा और दहेज की वजह से महिलाओं पर बढ़ रहे अत्याचार को रोकने के लिए वर्ष 1983 में दूसरे संशोधन में इंडियन पेनल कोड (आईपीसी) में सेक्शन 498 ए जोड़ा गया। इस सेक्शन के तहत विवाहित महिलाओं को उनके पति या पति के संबंधितों की क्रूरता से संरक्षित करने का प्रावधान है। यहां क्रूरता का मतलब किसी गैरकानूनी मांग या किसी भी तरह से शारीरिक या मानसिक यातना या क्षति पहुंचाना या महिला को ऐसी हालत में पहुंचाना है, जिससे वह आत्महत्या के लिए मजबूर हो जाए। दोषी पाए जाने पर व्यक्ति को तीन साल तक की सजा हो सकती है। इस सेक्शन के तहत होने वाले अपराध गैरजमानती हैं और कॉग्निजेबल ऑफेंस है यानी शिकायत करने पर पुलिस को हर हाल में केस दर्ज कर, उसकी जांच करनी होगी। यह सेक्शन हर धर्म के लोगों पर लागू होता है। इस सेक्शन के दुरुपयोग पर शिकायतकर्ता पर आईपीसी के सेक्शन 182 और 211 के तहत झूठा केस करने के आरोप पर केस चलेगा।

**सेक्शन 304 बी**- यह सेक्शन उन महिलाओं के लिए है जिनकी मृत्यु दहेज से जुड़ी किसी वजह से होती है। शादी के सात साल के अंदर कोई भी अप्राकृतिक मौत होती हो, तो उसका स्पष्टीकरण ससुराल पक्ष को देना होगा। अगर ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है, तो दोषी व्यक्ति को सात साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है।

## कैसे करें शिकायत

अपनी शिकायत लेकर आप महिला आयोग जा सकती हैं। महिला आयोग ससुराल पक्ष को बुलाकर दोनों पक्षों की मीटिंग कराता है और उसके बीच समझौता कराने की कोशिश करता है। आप महिला थाना में जाकर सीधे या पुलिस से मौखिक रूप से भी शिकायत कर सकती हैं। शिकायत करने पर पुलिस जुर्म दर्ज करती है, उसके बाद केस सही है या नहीं, इसकी जांच होती है, केस सही पाए जाने पर केस आगे बढ़ता है। आप चाहे तो कोर्ट जाकर भी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। केस दर्ज होने पर कोर्ट में सीधे शिकायतकर्ता के साथ 2 से 3 लोगों की गवाही होती है इसके बाद कोर्ट संज्ञान लेता है और दोषी के खिलाफ केस चलता है और दोष सिद्ध होने पर सजा होती है।

## महिला संगठन देगा 'परिवार शौर्य पुरस्कार'

महिला अधिकारों की रक्षा व उनकी भविष्य की सुखद यात्रा के लिए अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की महिला अधिकार एवं सुरक्षा समिति द्वारा राष्ट्रीय मंच पर उन्हें पारितोषिक दिया जावेगा, जिन माता-पिता की एक से अधिक संतान हैं और वे अपने जीते जी जमीन-जायदाद व संपत्ति का बंटवारा अपने सामने कर देते हैं या कर दिया है व वसीयत बनाकर सही जानकारी देते हैं, ताकि पूरा परिवार आगे की जिंदगी सुख पूर्वक निर्वाह कर सके। कारण माता-पिता के पश्चात पुत्र-पुत्री परिवार को गलत, झूठे हादसों का शिकार होकर जैसे प्रोपर्टी हड़पना, झूठी वसीयत बनाना आदि किसी भी प्रकार की वारदात होने के शिकार बन सकते हैं व बाद में प्रेम से रहने के बजाय दुश्मनों की तरह जीवन जीना पड़ता है और फिर डिप्रेशन इत्यादि कई बीमारियां उन्हें जकड़ लेती हैं। अतः जो माता-पिता इन बातों का पालन कर राष्ट्रीय संयोजिका व सहसंयोजिका तक यह बात पहुंचाने की पहल करेगा उन्हें राष्ट्रीय संगठन की इस समिति द्वारा मंच से ससम्मान पुरस्कृत किया जाएगा। पत्नी को पति द्वारा धनोपार्जन हेतु सभी योजनाएं संपत्ति-जायदाद, शेयर, बीमा, आभूषण, बैंकिंग इत्यादि की जानकारी होना नितांत आवश्यक है। क्योंकि हमें इससे संबंधित जानकारी नहीं होने से आगे कई प्रकार की समस्याओं व कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। बाद में संपत्ति व आर्थिक व्यवस्था होने के बावजूद भी हमें उससे निराशा हाथ लग सकती है। अतः अपने-अपने अनुभव जिला स्तर, प्रदेश स्तर पर रखकर राष्ट्रीय स्तर पर महिला अधिकार समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आंचलिक स्तर पर जानकारी दी जाएगी।

कीचन का खजाना

## कच्ची कैरी का सूप

सामग्री 1/2 किलो कैरी, 200 ग्राम गुड, शक्कर 100 ग्राम, 1/1/2 चम्मच, भूना जीरा, काला नमक, सेंदा नमक, काली मिर्च स्वादानुसार, 2 गिलास नारियल पानी।

**विधि-** कैरी को उबालक उसका पल्व निकाल लें। इस पल्व में गुड व चीनी डालकर आधा लीटर पानी मिलाकर उबाले। दो उबाल आने पर इसमें नमक, सेंदा नमक, काला नमक व जीरा मिलाकर एक उबाल लेकर ठंडा करें। एक दम ठंडा होने पर नारियल पानी मिक्स करके एक ठंडा सूप पेश करे।

▸▸ **पूनम राठी**, नागपुर
मो. 099700-57423

# महिलाओं की जान का दुश्मन सर्वाइकल कैंसर

**वर्तमान दौर में लगभग सभी देशों में सर्वाइकल कैंसर से महिलाओं की मृत्यु होने की घटनाऐं बढ़ी है। इसमें भी अधिक चिंता की बात यह है कि सम्पूर्ण विश्व में इस बीमारी से महिलाओं की होने वाली मृत्यु के आंकड़े में से लगभग 26 फीसदी से भी अधिक भारतीय महिलाऐं हैं। महिलाओं में मौत की बीमारी के रूप में चाहे यह जानी जाती हो, लेकिन उचित समय पर लिये गये सही निर्णय से इससे बचा जा सकता है। आईये देखें क्या करें हम?**

सर्वाइकल कैंसर को सामान्य बोलचाल में बच्चेदानी के मुंह के कैंसर के नाम से भी जाना जाता है। ज्यादातर मामलों में शुरूआती दिनों में इसकी पहचान न होने से जटिल अवस्था में पहुँचने पर यह कई बार मौत का कारण बन जाता है। दुनियाभर में सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौतों में 26.4 प्रतिशत मौतें सिर्फ भारत में होती हैं। वैसे तो इसके कई कारण होते हैं, किन्तु हयूमन पेपिलोमा वायरस से होने वाला यौन संक्रमण इसकी मुख्य वजह है। एक अच्छी बात है कि इससे बचने के लिए टीके विकसित हो चुके हैं, जो इसकी रोकथाम में अहम भूमिका अदा करते हैं।

## क्या है सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

सर्वाइकल कैंसर के शुरूआती दिनों में अलग से विशेष लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। कुछ लक्षण ऐसे है, जिसके होने पर विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए क्योंकि ये अन्य अवस्थाओं के साथ-साथ कैंसर में भी पाए जाते हैं, जैसे-महावारी की अनियमितता, मासिक चक्र के दिनों के अतिरिक्त बीच में भी रक्त आना, ज्यादा मात्रा व ज्यादा दिनों तक महावारी आना, रजनोनिवृत्ति के बाद भी पीरियड आना, शारीरिक संबंध के समय दर्द व रक्त स्त्राव होना गन्दा पानी आना, पेट के नीचे व कमर में दर्द बने रहना आदि।

## बचाव के लिए टीका भी उपलब्ध

टीके (वेक्सीन) सर्वाइकल कैंसर के मुख्य कारण हयूमन पेपिलोमा वायरस के विरूद्ध कार्य करते हैं व इसे पनपने से रोकते हैं। ये टीके उचित उम्र में लगाने पर इस वायरस जनित कैंसर के खतरे को कम करने में 80 से 90 फीसदी तक सफल है। ये टीके युवास्था में कभी भी महिलाओं में लगाए जा सकते हैं लेकिन यदि शारीरिक संबंध स्थापित होने की उम्र के पहले लगा दिए जाएं तो ज्यादा कारगर है, क्योकि इस वायरस का संक्रमण शारीरिक संबंध के दौरान होता है। टीके 9 से 11 वर्ष की उम्र में लगा दिए जाएं तो आगे इस बीमारी के खतरे से बचा जा सकता है। एक बार इस वायरस का संक्रमण होने के बाद ये टीके बेअसर रह सकते है, यानि ये रोकथाम में तो सहायक हैं, लेकिन रोग को ठीक करने में नहीं।

## विशेषज्ञ की देखरेख जरूरी

ये कुल तीन टीके 6 माह के अन्दर लगाए जाते हैं। वैसे तो कुछ मामूली साइड इफेक्ट्स के अलावा कोई गंभीर दुष्प्रभाव नहीं होते है, फिर भी इन टीकों को किसी स्त्री रोग विशेषज्ञ की सलाह से उनकी देखरेख में ही लगाना चाहिए। गर्भवती महिलाओं व कुछ जटिल रोगों में इन्हें नहीं लगाया जाता। ये टीके विकसित होने के बाद भारत में आए लगभग साढे चार साल हो चुके हैं, किन्तु अभी ज्यादा लोगों को इसकी जानकारी नहीं है। टीके कम लगाने की एक मुख्य वजह इसकी कीमत भी है क्योकि अभी भी एक टीके का बाजार मूल्य 2500/- रुपए है। तीन टीके का मूल्य 2500×3=7500/- रुपए।

Arun J. Mohta
+91 94222 15019

LALIT Steel
Iron & Steel Merchants
Authorised Dealer for Rajuri 500 TMT

Sarojinidevi Road, Jalna-431203 (MH.) India
Ph. +91-2482-230998, 231581, M. +91 95525 16019
E-mail : arunmohta72@gmail.com

**आपणी बोली** *- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर*

# 'फ्लू' री माया में सब भरमाया

खम्मा घणी सा हुक्म आपने बताऊँ की म्हे जिंदगी में कदैई अपणे जुकाम खांसी ने तवज्जो नहीं दी। हुक्म म्हाणे जमाने में जण नाक बहती थी और उन पाणी ने सुखावण वास्ते रुमाल नहीं तौलियों रखणो पड़तो। और तो और किन्हें भी जुकाम हूँ जावतो तो सब एक जुमलों केवता - जुकाम एक एड़ी बीमारी है जिनमें दवा लेवे तो एक हफ्ते सुं ठीक हूँ जावे और अगर दवा नहीं लेवे तो ठीक हुवण में सात दिन लाग जावे।

तेज जुकाम हुवण पर ज्यादा सुं ज्यादा तुलसी,कालीमिर्च रो काढो,या फिर सोमरस दो चम्मच गरम पाणी में ले लेवता । कसम सुं कई बार तो हुक्म नाक बहती रेवती और अपने आप ही बंद हूँ जावती।

हुक्म अब तो या हाल हूँ ग्या है एक छींक भी आ जावे तो लागे 'इमरजेंसी' रो मेसेज आ गयो है। और या हाल म्हारो नहीं पुरे समाज रे लोगाँ रो हूँ ग्यो है।

हुक्म एक कवि सम्मेलन में म्हे कविता सुनावण ग्या। माइक पर खड़ा होते ही दो छींक आ गयी।दो मिनट बोलण बाद  एक छींक और आ गई उने बाद तो गजब हूँ ग्यो सुणन आया सब श्रोता एक एक कर गायब हुवण लॉग ग्या। और तो और हद तो जण हो गई जण आयोजक भी बाहर जावण लाग ग्यो

म्हे बोली- भाईसाहब कांई म्हारी कविता इतनी उबाऊ है जो सारा विद्वान उठ उठ ने जा रिया है। वे शर्माशर्मी में बोलिया-नहीं स्वातिजी दरअसलआप बोल तो मस्त रिया हो पर लोग आपरी छींक सुं घबरा ग्या।वे सोचियो कठैई आपने 'स्वाइन फ्लू' तो नहीं है।

इतो सुणते ही म्हे ठहाका मार हंसण लाग ग्या। तो हुक्म हंसते ही जोर री खांसी आ गयीं ।अब तो आयोजक महोदय नाक पर रुमालरख ने यूँ भाग्या ज्यों म्हने कोई  पागल कुते ने काटण सुं 'हैड्रोफोबिया' नामक बीमारी हूँगी हो।

अब हुक्म चढ़ती उतरती सर्दी में जुकाम खांसी तो स्वाभाविक है । रोजमर्रा में केन्सर, टीबी, हार्टअटैक, लिवर, सिरोसिस, जेड़ी बीमारियां सुं हज़ारो लोग मर रिया है। लेकिन आदमी इणसूं इतो नहीं डरे जितो स्वाइन फ्लू सूं घबरावे ज्यान कोईं साक्षात् यमराज को 'एसएमएस'आय ग्यो। नेता, अभिनेता, हीरोइन रे स्वाइन फ्लू हुवण री खबरा यूँ बतावे ज्यों कोई कहर टूट गयो हुवे।

सही कहूँ तो हुक्म  ज्यादा तो म्हे भी होशियार कोनी पर इने पीछे रो अर्थशास्त्र देखा तो ध्यान पड़े कि सिर्फ स्वाइन फ्लू सूं इण देश री जनता रा करोड़ो रुपया किन्ही और री जेब में खिसक गया । स्वाइन फ्लू री जांच रे नाम पर ही लोग हज़ारो वसूलकर रिया है।टीवी पर स्वाइन फ्लू री खबरे यूँ दिखाई जावे ज्यों एड़ी बीमारी कुछ सालपेली प्लेग वाली बीमारी फेल गई ही ।

अगर आप थोडा सा भी जागरूक है सरकारी अस्पताल में तीन दिन री दवाई मुफ़्त में लेने भी स्वाइन फ्लू सुं बच सको। पर हुक्म आपने बचण कुण देईं? जब तक सौ पाँच सौ नहीं मरी तब तक 'टेमी फ्लू'खरीदी कुण ..

खेल ही खरीदण - बेचण सूं  हुवण वाळो मुनाफे रो है। क्यों सही है न ...

## व्यंग्य का हुड़दंग

## सिंहासन से सड़क पर

हेमन्त श्रीमाल
98268-13368

"लोगों ने
बन्द एसी कमरों से
हुकूमत करने वालों को
पहली बार
चिलचिलाती धूप में निकलते देखा
अपने अस्तित्व की रक्षा के लिये
इस देश की
तथाकथित महारानी को
पहली बार
सड़क पर पैदल चलते देखा
दादा !
आश्चर्य है
इस पर आपका क्या कहना है ?"

"बेटा छोटू !
इसमें आश्चर्य काहे का
यह तो होना ही था
मैं तो चकित इस बात पर हूँ कि
मोदी ने जो कहा था
वह
कितनी जल्दी सच करके दिखला दिया
खानदानी जागीरदारों को
देखते ही देखते
सिंहासन से उतारकर
सही मायने में सड़क पर ला दिया।"

श्री ॐ गं गणपतये नमः

# संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

**मेष-** यह माह आपके लिए उपलब्धियों से परिपूर्ण रहेगा, धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि रहेगी। सामाजिक क्षेत्र में मान-सम्मान एवं प्रतिष्ठा मिलेगी। मेहमानों का आगमन बना रहेगा। रुका हुआ पैसा प्राप्त होगा। जिस काम को हाथ में लेगें, उसे पूरा करके दम लेगें, ईमानदारी से अपने काम को अंजाम देंगे। वाणी पर पूर्ण नियंत्रण बनाए रखेगें। बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। वाहन, मकान पर अनावश्यक खर्च होगा। विरोधी परास्त होंगे, भाई परिवारजनों से मधुर संबंध बनेंगे। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। राजकीय पुरस्कार प्राप्ति के योग बनते हैं।

**वृषभ-** इस माह आपकी अध्यात्म में रुचि रहेगी। परिवार व मित्रों का सहयोग बना रहेगा। मन में दया भाव रखें, माँ-पिता के प्रति मन में आदर सम्मान बना रहेगा। अटके कार्य पूर्ण होंगे, जीवन साथी से प्रेम बढ़ेगा। मेहमानों के आगमन से व्यस्तता बनी रहेगी। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। मान प्रतिष्ठा में वृद्धि, नए सम्पर्क का लाभ, विदेश यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा। विद्यार्थी वर्ग को परीक्षा परिणाम में मनचाही सफलता मिलेगी एवं ज्ञानवर्द्धक साहित्य पढ़ने में रुचि बनी रहेगी।

**मिथुन-** यह माह आपके लिए मिला-जुआ रहेगा। आय के नए स्त्रोत की प्राप्ति होगी। धार्मिक यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। नए-नए मित्र बनेंगे। विद्यार्थी वर्ग छुट्टियों को एन्जॉय करेंगे। दाम्पत्य संबंधों में वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। धन के मामले में बड़ी चतुराई से काम लेंगे। बच्चों के साथ समय व्यतीत करेंगे। बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। नवीन वस्त्र अलंकार खरीदेंगे। किसी पर अधिक विश्वास न करें। किसी समारोह में मुख्य अतिथि बनकर जाएंगे। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देवे। पारिवारिक खर्च अधिक होगा।

**कर्क-** यह माह आपको मिश्रित फलदायक रहेगा। विद्यार्थी को मेहनत से कम फल प्राप्त होगा। व्यापार, कॅरियर के द्वारा नई दिशा मिलेगी। विपरित योनी की ओर रुझान बढ़ेगा। पुराने मित्र से अचानक मुलाकात से प्रसन्नता मिलेगी। परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। स्थानांतरण, प्रमोशन के प्रबल योग, नवीन वस्तु खरीदेंगे। संतान संबंधी परेशानी दूर होगी। वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं, जीवन साथी से संबंध सुधारें। हिम्मत व हौंसले के साथ आगे बढ़ेंगे।

**सिंह-** यह माह आपके लिए मौज-मस्ती मनोरंजन खेल आदि में व्यस्तता वाला रहेगा। सपने सारे सच होंगे। प्रमोशन, रोमांस से भरा रहेगा। बच्चों के परीक्षा परिणाम अच्छे होंगे। घर परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। अविवाहितों के विवाह प्रस्ताव आएंगे। ससुराल पक्ष से लाभ मिलने की संभावना रहेगी। संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेगा। व्यय अधिक होगा। जान-पहचान विशिष्ट लोगों से होगी। वैवाहिक जीवन में वैचारिक मतान्तर बना रहेगा। घर में पुत्ररत्न की प्राप्ति होगी।

**कन्या-** यह माह आपके लिए सामान्य रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार लाएगा। प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिलेगी। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी, न्यायालयीन प्रकरणों में सावधानी बरते। पुरस्कार एवं उपलब्धियां हांसिल होगी। बिना सोचे समझे काम न करें, ससुराल से लाभ मिलेगा। साझेदारी में कार्य लाभदायक रहेगा। ईर्ष्यालु प्रवृत्ति आपके लिए हानिकारक सिद्ध होगी। यात्रा योग प्रबल रहेंगे। शत्रु आपके पीठ पीछे साजिश रच सकते हैं। युवा वर्ग ज्यादा उत्साहित रहेंगे। विवाह संबंध के योग प्रबल रहेंगे।

**तुला-** यह माह आपको रुका हुआ रुपया मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पार्टी समारोह शादी में व्यस्तता बनी रहेगी। प्रेम प्रसंगों में सफलता मिलेगी। जोखिम भरे कार्यों से दूर रहें। मेहमानों का आगमन बन रहेगा। वाहनादि से सावधानी बरतें, सरकारी, राजकीय कार्य एवं वरिष्ठ अधिकारी, राजनीतिक व्यक्ति से सहयोग तथा रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रमोशन के योग न्यायालयीन प्रकरणों से परेशानी उठाना पड़ सकती है। सम्पत्ति योग श्रेष्ठ बनते हैं।

**वृश्चिक-** यह माह आपको मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि उत्साह प्रदान करेगा। पारिवारिक कार्य सम्पन्न होंगे। किस्मत आपका साथ देगी। नए-नए लोगों से जान-पहचान होगी। अधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान की ओर से परेशानी एवं अड़चने आएगी। माता-पिता का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होगा। ज्ञानवर्द्धक साहित्य की ओर रुचि रहेगी। संतान के विवाह संबंधी कार्य होंगे। धन संबंधी काम पूरे होंगे। विपरित योनी की ओर सावधानी बरतें।

**धनु-** यह माह आपके लिए शुभ रहेगा। नौकरी में प्रमोशन, लाभ एवं सहयोग मिलेगा। पारिवारिक समय प्रेमपूर्वक व्यतीत होगा। मांगलिक कार्यों की रुपरेखा बनेगी। यात्रा सुखद रहेगी। धार्मिक कार्यों एवं ईश्वर आराधना में मन लगेगा। भवन निर्माण के कार्य में रुकावट दूर होगी। राजनीति से जुड़े लोगों से संपर्क बनेगें। सुस्वाद व्यंजन का लुत्फ उठाएंगे। मधुमेह एवं रक्त से संबंधित बीमारी से सचेत बने रहें। अनावश्यक दिखावे पर अधिक खर्च करेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

**मकर-** इस माह आप धार्मिक, सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेगें, रुके कार्य पूर्ण होंगे। माता-पिता दोनों से सहयोग एवं स्नेह प्राप्त होगा। भूमि-भवन, नए वाहन खरीदेंगे। जल्दबाजी में कोई कार्य न करें। पैतृक सम्पत्ति का बंटवारा होगा। भाइयों से विवाद समाप्त होंगे। किसी नए कार्य की प्रेरणा मिलेगी। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। कॅरियर के मामले में सावधानी बरतें। अजनबी व्यक्तियों पर भरोसा कम करेंगे। व्यय अधिक होगा नियंत्रण करना जरुरी है।

**कुंभ-** यह माह आपके लिए सामान्य बना रहेगा। रचनात्मक कार्य में व्यस्त बने रहेंगे। नई सोच नए विचारों को प्राथमिकता देंगे। लापरवाही के कारण बनते कार्य बिगाड़ लिया करेंगे। किसी योग्य गुरु के मार्गदर्शन से उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता बनी रहेगी। मनोरंजन, पिकनिक परिवार के साथ घूमने-फिरने की योजना रहेगी। सम्पत्ति संबंधी मतभेद बनेंगे। धार्मिक यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। आय के साधनों में वृद्धि, घर में किसी नई वस्तु का क्रय करेंगे।

**मीन-** यह माह आपके लिए श्रेष्ठ रहेगा। सुस्वाद व्यंजन का स्वाद लेने, कल्याणकारी कार्य में अग्रसर बने रहेंगे। लोकप्रियता बढ़ेगी, चतुराई से कार्य करेंगे। यात्रा सुखद रहेगी, योग-व्यायाम, मेडिटेशन में रुचि रखेंगे। मेहमानों के आगमन से कुछ परेशानियां बनी रहेगी। कर्ज देने से बचें, घर परिवार में पूरा समय देंगे। किसी भी कार्य को सोच-समझकर पूर्ण करेंगे। बच्चों का मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा। विशिष्टजनों के संपर्क का लाभ मिलेगा। जीवन साथी से मधुर संबंध रहेंगे। लेखन कार्यों में मन लगा रहेगा।

## श्री सत्यनारायण झँवर

**गोकाक (कर्नाटक)।** वरिष्ठ समाजसेवी श्री सत्यनारायण मदनलाल झंवर का स्वर्गवास गत 9 फरवरी को 68 वर्ष की आयु में हो गया। श्री झँवर गोकाक के ख्यात इंजीनियरों में गिने जाते थे। आप माहेश्वरी प्रगति मंडल गोकाक के अध्यक्ष और कर्नाटक प्रदेश ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्य भी रहे। आप अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र, एक पुत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

## सुश्री सुनीता माहेश्वरी

**महू।** माहेश्वरी समाज की वरिष्ठ सदस्य स्व. श्री हरिकिशन जी माहेश्वरी एडवोकेट की सुपुत्री सुनीता माहेश्वरी का निधन 28 फरवरी 2015 को 61 वर्ष की आयु में हो गया वे विगत कुछ समय से अस्वस्थ थीं।

## श्री जुगलकिशोर सोमानी

**अमृतसर।** स्थानीय माहेश्वरी सभा के वरिष्ठ सदस्य श्री जुगलकिशोर सोमानी का गत 23 जनवरी को 86 वर्ष की अवस्था में स्वर्गवास हो गया। आप अमृतसर समाज के पूर्व सचिव चिमनलाल सोमानी के पिता थे। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ कर गए हैं।

## श्रीमती मांगीबाई बिड़ला

**मांडल।** समाज सदस्य तुलसीराम, बालकृष्ण, फतेहलाल व श्यामलाल बिडला की शतायु माता मांगीबाई बिड़ला का स्वर्गवास गत दिनों हो गया। आप मांडल समाज की सबसे वरिष्ठ सदस्या थीं। अपने पीछे पुत्र, पौत्र, पड़पौत्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई।

## श्री रामेश्वर लोहाटी

**जानेफल।** स्थानीय माहेश्वरी समाज के सामाजिक कार्यकर्ता भिकुलाल लाहोटी के छोटे भाई एवं सत्यनारायण लाहोटी के पिता भागवत प्रेमी श्री रामेश्वर-शंकरलाल लाहोटी का गत 25 फरवरी को 80 वर्ष की अवस्था में स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे 5 पुत्र व पुत्र वधु, पोत्र-पोत्री, प्रपोत्री एवं धर्म पत्नी आदि का भरापूरा परिवार छोड़कर गए हैं।

## श्रीमती कमलाबाई बजाज

**मंगरुलपीर।** समाज सदस्य सुभाषचंद्र बजाज एवं लातूर के नवलकिशोर बजाज की माता एवं नासिक सिड़को निवासी अजय बजाज की काकी श्रीमती कमलाबाई सूरजमल बजाज का महाशिवरात्रि के दिन स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्र, पुत्री, पोत्र-पोत्री, दोहित्र-दोहित्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़कर गई हैं।

## श्री सोजीराम जागेटिया

**भीलवाड़ा।** सुभाषनगर निवासी राजेंद्र जागेटिया के पिता एवं समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री सोजीराम जागेटिया का हाल ही में स्वर्गवास हो गया। श्री जागेटिया व्यवहारिक मिलनसार व धार्मिक व्यक्ति थे।

## श्री कैलाशचन्द्र झंवर

**भीलवाड़ा।** बैगूँ निवासी ग्रिनिज झंवर के पिता श्री कैलाश चन्द्र झंवर का असामयिक निधन गत दिनों हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

## श्री रामपाल सारड़ा

**अकोला।** ख्यातनाम उद्यमी एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री रामपाल सारडा का 73 वर्ष की अवस्था में गत 28 फरवरी को स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे भाई रामअवतार, भतीजे डॉ. मनोज, मनीष, सचिन एवं पुत्र शरद, भरत, नवल, दीपक, गजानन, अजय, विजय सहित पौत्र-पौत्रियों से भरापूरा परिवार छोड़ गये है। आपके मरणोपरांत नेत्रदान किये गये।

## श्रीमती विमलेश जाजू

**ग्वालियर।** अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महासभा एवं मप्र पूर्व क्षेत्रीय माहेश्वरी महासभा के कार्य समिति सदस्य, आदित्य विक्रम बिडला व्यापार केंद्र के ट्रस्टी, महेश सेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी, ग्वालियर जिला माहेश्वरी समाज के पूर्व अध्यक्ष गजेंद्र जाजू की धर्म पत्नी श्रीमती विमलेश जाजू का लंबी बीमारी के बाद गत 28 जनवरी को देहावसान हो गया। श्रीमती विमलेश जाजू ग्वालियर माहेश्वरी महिला मंडल की सक्रिय सदस्य रहीं। आप अपने पीछे पुत्र व पुत्रवधु अखिलेश-श्वेता, अभिषेक-निकिता (पुत्र एवं पुत्रवधू) तथा पौत्र-पौत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

## श्री विट्ठलदास मोहता

**आकोला।** उड़ीसा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश वल्लभदास मोहता के बड़े भाई एवं नागपुर उच्च न्यायालय (हायकोर्ट) के विधिज्ञ लक्ष्मणसिंह मोहता के बड़े भाई तथा अकोला के विधिज्ञ अजय मोहता के पिता विट्ठलदास-आईदान मोहता का 86 वर्ष की अवस्था में स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे धर्म पत्नी, पुत्र-पुत्री, पोत्र-पोत्री, दोहित्र-दोहित्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़कर गए हैं।

## श्रीमती रामकुमारीबाई चांडक

**आर्वी (वर्धा)।** स्व. श्री शंकरलाल चांडक (नेरी-वाले) की धर्मपत्नी श्रीमती रामकुंमारीबाई का 80 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

## श्रीमती हरकुंवरदेवी भट्टड़

**पिपरीया (होशंगा.)।** सामाजिक कार्यकर्ता तथा उद्योजक हरिनारायण भट्टड़ की माता श्रीमती हरकुंवर देवी भट्टड़ का 95 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया।

# Brijmohanlal Narayandas Vidur Rathi Charitable Trust

We Provide Scholarship to the
Needy Deserving Meticulous College Students
ONLY **'GIRLS'** For Commerce Stream

E-mail : svgslchn@gmail.com

# Shri Veerganapathi Steels [P] Ltd.

Iron & Steel Material

**"The Legend"**
No. 177/2, Poonamallee High Road (Opp. Ega Theatre),
Kilpauk, Chennai - 600 010 (INDIA)
Telefax : 044-28361757, 2836 4360, 2836 3169, 4285 8006
E-mail : svgslchn@gmail.com

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2015

If Undelivered Please Return To
**SRI MAHESHWARI TIMES**
Maheshwari Bhawan, Golamandi, UJJAIN (M.P.)
Ph. : 0734- 2556144, 2559389
E-mail : sri_maheshwaritimes@yahoo.com
smt4news@gmail.com




FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com